@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

गुरूवार, 20 अगस्त 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 286 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

टिकरी कलां में सीएनजी स्टेशन पर गैस टैंक फटा

तीन की मौत, कई लोग घायल

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के टिकरी कलां इलाके में बुधवार को एक सीएनजी स्टेशन पर वाहन में गैस भरते समय उसके गैस टैंक में जोरदार विस्फोट हो गया। समाचार एजेंसी के मुताबिक, हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हैं।

अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि विस्फोट की चपेट में आने से पास में खड़े छह लोग घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। दिल्ली अग्निशमन सेवा को घटना की सूचना अपराह्न 3.37 बजे मिली, जिसके बाद छह दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। अधिकारी ने बताया कि घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। उन्होंने कहा कि विस्फोट के सही कारण का अभी पता नहीं चल पाया है और मामले की जांच की जा रही है। अधिकारी के अनुसार, घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। अग्निशमन कर्मियों ने मौके पर आवश्यक एहतियाती कदम उठाए और स्थिति को नियंत्रण में किया। घायलों की स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

सभी घायलों को मुंडका के सीबी ग्लोबल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

'भारत का महत्वपूर्ण हिस्सा है जम्मू-कश्मीर'

अमेरिकी राजदूत का बड़ा बयान, घाटी को बताया खूबसूरत जगह

एजेंसी

श्रीनगर। श्रीनगर में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मुलाकात के बाद भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने जम्मू-कश्मीर की यात्रा चेतावनी को लेकर बड़ा संकेत दिया। सर्जियो गोर ने कहा कि अमेरिका समय-समय पर अपनी यात्रा चेतावनियों की समीक्षा करता है। उन्होंने कहा कि वह आज कोई बड़ा एलान नहीं कर सकते, लेकिन अमेरिका इस चेतावनी पर विचार करेगा। गोर ने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने जम्मू-कश्मीर को सुरक्षित बनाने की दिशा में शानदार कदम उठाए हैं। इसलिए अमेरिका यह देखेगा कि उसकी ओर से जारी यात्रा चेतावनी को कम किया जाना चाहिए या नहीं। गोर ने जम्मू-कश्मीर की खूबसूरती की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह एक खूबसूरत क्षेत्र है और उन्हें लगता है कि कई अमेरिकी यहां आकर इसकी खूबसूरती और यहां मौजूद अवसरों को देखना पसंद करेंगे।

उमर अब्दुल्ला ने क्या कहा?

सर्जियो गोर से मुलाकात के बाद उमर अब्दुल्ला ने कहा कि बैठक बहुत अच्छी रही। दोनों देशों के संबंधों पर चर्चा हुई। खास तौर पर इस बात पर बातचीत हुई कि अमेरिका जम्मू-कश्मीर के लिए क्या कर सकता है। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि कुछ पुराने मुद्दे हैं, जिन्हें समय के साथ सुलझाने की कोशिश की जाएगी। उन्होंने आगे भी यह बातचीत जारी रहने की उम्मीद जताई। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगे की बातचीत सर्जियो गोर और अमेरिका के बीच भी होगी। वहीं, वह खुद नई दिल्ली में भारत सरकार के साथ इस बातचीत को आगे बढ़ाएंगे। उमर अब्दुल्ला ने उम्मीद जताई कि आने वाले वर्षों में अमेरिका और जम्मू-कश्मीर के बीच संपर्क और सहयोग बढ़ेगा ।

सार-समाचार

नौकरी खत्म करने के विरोध में सड़क पर उतरे सैकड़ों अभ्यर्थी

'न्याय दो या फांसी दो' के नारे के साथ प्रदर्शन

रांची (एजेंसी)। झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी की परीक्षाएं रद्द किए जाने के बाद अब चयनित अभ्यर्थियों और नौकरी से हटाए गए कर्मचारियों का विरोध तेज हो गया है। सोमवार शाम से ही सैकड़ों की संख्या में जुटे सफल अभ्यर्थी और प्रभावित कर्मचारी प्रोजेक्ट भवन (झारखंड मंत्रालय) के मुख्य द्वार पर जमे हुए हैं और सरकार से फैसला वापस लेने की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान स्थिति उस समय तनावपूर्ण हो गई जब कुछ अभ्यर्थियों ने बैरिकेडिंग तोड़कर सुरक्षा घेरा पार किया और प्रोजेक्ट भवन परिसर के भीतर प्रवेश कर गए। प्रदर्शनकारियों ने 'इंसाफ दो या फांसी दो' के नारे लगाए। तेज बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में अभ्यर्थी और कर्मचारी रातभर प्रोजेक्ट भवन के बाहर डटे रहे। उनका कहना है कि सरकार के फैसले से उनकी नौकरी और भविष्य दोनों पर संकट खड़ा हो गया है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उनकी नियुक्ति में अगर किसी स्तर पर गड़बड़ी हुई है, तो उसकी जांच होनी चाहिए और दोषियों पर कार्रवाई की जानी चाहिए।

राजस्थान निकाय चुनाव 2026: दो चरणों में होगा मतदान

9 और 11 सितंबर को वोटिंग

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में आगामी नगरीय निकाय चुनावों का आधिकारिक बिगुल बज चुका है। राज्य निर्वाचन आयोग ने बुधवार को प्रदेश में नगर निकाय चुनावों के विस्तृत कार्यक्रम की औपचारिक घोषणा कर दी। राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनावी तारीखों का ऐलान किया। 14 सितंबर को मतगणना होगी। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही प्रदेश के संबंधित निकाय क्षेत्रों में 'आदर्श आचार संहिता' तुरंत प्रभाव से लागू हो गई है। दो चरणों में संपन्न होगी मतदान प्रक्रिया राज्य निर्वाचन आयुक्त के अनुसार निकाय चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से दो चरणों में आयोजित किए जाएंगे:

पहला चरण: प्रथम चरण के लिए 9 सितंबर 2026 को मतदान करवाया जाएगा।

दूसरा चरण: द्वितीय चरण के तहत 11 सितंबर 2026 को वोट डाले जाएंगे।

कोलकाता एयरपोर्ट पर विरोध प्रदर्शन के मामले में सौगत राय ने लोकसभा अध्यक्ष को लिखा पत्र

कोलकाता(एजेंसी)। कोलकाता हवाई अड्डे के बाहर मंगलवार को अपने वाहन को घेरकर नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन किए जाने के मामले में तृणमूल कांग्रेस के सांसद सौगत राय ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने भाजपा के दो विधायकों अरिजीत बक्सी और सौरभ शिकदार को घटना के लिए जिम्मेदार ठहराया है। दरअसल, सौगत राय मंगलवार को कोलकाता हवाई अड्डे की सलाहकार समिति की बैठक में शामिल होने के लिए एयरपोर्ट निदेशक के कार्यालय पहुंचे थे। बैठक समाप्त होने के बाद जैसे ही वह अपने वाहन में बैठे, प्रदर्शनकारियों ने वाहन को घेर लिया और 'चोर-चोर' के नारे लगाते हुए काले झंडे दिखाए। आरोप है कि कुछ प्रदर्शनकारियों ने जूते से वाहन के बोनट पर भी प्रहार किया। पुलिस और सुरक्षाकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों के बीच से किसी तरह सौगत राय के वाहन को बाहर निकाला।

'बच्चों को प्रॉपर्टी से बेदखल कर सकते हैं माता-पिता'

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- बढ़ती उम्र का मतलब अपमान-असुरक्षा नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार कहा कि बुजुर्ग माता-पिता को अपने घर में सम्मान और सुरक्षा के साथ रहने का अधिकार है। अगर बेटे या बहू का घर में रहना बुजुर्ग के भरण-पोषण या सुरक्षा में बाधा बन रहा है, तो वह उन्हें अपने बच्चों को घर से बेदखल कर सकते हैं।'

जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने कहा कि बढ़ती उम्र का मतलब अपमान या असुरक्षा के साथ रहना नहीं हैं। सभ्य समाज की पहचान इस बात से होती है कि वह अपने बुजुर्गों के साथ कितना सम्मान और सुरक्षा का व्यवहार करता है। सुप्रीम कोर्ट ने यह

आदेश लखनऊ के रवि कांत गुप्ता से जुड़े मामले में सुनाया। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में हाईकोर्ट के उस फैसले के खिलाफ अपील की थी, जिसमे अपने बेटे और बहू को घर से निकालने के SDM और जिला मजिस्ट्रेट के आदेश को रद्द कर दिया था।

लखनऊ के मकान से जुड़ा है मामला

रवि कांत गुप्ता लखनऊ के विकास नगर में रहते हैं। उनकी 81 साल की मां को घर छोड़कर वृद्धाश्रम में रहना पड़ा था। आरोप था कि उनके बेटे यानी गुप्ता के पोते ने उन्हें घर में रहने नहीं दिया। आरोप था कि उसके बेटे ने ऐसा व्यवहार किया कि उन्हें घर छोड़कर वृद्धाश्रम में रहना पड़ा। इसके बाद SDM ने 15 नवंबर 2022 को बेटे को मकान से निकालने का आदेश दिया। जिला मजिस्ट्रेट ने 9 अगस्त 2023 को इस आदेश को बरकरार रखा और बेटे-बहू को मकान खाली करने का आदेश दिया।

हाईकोर्ट का फैसला पलटा

हाईकोर्ट ने कहा था- कानून में बेदखली का अधिकार नहीं

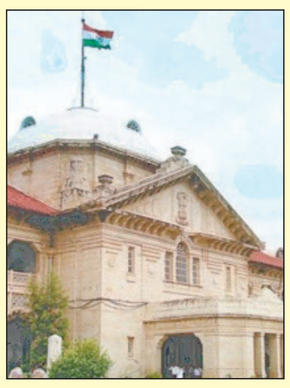

बेटे और बहू ने एसडीएम और जिला मजिस्ट्रेट के आदेश को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने कहा था कि माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007 के तहत ट्रिब्यूनल को वरिष्ठ नागरिक की संपत्ति से उसके बच्चों को बेदखल करने का अधिकार नहीं है। इसके बाद हाईकोर्ट ने दोनों आदेश रद्द कर दिए।

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट का फैसला पलटा

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को पलट दिया। कोर्ट ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए जरूरत पड़ने पर ट्रिब्यूनल बेदखली का आदेश दे सकता है।

प्रयागराज में बारिश की मार...!

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के गौस नगर में भारी बारिश के बाद रिहायशी इलाकों में पानी भर गया है।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में भारी बारिश के बाद रामबाग रेलवे स्टेशन पर रेलवे ट्रैक पानी में डूब गए।

'मराठी नहीं जानने वाले महाराष्ट्र में ऑटो-टैक्सी नहीं चला पाएंगे'

ट्रांसपोर्ट मंत्री बोले- पहले नोटिस देंगे, 3 महीने में नहीं सीखे तो लाइसेंस रद्द होगा

एजेंसी

मुंबई । मराठी भाषा नहीं जानने वाले ड्राइवर अब महाराष्ट्र में ऑटो-टैक्सी नहीं चला पाएंगे। राज्य में 20 अगस्त से उन ऑटो-रिक्शा और टैक्सी ड्राइवरों के खिलाफ अभियान शुरू होगा, जिनके पास मराठी का 'वर्किंग नॉलेज' यानी कामचलाऊ भाषा का ज्ञान नहीं है। यह अभियान पूरे राज्य में एक महीने तक चलेगा। ट्रांसपोर्ट मंत्री प्रताप सरनाईक ने बुधवार को इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा कि ड्राइवरों को पहले नोटिस देकर 3 महीने में मराठी सीखने का मौका दिया जाएगा। इसके बाद भी मराठी नहीं सीखने पर लाइसेंस और बैज सस्पेंड किया जाएगा।

आरटीओ की टीमें जांच करेंगी, वीडियो रिकॉर्डिंग भी होगी

मंत्री प्रताप सरनाईक ने बताया कि अतिरिक्त परिवहन आयुक्त रवि गायकवाड़ पूरे महाराष्ट्र में इस एक महीने के अभियान की निगरानी करेंगे। आरटीओ की फ्लाइंग स्क्वॉड ऑटो और टैक्सी ड्राइवरों की जांच करेंगी और नए नियमों का पालन हो रहा है या नहीं, यह देखेंगी। जांच के दौरान वेरिफिकेशन की वीडियो रिकॉर्डिंग भी की जाएगी।

वर्किंग नॉलेज का मतलब साफ नहीं, ड्राइवरों में चिंता

सेवा सारथी ऑटो-रिक्शा टैक्सी एंड ट्रांसपोर्ट यूनियन के नेता डीएम गोसावी ने कहा कि सरकार ने मराठी का वर्किंग नॉलेज होना जरूरी कर दिया है, लेकिन यह साफ नहीं किया कि आखिर कितनी मराठी जानना जरूरी होगी। उनका कहना है कि नियम स्पष्ट नहीं होने पर आरटीओ में भ्रष्टाचार और ड्राइवरों के आर्थिक शोषण की आशंका बढ़ सकती है। महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में ऑटो-टैक्सी ड्राइवर दूसरे राज्यों से आए हुए हैं और उन्हें मराठी नहीं आती है। महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में ऑटो और टैक्सी ड्राइवर यूपी, बिहार और दूसरे राज्यों से आते हैं। इनमें कई ड्राइवरों को मराठी नहीं आती या वे बहुत कम मराठी बोल पाते हैं। ऐसे ड्राइवरों को लाइसेंस और परमिट रद्द होने का डर है।

महुआ के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

बार-बार समन के बाद भी कोर्ट में पेश नहीं हुईं टीएमसी सांसद

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले की एक अदालत ने टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आदेश दिया है। मामला कथित तौर पर महिलाओं का अपमान करने और नफरत फैलाने वाले भाषण से जुड़ा है। कृष्णानगर कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट की तामील की रिपोर्ट 28 अगस्त को अदालत के सामने पेश करने का भी निर्देश दिया है। मामले में महुआ मोइत्रा के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई थी। आरोप है कि उन्होंने महिलाओं का अपमान किया और नफरत फैलाने वाला भाषण दिया। इसके बाद अदालत ने उन्हें पेश होने के लिए पूर्व-संज्ञान समन जारी किए थे। अदालत ने कहा कि महुआ मोइत्रा को कई बार समन भेजे गए। इसके बावजूद वह कोर्ट में पेश नहीं हुईं।

बिना बीमा पेट्रोल नहीं: सुप्रीम कोर्ट का केंद्र सरकार को सख्त आदेश

दिल्ली से शुरू होगा पायलट प्रोजेक्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। बिना वैध बीमा के वाहन चलाने वालों पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती दिखाई है। कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा है कि वह ऐसे पायलट प्रोजेक्ट को लागू करे, जिसमें वैध बीमा नहीं होने पर पेट्रोल पंपों से वाहन को ईंधन ही न मिले। कोर्ट ने कहा कि इसकी शुरुआत दिल्ली से की जा सकती है।

बुधवार को यह मामला जस्टिस संजय करोल और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ के सामने आया। केंद्र की ओर से पेश वकील ने चार अगस्त के सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला दिया। उन्होंने बताया कि पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय को इस व्यवस्था को लेकर कुछ चिंताएं हैं। इस पर पीठ ने साफ कहा, 'आपको इसे लागू करना होगा।' कोर्ट ने कहा कि पायलट प्रोजेक्ट दिल्ली से शुरू किया जा सकता है। केंद्र के वकील ने बताया कि इसके लिए तेल विपणन कंपनियों को पेट्रोल पंप डीलरों के साथ बैठक करनी होगी। इस पर कोर्ट ने कहा, 'आप पायलट प्रोजेक्ट शुरू करें।' सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से एक ठोस प्रस्ताव पेश करने को भी कहा है। इसमें चार अगस्त के फैसले में दिए गए निर्देशों को लागू करने की समयसीमा बतानी होगी। मामले की अगली सुनवाई 21 अगस्त को होगी।

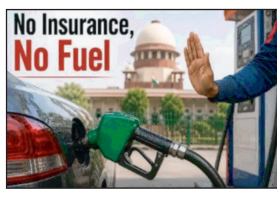

चार अगस्त के फैसले में क्या कहा था?

सुप्रीम कोर्ट ने चार अगस्त को दिए अपने फैसले में बिना तीसरे पक्ष के बीमा के सड़कों पर चल रहे बड़ी संख्या में वाहनों पर गंभीर चिंता जताई थी। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को निर्देश दिया था कि एक पायलट प्रोजेक्ट तैयार किया जाए। इसमें वाहनों को मिलने वाले ईंधन को उनके वैध बीमा की स्थिति से जोड़ा जाए। यानी अगर किसी वाहन का वैध बीमा नहीं है, तो पेट्रोल पंप पर उसे ईंधन न दिया जाए। वाहन मालिक को पहले वैध बीमा कराना होगा। इसके बाद ही उसे ईंधन मिल सकेगा।

बिना बीमा वाहनों की पहचान में मिलेगी मदद

सुप्रीम कोर्ट ने इस व्यवस्था के दो बड़े फायदे बताए थे। पहला, इससे बिना बीमा या बिना पंजीकरण वाले वाहनों की पहचान करने में मदद मिलेगी। दूसरा, वाहन मालिकों पर वैध बीमा कराने का दबाव बनेगा। शीर्ष अदालत ने कहा था कि इस तरह के प्रोजेक्ट से मोटर वाहन अधिनियम की धारा 146 के प्रावधानों का जमीन पर पालन सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। इसके लिए एएनपीआर यानी ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन कैमरों का इस्तेमाल किया जा सकता है।

टोल प्लाजा पर भी ऑटोमैटिक व्यवस्था के निर्देश

चार अगस्त के फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर होने वाली सड़क दुर्घटनाओं का भी संज्ञान लिया था। कोर्ट ने टोल प्लाजा पर लगने वाली लंबी कतारों के असर पर भी ध्यान दिया था। कोर्ट ने कुछ कॉरिडोर पर पायलट प्रोजेक्ट लागू करने का निर्देश दिया था। इसमें टोल प्लाजा पर वाहनों को रोकने के बजाय टोल प्वाइंट से गुजरने वाले वाहनों की ऑटोमैटिक पहचान की व्यवस्था करने की बात कही गई थी।

राहुल, सोनिया और प्रियंका गांधी वाड्रा को हटा दें, तब कांग्रेस में शामिल होऊंगा

पूर्व भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला का बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने भारतीय जनता पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने फैसले की वजह खुलकर आर्थिक और व्यक्तिगत कारणों को बताया है, जिसका जिक्र उन्होंने हाल ही में इंटरव्यू में किया था। हालांकि, भाजपा ने अभी तक उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है।

पूनावाला ने स्पष्ट किया कि राजनीतिक दल अपने कार्यकर्ताओं को कोई वेतन नहीं देते, जबकि उन्हें अपनी रोजमर्रा की जरूरतों जैसे मकान किराया आदि का भुगतान करना होता है। उन्होंने कहा, मेरा मकान मालिक घर इसलिए मुफ्त में नहीं दे देगा, क्योंकि मैं भाजपा से हूं। वहां हर महीने की 1 तारीख को किराया मांगता है। उन्होंने जोड़ा कि किसी राजनीतिक आंदोलन से जुड़ना नौकरी नहीं है, बल्कि यह विचारधारा, व्यक्ति या संगठन के प्रति प्रेम का परिणाम होता है। उन्होंने बताया कि वह 2024 से ही इस्तीफे पर विचार कर रहे थे और इस दौरान कई नेताओं ने उनसे संपर्क भी साधा था।

कांग्रेस में शामिल होने के सवाल पर पूनावाला ने भले ही सीधे इंकार किया हो, लेकिन उन्होंने कुछ ऐसी शर्तें रखीं जो अवास्तविक लगती हैं। उन्होंने कहा कि वह कांग्रेस में तभी शामिल हो सकते हैं, जब राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा को हटा दिया जाए और नेहरू के कार्यों के लिए माफी मांगी जाए। खास बात यह है कि पूनावाला स्वयं 2021 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए थे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अपनी वैचारिक निष्ठा दिखाकर कहा कि पीएम मोदी से बड़ा नेता इस देश में न कोई हुआ है और न ही कोई होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा इस समय भारत की सबसे अच्छी पार्टी है और राष्ट्रीय प्रवक्ता के तौर पर काम करने के बाद वह किसी अन्य पार्टी से जुड़ने के बारे में नहीं सोचते। उनके त्याग पत्र में भी आर्थिक मजबूरियों का हवाला देकर मोदी जी के विजन के समर्थन की बात कही गई है।

इंस्टाग्राम पर पीएम मोदी की माला चढ़ी हुई तस्वीर, बीजेपी ने की थाने में शिकायत

रांची (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी पर आपत्तिजनक पोस्ट के विरुद्ध बीजेपी ने रांची के साइबर थाने में लिखित शिकायत की है और आरोपितों के विरुद्ध इंटरनेट मीडिया पर अमर्यादित सामग्री प्रसारित करने का आरोप लगाया है। बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने इस मामले में निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उन्होंने बताया कि इंस्टाग्राम पर ऋषिकेश चौहान नाम के अकाउंट से पीएम मोदी के चित्र पर माला चढ़ी हुई तस्वीर व इससे जुड़ी सामग्री पोस्ट की गई है। उसमें अंतिम संस्कार से संबंधित शब्दावली का इस्तेमाल किया गया है।एक जीवित प्रधानमंत्री को मृत दर्शाना अत्यंत गंभीर व आपत्तिजनक है। मीडिया रिपोर्ट अजय साह ने पुलिस से मांग की है कि संबंधित इंस्टाग्राम अकाउंट की आइपी लाग, लागिन हिस्ट्री, डिवाइस डिटेल, लिंक्ड मोबाइल नंबर, ईमेल, मेटा डाटा व अन्य डिजिटल साक्ष्य को विधि के मुताबिक सुरक्षित रखा जाए और सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की जाए। इधर, साइबर थाना रांची का कहना है कि शिकायत मिली है, उसका सत्यापन किया जाएगा और उसके बाद उस आवेदन पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, पूरे मामले को संवेदनशील होकर देखा जा रहा है।

पश्चिम बंगाल में दो दिन में दो होटलों में लगी आग से 18 की मौत, मचा हड़कंप

-कई मृतक बांग्लादेशी नागरिक थे जो इलाज कराने भारत आए थे, जांच शुरु

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में लगातार दो बड़े होटलों में अग्निकांड से हड़कंप मच गया है। कोलकाता और बीरभूम जिले के धार्मिक स्थल तारापीठ में हुई अलग-अलग आग की दुर्घटनाओं में कुल 18 लोगों की जान चली गई। पुलिस और अग्निशमन विभाग दोनों मामलों में होटल प्रबंधनों द्वारा फायर सेफ्टी नियमों के उल्लंघन की गहन जांच कर रहे हैं। होटल में ठहरे कई मेहमान बांग्लादेशी नागरिक थे जो इलाज के लिए कोलकाता आए थे। बचाव दल मौके पर पहुंचे और इमारत से कई लोगों को बाहर निकाला। रात 3 बजे के बाद, 9 लोगों को बचाया गया और अस्पताल ले जाया गया, जहां बाद में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फायर विभाग ने बताया कि सभी मृतक बांग्लादेशी नागरिक थे जो इलाज के लिए शहर में आए थे। अधिकारी इन आरोपों की जांच कर रहे हैं कि होटल में आग से सुरक्षा के पर्याप्त उपाय और उचित इंतज़ाम नहीं थे। अधिकारियों ने अभी तक आग लगने के सही कारण का पता नहीं लगाया है। जांच जारी है। कोलकाता में आग की यह घटना बंगाल के बीरभूम ज़िले के एक होटल में लगी आग के ठीक एक दिन बाद हुई है। सोमवार को तड़के करीब 4 बजे तारापीठ में चार मंज़िला होटल के ग्राउंड फ्लोर पर आग लग गई, जब ज्यादातर मेहमान सो रहे थे। आग की लपटें दूसरी मंज़िल तक फैल गईं, जबकि घने धुएं ने इमारत के ऊपरी हिस्सों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे कई मेहमान अपने कमरों में फंस गए। इस घटना में नौ लोगों की मौत हो गई, जिनमें मेघालय के एक परिवार के 5 सदस्य भी शामिल थे। पुलिस ने होटल के मालिक कल्याण पाल समेत दो लोगों को हिरासत में लिया है। यह कार्रवाई होटल में आग से सुरक्षा नियमों के संभावित उल्लंघन की जांच के तहत की गई है।

जम्मू-कश्मीर की समस्याओं का समाधान नई दिल्ली करेगी, न कि वॉशिंगटन

-सर्जियो के साथ बैठक से पहले सीएम उमर बोले- दूसरे से शिकायत करना गलत

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के साथ बैठक से पहले एक साफ कूटनीतिक दायरा तय किया और अटकलों को शांत करने की कोशिश की। उन्होंने साफ कहा कि जम्मू-कश्मीर की समस्याओं का समाधान नई दिल्ली करेगी, न कि वॉशिंगटन। बुधवार सुबह श्रीनगर में पत्रकारों से बात करते हुए सीएम उमर अब्दुल्ला ने साफ किया कि हालांकि वह स्थानीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे, लेकिन वह इस बैठक का इस्तेमाल किसी विदेशी राजनयिक के सामने भारत की शिकायत करने के लिए बिल्कुल नहीं करेंगे।

अब्दुल्ला ने साफ कहा कि वॉशिंगटन हमारी समस्याओं का समाधान नहीं करेगा। हमारी केंद्र सरकार को ही हमारी समस्याओं का समाधान करना होगा। किसी दूसरे देश के राजदूत से शिकायत करना गलत होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि श्रीनगर में अमेरिकी राजदूत के साथ बुधवार को प्रस्तावित बैठक में अंतरराष्ट्रीय मुलाकातों के लिए तय प्रोटोकॉल का पालन किया जाएगा। उमर ने कहा कि मैं जम्मू-कश्मीर और वहां के हालात के बारे में बात करूंगा, लेकिन शिकायत नहीं करूंगा। मैं उनसे अपनी समस्याओं का समाधान खोजने की कोशिश भी नहीं करूंगा। यह देखते हुए कि 15 से ज्यादा सालों में यह पहली बार है जब जम्मू-कश्मीर का कोई मौजूदा सीएम किसी मौजूदा अमेरिकी राजदूत से मिल रहा है। अब्दुल्ला ने कहा कि ज़्यादातर, मैं उनकी बात सुनना पसंद करूंगा। हालांकि वह भी सुनने ही आ रहे हैं।

यह हाई-प्रोफाइल मुलाकात ऐसे समय में हो रही है जब जम्मू-कश्मीर की क्षेत्रीय पार्टियां राज्य का दर्जा पूरी तरह बहाल करने और संवैधानिक गारंटी की सक्रिय रूप से मांग कर रही हैं, जहां विश्लेषक इस बैठक को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक अहम संदेश के तौर पर देख रहे हैं क्योंकि गोर दक्षिण और मध्य एशिया के लिए वॉशिंगटन के विशेष दूत की दोहरी भूमिका निभा रहे हैं। वहीं सीएम अब्दुल्ला ने अपने संबोधन में विदेशी मध्यस्थता या आंतरिक मतभेदों से जुड़ी किसी भी अटकल को पहले ही शांत करने की कोशिश की।

हरियाणा में अग्निवीरों को तोहफा : 6 सरकारी नौकरियों में 20 प्रतिशत आरक्षण

गुरुग्राम (एजेंसी)। हरियाणा की नायाब सैनी सरकार ने सेना से लौटे अग्निवीरों के लिए महत्वपूर्ण नीतिगत बदलाव किया है, इसके तहत उन्हें विभिन्न सरकारी नौकरियों में विशेष आरक्षण और भर्ती प्रक्रिया में छूट मिलेगी। यह नई व्यवस्था आगामी 1 सितंबर से लागू होगी, जिसका उद्देश्य सैन्य सेवा और प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त कौशल को सम्मान देना और उनके लिए नई राहें खोलना है। सबसे बड़ा लाभ पुलिस कांस्टेबल, वन रक्षक, जेल वार्डर, माइनिंग गार्ड, वन्य जीव गार्ड और फायर ऑपरेटर सह चालक सहित छह महत्वपूर्ण पदों पर मिलेगा, जहाँ अग्निवीरों को 20 प्रतिशत का क्षैतिज आरक्षण प्रदान किया जाएगा। इस आरक्षण के अंतर्गत वंचित अनुसूचित जाति (2 प्रतिशत), अन्य अनुसूचित जाति (2 प्रतिशत), बीसी-ए (3 प्रतिशत), बीसी-बी (2 प्रतिशत), ईडब्ल्यूएस (2प्रतिशत) और अनारक्षित श्रेणियों (9 प्रतिशत) के लिए कोटा निर्धारित किया है। इसके अतिरिक्त, अन्य ग्रुप-सी पदों पर पूर्व अग्निवीरों के लिए 5 प्रतिशत और कौशल विशेषज्ञता से संबंधित ग्रुप-बी पदों पर 1 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण का प्रावधान किया गया है। इतना ही नहीं पुलिस कांस्टेबल और अन्य संबंधित पदों के लिए आवश्यक फिजिकल स्क्रीनिंग टेस्ट (पीएसटी) से उन्हें छूट दी जाएगी। ग्रुप-सी पदों की भर्ती के लिए कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी) से भी छूट का मौजूदा प्रावधान जारी रहेगा। साथ ही, सैन्य प्रशिक्षण से संबंधित कौशल विशेषज्ञता वाले पदों पर कौशल परीक्षा से भी उन्हें छूट प्राप्त होगी। हालांकि, इन सभी छूटों के बावजूद, विज्ञापित पद के लिए भर्ती एजेंसी द्वारा निर्धारित लिखित परीक्षा देना पूर्व अग्निवीरों के लिए अनिवार्य रहेगा। मानव संसाधन विभाग द्वारा जारी इन दिशा-निर्देशों ने सरकार के पुराने आदेशों को रद्द किया है, इससे अग्निवीरों को सरकारी नौकरियों में एक सुव्यवस्थित और प्राथमिकता आधारित प्रवेश मिल सकेगा।

डीजेबी टेंडर घोटाले में एसीबी ने आप नेता सत्येंद्र जैन को किया गिरफ्तार

-वित्तीय जांच में रिश्वत और कमीशन के पैसे के लेनदेन की शृंखला उजागर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की एंटी करप्शन ब्रांच (एसीबी) ने दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के आधुनिकीकरण में अनियमितताओं और आपराधिक साजिश के मामले में आम आदमी पार्टी के नेता और पूर्व जल मंत्री सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार किया है। इस मामले में सत्येंद्र जैन के अलावा दिल्ली जल बोर्ड के पूर्व सीईओ व पूर्व आईएएस अधिकारी उदित प्रकाश राय, पूर्व संविदा सलाहकार अंकित श्रीवास्तव और तीन निजी संस्थाओं और कंपनियों के मालिकों नागेंद्र यादव, राजा कुमार कुरर एवं पंकज वर्मा को भी गिरफ्तार किया है। एसीबी प्रमुख एवं संयुक्त पुलिस आयुक्त विक्रमजीत सिंह के बयान के मुताबिक ये गिरफ्तारियां एफआईआर के बाद की गईं थीं, जो भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत पीएस भ्रष्टाचार निरोधक शाखा, जीएनसीटीडी में पंजीकृत है। जांच में सामने आया कि एसटीपी टेंडर प्रक्रिया में तकनीकी शर्तों और नियमों में जानबूझकर फेरबदल किया गया था। टेंडर की शर्तें इस तरह तैयार की गईं, जिससे प्रतिस्पर्धा सीमित हो जाए और एक खास निजी टेक्नोलॉजी प्रदाता कंपनी 'मेसर्स यूरोटेक एनवायरनमेंट प्राइवेट लिमिटेड को अनुचित लाभ पहुंचाया जा सके। जांच अधिकारियों के मुताबिक प्रस्तावित पायलट स्टडी को पूरा न करना, तकनीकी मापदंडों में बदलाव और उपचारित पानी के जरुरी मानकों को हटाना जैसी अनियमितताएं पाई गईं, जिससे सरकारी खजाने को भारी वित्तीय नुकसान हुआ। इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के विश्लेषण से पता चला है कि टेंडर की शर्तें तय करने और संशोधन जारी करने में निजी व्यक्तियों, बिचौलियों और सरकारी अधिकारियों के बीच नियमित साठगांठ थी, ताकि टेंडर केवल पसंदीदा कंपनी को ही मिले। वित्तीय जांच में रिश्वत और कमीशन के पैसे के लेनदेन की पूरी शृंखला उजागर हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक यूरोटेक कंपनी से जुड़ी संस्थाओं से फंड नागेंद्र यादव की प्रोप्राइटरशिप फर्म 'ए एन एंटरप्राइजेस और 'सृजनहार के जरिये हस्तांतरित किया गया। इस माध्यम से तत्कालीन सीईओ उदित प्रकाश राय और उनके रिश्तेदारों के बैंक खातों में करीब 1.52 करोड़ रुपए की रिश्वत भेजी गई, जिसका इस्तेमाल अचल संपत्ति खरीदने में किया गया। इन सभी दस्तावेजी और तकनीकी साक्ष्यों और पूछताछ के बाद एसीबी ने 18 अगस्त 2026 को छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल जांच एजेंसियां अपराध की पूरी कमाई और इस साजिश में शामिल अन्य पहलुओं की जांच कर रही हैं।

अखिलेश चुनाव में हार से बचने कांग्रेस को 300 सीटें देने का बना रहे प्लान

-बीजेपी और एनडीए सहयोगियों ने सपा प्रमुख पर किया जोरदार हमला

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी और बीजेपी के बीच जुबानी जंग जारी है। अखिलेश यादव बीजेपी और एनडीए सहयोगियों- आरएलडी, अपना दल और सुभासपा और निषाद पार्टी पर हमलावर हैं। इस बीच अब बीजेपी ने सपा प्रमुख पर उन्हीं के अंदाज में पलटवार किया है। बीजेपी का दावा है कि अखिलेश चुनाव में हार की जिम्मेदारी से बचने के लिए कांग्रेस को करीब 300 सीटें देने का प्लान बना रहे हैं। इसके अलावा अपना दल नेता आशीष पटेल ने भी सपा पर निशाना साधा है।

बीजेपी प्रवक्ता मनीष शुक्ला ने अखिलेश यादव पर आरोप लगाया कि अखिलेश के पारिवारिक विवाद ने समाजवादी पार्टी की गुप्त योजनाओं को सार्वजनिक कर दिया है। उन्होंने सूत्रों के हवाले से दावा किया कि 2027 विधानसभा चुनाव में हार का ठीकरा अपने ऊपर न फूटे, इसलिए सपा कांग्रेस को करीब 300 सीटें सौंपने जा रही है। उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए किया जा रहा है, ताकि हार का मेडल राहुल गांधी के सिर बंधे और अखिलेश जिम्मेदारी से बच जाएं।

इससे पहले अखिलेश ने बीजेपी और उसके सहयोगी दलों पर निशाना साधते हुए सूत्रों के हवाले से एनडीए का सीट बंटवारा फॉर्मूला साझा किया था। उन्होंने दावा किया था कि बीजेपी पीडीए के दबाव में रालोद को 73, सुभासपा को 39, निषाद पार्टी को 31 और अपना दल को 19 सीटें देने की योजना बना रही है। अखिलेश ने कहा था कि यह योजना पीडीए की जनसंख्या अनुपात से बहुत कम है और पूरी तरह विफल साबित होगी।

अखिलेश यादव ने बीजेपी सरकार पर तीखे आरोप लगाते हुए कहा कि महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा-परीक्षा घपलों, फर्जी मुकदमों, बुलडोजर कार्रवाई और 69000 शिक्षक भर्ती में आरक्षण प्रभावित करने जैसी नीतियों से जनता त्रस्त है। उन्होंने आरोप लगाया कि अग्निवीर योजना लाने, स्वास्थ्य सेवाओं को बदहाल करने और संविधान बदलने की साजिश करने वालों को जनता नकार चुकी है। उन्होंने नारा दिया कि आज हर जन कह रहा है कि उन्हें बीजेपी नहीं चाहिए।

वहीं, अखिलेश के एनडीए के सीट बंटवारा फॉर्मूले पर अपना दल ने भी पलटवार किया। अपना दल नेता आशीष पटेल ने सपा प्रमुख के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उनकी पार्टी ट्वीट और रीट्वीट का खेल नहीं खेलती है। वह जमीन पर जनता के बीच काम करने और गठबंधन के साथ मजबूती से खड़े रहने में विश्वास करते हैं। पटेल ने कहा कि एनडीए पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने जा रहा है और इसी हकीकत से परेशान होकर सपा नेता दूसरों के शब्दों को अफवाह बताते-बताते खुद अफवाहों के वाहक बन रहे हैं।

सारे मंदिर अभी इसलिए बनाए जा रहे हैं ताकि चोरी की जा सके : रेणुका

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य रेणुका चौधरी ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी, वंदे मातरम विवाद और राजनीति को लेकर केंद्र सरकार पर तीखे सवाल किए। उन्होंने राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में एसआईटी द्वारा चंपत राय को क्लीन चिट देने पर कहा कि ये पहले ही अपेक्षित था कि बड़े लोगों को बचाने के लिए निचले स्तर पर काम कर रहे लोगों को कुर्बान कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ये तो होना ही था। हमें पहले से पता था कि यही होने वाला है। छोटे-मोटों को कुर्बान कर देंगे और चंपत राय को बचा लेंगे। उन्होंने कहा कि सारे मंदिर अभी इसलिए बनाए जा रहे हैं ताकि चोरी की जा सके। ये भूल गए कि मर्यादा पुरुषोत्तम राम की मर्यादा से खिलवाड़ करेंगे तो ये बच जाएंगे। उनका श्राप इनको ही लगा है। बता दें मंगलवार को अयोध्या के राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच कर रही एसआईटी ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय और ट्रस्ट के पूर्व सदस्य अनिल मिश्रा को क्लीन चिट दे दी है। मंदिर में दान के प्रबंधन में अनियमितताओं के आरोप सामने आने के बाद चंपत राय और अनिल मिश्रा दोनों ने 27 जून को अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद मंदिर में दान प्रबंधन और संग्रह से संबंधित जांच के लिए एसआईटी ने दोनों से पूछताछ की थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वंदे मातरम के पूरे गीत को राजनीतिक और हिंदू-मुस्लिम से जोड़कर देखे जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि उस समय जो माहौल था, उस कारण से फैसला हुआ था। आज ये लोग किस कारण से कर रहे हैं, वही जानें और भगवान जाने। वैसे तो भगवान राम भी इनसे हटकर बैठे हैं। कॉकरोच जनता पार्टी के भविष्य को लेकर पूछे गए सवाल पर रेणुका चौधरी ने कहा कि एक लोकतंत्र में हम कोई हाथ-ज्योतिषी बनकर नहीं कह सकते हैं।

सीएम विजय का ऐलान: हर विधायक को मिलेगी नई कार

विधायकों की मांग पर टीवीके सरकार का फैसला, क्षेत्र में दौरे और विकास कार्यों की निगरानी में मिलेगी मदद

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख थलपति विजय ने राज्य के सभी विधायकों को यात्रा के लिए नई कार उपलब्ध कराने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायकों को अपने निर्वाचन क्षेत्रों में लगातार दौरे करने पड़ते हैं और जनता की समस्याओं तथा जरूरतों का जायजा लेने के लिए नियमित रूप से क्षेत्र में रहना जरूरी है। ऐसे में उन्हें पर्याप्त लॉजिस्टिक्स और वाहन सुविधा उपलब्ध कराना आवश्यक है।

सरकार का यह फैसला विधानसभा में विधायकों के लिए वाहनों और जरूरी लॉजिस्टिक्स की सुविधा का मुद्दा उठाए जाने के बाद आया है। वीसीके विधायक जोतिमणि ने विधानसभा में कहा था कि यदि विधायकों को जरूरी संसाधन और वाहन उपलब्ध नहीं होंगे तो वे अपने क्षेत्रों में प्रभावी ढंग से काम नहीं कर पाएंगे। उन्होंने सरकार से विधायकों के लिए गाड़ियों की व्यवस्था करने का अनुरोध किया था।

मुख्यमंत्री विजय ने विधायक के सुझाव को गंभीरता से लेते हुए सभी विधायकों के लिए नई कार उपलब्ध कराने का निर्णय लिया। सरकार का मानना है कि वाहन सुविधा मिलने से विधायक अपने निर्वाचन क्षेत्रों में अधिक आसानी से पहुंच सकेंगे और जनता से सीधे संवाद के साथ-साथ विकास कार्यों की निगरानी भी बेहतर तरीके से कर पाएंगे।

जनता से संपर्क में आसानी होगी

मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद सरकार की ओर से सभी विधायकों के लिए वाहनों की व्यवस्था की जाएगी। इससे ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में आने-जाने वाले विधायकों को विशेष सुविधा मिलने की उम्मीद है। विधायक नियमित रूप से अपने क्षेत्र का दौरा कर सकेंगे और सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल तथा अन्य स्थानीय समस्याओं की जानकारी लेकर संबंधित विभागों के साथ उनका समाधान कराने में तेजी ला सकेंगे। विधायक जोतिमणि ने विधानसभा में अपने क्षेत्रीय दायित्वों के निर्वहन के लिए वाहनों को जरूरी सुविधा बताया था। उनके अनुरोध पर मुख्यमंत्री विजय द्वारा लिया गया यह फैसला सरकार और विधायकों के बीच बुनियादी संसाधनों को लेकर उठाए गए मुद्दे के समाधान के रूप में देखा जा रहा है।

आँख की रोशनी गायब, शरीर में छर्रों का दद... लेंकिन दीपके ने नहीं ली कोई खबर

-संसद मार्च के दौरान घायल हुए छात्रों का दर्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक के खिलाफ हुए संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा को एक महीना पूरा हो चुका है, लेकिन घटना में पैलेट गन के छर्रे लगने से घायल हुए छात्रों के जख्म अभी भी ताजा हैं। पीड़ितों को इस बात की टीस ज्यादा है कि जिस कॉकराच जनता पार्टी (सीजेपी) ने उन्हें समर्थन का आश्वासन दिया था, वह अब उनका हाल भी नहीं पूछ रही है।

नजफगढ़ के छात्र साहिल लोचव की दूसरी सर्जरी के बावजूद दाईं आंख की रोशनी वापस नहीं लौट सकी है। 19 वर्षीय साहिल की आंख में पैलेट के छर्रे लगने से कॉर्निया में छेद हुआ था। उसकी मां ज्योति बताती हैं कि 20 जुलाई की घटना में साहिल की आंख और हाथ में छर्रे लगे थे, जिसमें से सभी अब तक नहीं निकाले जा सके हैं। इससे उसका एक हाथ भी ठीक से काम नहीं कर रहा। एम्स ट्रॉमा सेंटर में आंख की सर्जरी और बाद में लेंस डालने के बावजूद रोशनी नहीं लौटी है। स्नातक द्वितीय वर्ष के छात्र साहिल की पढ़ाई गंभीर रूप से प्रभावित हुई है और वह अभी भी अस्पताल में भर्ती है।

वहीं मध्य प्रदेश के जबलपुर निवासी इरशाद मंसूरी के चेहरे, आंख के पास, छाती और शरीर के कई हिस्सों में पैलेट गन के करीब 40 छर्रे लगे थे। 21 जुलाई को लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में सर्जरी कर कुछ छर्रे निकाले गए, लेकिन कई अभी भी शरीर में मौजूद हैं। गुरुग्राम की कॉरपोरेट कंपनी में कार्यरत इरशाद पूरी तरह स्वस्थ नहीं हुए हैं और घाव नहीं भरने के कारण ड्यूटी जॉइन नहीं कर सके हैं। बिहार के 25 वर्षीय छात्र प्रशांत के हाथ, छाती और कमर में पैलेट के छर्रे लगे थे, जिससे उनका दायां हाथ कुछ समय के लिए सुन्न पड़ गया था। डॉक्टरों ने कुछ छर्रे निकाले, लेकिन कई छोटे छर्रे मांसपेशियों में गहराई तक धंसे हैं, जिन्हें निकालने से और अधिक घाव होने का डर है। प्रशांत अब नौकरी की तैयारी करते हुए भी पहले जैसा सामान्य महसूस नहीं कर रहे हैं। साहिल की मां और प्रशांत दोनों ने बताया कि घटना के बाद से सीजेपी की तरफ से किसी ने उनसे संपर्क नहीं किया है। जख्मी प्रदर्शनकारियों में अब यह कड़वाहट साफ दिखती है कि राजनीतिक दल ने उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया है।

शहबाज शरीफ की परमाणु धमकी और ट्रंप की चुप्पी पर भड़के पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की लगातार की जा रही प्रशंसा और दक्षिण एशिया में परमाणु तबाही टलने का श्रेय देने के मामले पर भारत के पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने कड़ी आपत्ति जाहिर की है। पूर्व विदेश सचिव सिब्बल ने शहबाज शरीफ पर निशाना साधकर कहा कि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज ट्रंप के बढ़े हुए अहंकार को खुश करने और राजनीतिक समर्थन हासिल करने के लिए चापलूसी में लगे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि शहबाज इस मामले में अति कर रहे हैं और ट्रंप को वहीं बातें बता रहे हैं जो वे सुनना पसंद करते हैं।

शरीफ ने पोस्ट कर ट्रंप के नेतृत्व की सराहना कर दावा किया था कि उनके साहसी कदमों से दक्षिण एशिया में परमाणु तबाही टली और लाखों लोगों की जान बच गई। हालांकि, पूर्व विदेश सचिव सिब्बल ने बयान के गंभीर निहितार्थों की ओर ध्यान आकर्षित किया है। उनका कहना है कि शहबाज के इन बयानों में भारत के विरुद्ध परमाणु हथियारों के संभावित पहले इस्तेमाल का छिपा हुआ संकेत और आक्रामक धमकी शामिल है। इसके बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की तरफ से इस पर कोई प्रतिक्रिया न आना चिंता का विषय है।

पूर्व विदेश सचिव ने अमेरिका के रवैये को पूरी तरह से गैर-जिम्मेदाराना बताया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री जिस प्रकार परमाणु हथियारों को लेकर बयानबाजी कर रहे हैं, उस पर अमेरिकी नेतृत्व की चुप्पी या अप्रत्यक्ष प्रोत्साहन क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। इसतरह के बयानों को नजरअंदाज करना अंतरराष्ट्रीय शांति के हित में नहीं है।

इसके अतिरिक्त, शहबाज शरीफ ने सऊदी अरब और तुर्किये के साथ हुए मक्का संयुक्त रक्षा समझौते का भी उल्लेख कर इसके लिए अमेरिकी समर्थन का आभार जताया। ट्रंप ने इस त्रिपक्षीय समझौते को एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। बहरहाल, पाकिस्तान की परमाणु बयानबाजी और उस पर अमेरिकी प्रशासन की चुप्पी को लेकर सिब्बल के इन तीखे बयानों ने कूटनीतिक हलकों में एक नई बहस को जन्म दे दिया है।

पहली पत्नी के रहते विभागीय अनुमति बिना दूसरी शादी करना कदाचार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि पहली पत्नी के जीवित रहते बिना विभागीय अनुमति दूसरी शादी करना सीआरपीएफ के नियमों का उल्लंघन है। इसे गंभीर कदाचार माना जाएगा। यह टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने पहली पत्नी को तलाक दिए बिना और विभाग के बिना अनुमति दूसरी शादी करने वाले सीआरपीएफ कांस्टेबल की बर्खास्तगी को सही ठहराते हुए उसकी याचिका खारिज कर दी। यह आदेश न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता की एकल पीठ ने दिया है। याची ने वर्ष 1976 में उर्मिला देवी से शादी की थी। वर्ष 1988 में सीआरपीएफ में कांस्टेबल के पद पर नियुक्त हुआ। उसका कहना था कि वर्ष 1989 में उसकी पहली पत्नी बच्चों के साथ घर छोड़कर चली गई। काफी तलाश के बावजूद नहीं मिली। इसके बाद वर्ष 1992 में उसने प्रतिमा देवी से दूसरी शादी कर ली। दूसरी शादी के लिए उसने विभाग से कोई अनुमति नहीं ली और न ही विभाग को इसकी जानकारी दी। विभागीय जांच के बाद 8 जुलाई 2011 को विभागीय प्राधिकारी ने उसे सीआरपीएफ अधिनियम के उल्लंघन में उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया। इसे उसने हाईकोर्ट में चुनौती दी। याची अधिवक्ता ने दलील दी गई कि उसने दूसरी पत्नी का नाम सेवा रिकॉर्ड में नॉमिनी के तौर पर दर्ज कराया था। इसे विभाग को सूचना देने के रूप में माना जाना चाहिए। यह भी कहा गया कि दूसरी शादी का आरोप साबित होने की स्थिति में भी बर्खास्तगी के बजाय मामूली सजा दी जानी चाहिए थी। हाईकोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद कहा कि सीआरपीएफ नियम 15 के तहत पहली पत्नी के जीवित रहते दूसरी शादी करने पर रोक है। व्यक्तिगत कानून में दूसरी शादी की अनुमति होने की स्थिति में भी विभाग की पूर्व अनुमति जरूरी है। कोर्ट ने पाया कि पहली शादी कायम रहते बिना तलाक दूसरी शादी की गई है। कोर्ट के अनुसार, इससे सीआरपीएफ नियम 15 और केंद्रीय सिविल सेवा आचरण नियमों के नियम 21 का उल्लंघन हुआ। कोर्ट ने कहा कि याची की ओर से की गई दूसरी शादी सीआरपीएफ नियमों के तहत कदाचार है और बर्खास्तगी की सजा वैध है।

डीयू के प्लेसमेंट अभियान में 75 से अधिक कंपनियां शामिल, 500 से ज्यादा छात्रों ने लिया हिस्सा

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के सतत शिक्षा और विस्तार विभाग ने शनिवार को एक प्लेसमेंट अभियान का

आयोजन किया, जिसमें 75 से अधिक संगठनों और 500 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिससे छात्रों को संभावित नियोक्ताओं के साथ सीधे बातचीत करने के अवसर मिले। यह ड्राइव सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक डिपार्टमेंट के सेमिनार रूम में हुई। इस ड्राइव में रूू टूरिज्म मैनेजमेंट, रूू लाइफलॉन्ग लर्निंग एंड एक्सटेंशन, सोशल साइंस डिपार्टमेंट में एनरोल्ड छात्र और सेंटर फॉर डिस्टेंस एंड ऑनलाइन एजुकेशन के छात्र शामिल हो सकते थे। यूनिवर्सिटी के अनुसार, इस इवेंट में रिक्रूटर्स के साथ सीधी बातचीत, इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स के साथ नेटवर्किंग के मौके और करियर गाइडेंस सेशन शामिल थे। इनका मकसद इंडस्ट्री और एकेडेमिया के बीच संबंध मजबूत करना और छात्रों की रोजगार पाने की क्षमता को बेहतर बनाना था। इस ड्राइव में शिक्षा, सामाजिक विकास, स्वास्थ्य, रिसर्च, मानवाधिकार, टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी जैसे सेक्टर की संस्थाओं ने हिस्सा लिया। हिस्सा लेने वाली संस्थाओं में जनहित सोसाइटी फॉर सोशल वेलफेयर, अभिव्यक्ति फाउंडेशन, सरस्वती एजुकेशनल सोसाइटी, चाइल्ड सर्वाइवल इंडिया, बाल विकास धारा, समन्वित शिक्षा संस्थान, आकांक्षी समिति, इंडियन सोसाइटी फ़ॉर एप्लाइड रिसर्च, EFRAH, समर्थ, मित्र ट्रस्ट, आधार और स्र्क्र्ड्ढछ्ठह्र शामिल थीं। टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर का प्रतिनिधित्व उमा टूरिज़्म एंड हॉलिडेज और ट्रिपस्ट्राइड टूरिज्म प्राइवेट लिमिटेड ने किया, जिन्होंने ट्रैवल और टूरिज्म में कई मौके दिए। यह इवेंट ष्ठ के वाइस चांसलर योगेश सिंह की देखरेख में आयोजित किया गया। कैंपस ऑफ ओपन लर्निंग की डायरेक्टर पायल मागो और डिपार्टमेंट ऑफ कंटिन्यूइंग एजुकेशन एंड एक्सटेंशन के हेड कुमार आशुतोष संरक्षक (patrons) थे, जबकि सेंटर फॉर डिस्टेंस एंड ऑनलाइन एजुकेशन के डायरेक्टर अजय जायसवाल सह-संरक्षक (co-patron) थे। यूनिवर्सिटी ने कहा कि डिपार्टमेंट छात्रों को करियर के ज्यादा मौके देने के लिए नियमित रूप से ऐसे ही रोजगार-केंद्रित कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना रहा है।

जीटी रोड पर दौड़ रहे युवक को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

अलीगढ़। अकराबाद के जीटी रोड पर सीएचसी गेट के सामने रविवार सुबह एक युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस को सूचना मिलने पर उन्होंने घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। अकराबाद के मजरा कुआं गांव निवासी पवन कुमार पुत्र प्रेमवीर हैं। वह रविवार सुबह अपने अन्य साथियों के साथ दौड़ लगाने निकले थे। सुबह करीब 4ः30 बजे पवन जीटी रोड पर सरकारी अस्पताल के पास पहुंचे। तभी पीछे से आए एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगने से पवन कुमार सड़क पर गिर गए और उन्हें गंभीर चोटें आईं। अज्ञात वाहन चालक टक्कर मारकर मौके से फरार हो गया। पीछे दौड़ रहे अन्य युवकों ने घायल पवन कुमार को तुरंत सीएचसी में भर्ती कराया। उन्होंने युवक के परिजनों को भी घटना की जानकारी दी। थाना प्रभारी निरीक्षक पंकज मिश्रा ने इस मामले पर बयान दिया है। उन्होंने बताया कि परिजन घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल ले गए हैं। मिश्रा ने यह भी कहा कि पुलिस को तहरीर मिलने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

NAME CHANGE
I, Raghvender S/O Mahaveer Singh, Majra Sheoraj (180), PO: Majra Sheoraj Dist: Rewari, Haryana pin 123401 Have Changed My Name To Raghvendar Kumar Yadav For All The Future Purposes.

NAME CHANGE
I, Anshu D/O Sanjay Keshri, Old DC Road. Drona School. Jeewan Nagar PO: Sonipat Dist: Sonipat Haryana PIN: 131001 Have Changed My Name To Anshu Keshri For All the future purposes.

NAME CHANGE
I, Sudershan Kumari Pahwa W/O Bansi Lal Pahwa, A-16 , 1st floor, A Block Guru Nanak Apartment, West Enclave Pitampura, North West Delhi Pin 110034 Have Changed My Name To Sudershan Pahwa For All The Future Purposes.

NAME CHANGE
I, Harish S/O Vir Singh, D-60, Block -D Rajeev Nagar extn., Begumpur, North West Delhi Pin: 110086 Have Changed My Name To Harish Pal For All the future purposes.

NAME CHANGE
I, POOJA V MUGALIKAR wife of NO.-15331715H Rank-HAV Name-VINOD V MUGALIKAR presently residing at- HOUSE No-180, STREET RAMGHAT ROAD, VPO-BEANKANHLLI, TEHSIL-BELGAVI, DIST-BELGAVI, KARNATAKA-591108, have changed my name from POOJA V MUGALIKAR to POOJA VINOD MUGALIKAR for all future purposes vide Affidavit dated 19/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME AND DATE OF BIRTH
I, CHANDRA wife of No-F2851419F, Rank-RIFLEMAN Name-UMED SINGH resident of B2/375, DUGGAL FARM, TARA NAGAR, KAKROLA, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110078, have changed my name from CHANDRA to CHANDER KAUR for all future purposes, in my husband's Army service record my date of birth wrongly mentioned as 12/10/1968 instead of my correct date of birth as 01/01/1961, Vide Affidavit sworn before Executive Magistrate Delhi.

Date of Birth Change
I SAKEENA legally mother of Army No - 2812672M, Rank - HAV, Name - AHMEDPASHA, Presently Residing At - Munimoksham, Post-Munimoksham, Teh - Hanwada, Dist - Mahabubnagar 509334 have changed my name in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 20/04/1966 instead of my correct date of birth as 01/01/1966 Vide Affidavit dated 18/08/2026 before Notary Public Delhi.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमारे मुवक्किल श्री राम नायक ने Aadhar Housing Finance Limited से ऋण सुविधा प्राप्त करने हेतु निम्नलिखित संपत्ति को बंधक (Mortgage) रखने का प्रस्ताव किया है- प्लॉट संख्या 218 का एक भाग, कुल क्षेत्रफल 150 वर्ग गज, खसरा संख्या 128 में से, ग्राम बिंदापुर, दिल्ली राज्य, कॉलोनी O-E&tension, वाणी विहार, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059, जो कि श्रीमती सुरजीत कौर द्वारा दिनांक 02.05.2008 को श्री राम नायक के पक्ष में निष्पादित ल्क्क(दस्तावेज संख्या 6114) के अंतर्गत है। उक्त दस्तावेज/वसीयत में कुछ विवरण (एटीएस व विल) उपलब्ध नहीं हैं। उक्त संपत्ति को Aadhar Housing Finance Limited के पक्ष में बंधक रखा जाना प्रस्तावित है। अतः सभी व्यक्तियों, बैंकों, वित्तीय संस्थानों अथवा किसी अन्य पक्ष/पक्षकारों को, जिनका उक्त संपत्ति अथवा उसके किसी भाग पर खसरा संख्या के संबंध में आपत्ति, दावा, मांग, अधिकार, हित, स्वामित्व, विरासत, हस्तांतरण, बंधक, भार, कब्जा, लियन अथवा किसी अन्य प्रकार का अधिकार या हित हो, वे इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की तारीख से 7 दिनों के भीतर अपने दावे/आपत्ति को आवश्यक दस्तावेजी साक्ष्य सहित लिखित रूप में नीचे दिए गए पते पर प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि के भीतर कोई दावा/आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर यह माना जाएगा कि संबंधित व्यक्ति/पक्षकार का उक्त संपत्ति के संबंध में कोई दावा या आपत्ति नहीं है तथा भविष्य में किए गए किसी भी दावे को त्यागा हुआ एवं समाप्त माना जाएगा।

सुश्री रानी शिल्पी (अधिवक्ता)
कार्यालय पताः मकान नंबर टी/181, यूजीएफ, शूकर बाजार, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059
मोबाइल नंबर। 9717780057.

NAME CHANGE
I, JC-442953X Rank-NB SUB Name-MADASU ATCHI BABU legal father of RATUL MADASU R/O 31-51-05/02/118-B2-504, KAVERI BLOCK, REVANU WARD-58, GREEN CITY, VADLAPUDI VISAKHAPATNAM-DIST, ANDHRA PRADESH-530046, have changed my minor son's name from RATUL MADASU to MADASU RATUL for all future purposes vide affidavit dated 19/08/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SM HIRINI daughter of NO-2608197A Rank-HAV Name – MURUGESAN C residing at DNO-646A, SAMANDAPATTI, VADAMANGALAM-PO, POCHAMPALLI, DIST-KRISHNAGIRI, TAMIL NADU-635123, have changed my name from SM HIRINI to S M HIRINI for all future purposes vide Affidavit Dated 19/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JYOTI SONI W/O BIJENDER KUMAR R/O H NO-605 WARD NO-10 SUNDERWALA MOHALLA BADSHAHPUR GURGAON HARYANA-122001 have changed my name to JYOTI for all future purposes.

NAME CHANGE
I, YASHVEER SOOD S/o DEEPAK SOOD R/o H NO-41A, POCKET-C, SFS FLATS, MAYUR VIHAR PHASE-III, DELHI-110096 have changed my name to YASHVIR SOOD for all future purposes.

NAME CHANGE
I, RAJ KUMARI NAGPAL W/O LACHHMAN DASS NAGPAL R/O HOUSE NO-A-106,SUSHANT LOK-1,GURGAON,HARYANA-122002,HAVE CHANGED MY NAME TO RAJ NAGPAL FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, SURESH CHAND S/o DULI CHAND R/o H NO-279, 3RD FLOOR, BLOCK-C4, SECTOR- 6, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to SURESH CHAND SHARMA for all future purposes.

Public Notice
It is for general information that I, GAJRAJ MEENA S/O PATIRAM MEENA, R/O Q-35/199, NEAR GANDHI PARK, ORDINANCE FACTORY, MURADNAGAR, GHAZIABAD, UTTAR RADESH-201206, declare that name of my minor son has been wrongly written as KARTIKEY MINA in my minor son namely SATYAM, aged 7 years in his Birth Certificate No. 13072018010897. The actual name of my minor son is SATYAM, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

PUBLIC NOTICE
Mr. Anshul Kumar and Mrs.Trapti Goel Owner of the Residential Flat/Dwelling Unit No. 704, 7th floor, Tower - J, in RAJHANS RESIDDENCY, plot no GH-06B, Sec -1, Greater Noida, District Gautam Budh Nagar, U.P.. Mr. Anshul Kumar and Mrs.Trapti Goel have lost Original Allotment letter dated 21.12.2017 issued by M/s Rajhans Infratech Pvt. Ltd.., in favour of Mr. Anshul Kumar and Mrs. Trapti Goel Whig of said property , for which complaint lodged to the police. Therefore, by way of this Public Notice it is hereby notified that any person, Attorney and/or entity, firm/company, society and/or member of the Society, Bank, HUF/member of HUF, Financial Institution having any claim, charge, interest, or lien whatsoever with respect to the Said house/plot or otherwise, may notify to under-signed only on his ANSHULKGOEL@GMAIL.COM.com with docu-mentary proof within 15 days from the date of this publication of notice, failing which any such claim etc. shall be deemed to be null and void, whereas title shall be deemed to be clear, and marketable without any defect or encumbrance and free to create equitable mortgage

Mr. Anshul Kumar
Off. Residential Flat/Dwelling Unit No. 704, 7th floor, Tower - J in RAJHANS RESIDDENCY plot no GH-06B, Sec -1, Greater Noida, District Gautam Budh Nagar, U.P.
M-NO- 9873252848

NAME CHANGE
I, SM DHANUSH son of NO-2608197A Rank-HAV Name – MURUGESAN C residing at DNO-646A, SAMANDAPATTI, VADAMANGALAM-PO, POCHAMPALLI, DIST-KRISHNAGIRI, TAMIL NADU-635123, have changed my name from SM DHANUSH to S M DHANUSH for all future purposes vide Affidavit Dated 19/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JOGAMMA mother of JC-441263F, Rank-SUB MAJ Name-RAJARAO MANDALA residing at HOME-70957 42954, VILL-KOMARLTHADA, PO-KOMARLTHADA, TEHSIL-VAIRA-PUKOTTURU, DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532218 have changed my name from JOGAMMA to MANDALA JOGAMMA for all future purposes vide Affidavit dated 19/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SAMEENA W/O MOHD DILSHAD residing at B-6/44-B,DDA FLATS, INDER LOK DELHI-110035 have changed my name to SAMINA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SHABBEER AHMAD S/O KALEEMUDDIN R/O H.NO-31,VILLAGE-VAIT, PO-SIMBHAOLI, HAPUR, UTTAR PRADESH 245207, CHANGED MY NAME TO SHABBIR AHMAD

NAME CHANGE
I ZAHEER S/O FAREED AHMED R/O H NO- 143 STREET NO - 3 RAJIV GANDHI NAGAR NEW MUSTAFABAD NORTH EAST DELHI 110094 HAVE CHANGED MY NAME TO ZAHIR AHMAD

NAME CHANGE
I SHAVEZ ALI S/0 SHAKHAWAJ ALI R/0 D-51GALI NO -17 CHAUHAN BANGER NEW SEELAMPUR DELHI 110053 CHANGED MY NAME TO MOHD SHAVEZ ALI

NAME CHANGE
I, No. 17009392Y Rank HMT Name Dharmpal Residence address Qtr No-704/3 Ajmeri Line, Near Mini gate,Banar Road jodhpur. inform that the name of my wife Savitri Devi has been wrongly mentioned in my service record as Savitri whereas her correct name is Savitri Devi which may be amended accordingly . both Savitri and savitri devi is same and one person

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Mrs. Saroj Bala W/o Mr. Satish Kumar is the owner and in possession of a Freehold Residential Property ID No. 1CWG8YB0, House No. 228, (Old House No. 199), area measuring 67 Sq. Yards, Out of Khasra No. 11233, 3234-3232 144, 146-6302-5 148 143 8, 147, in Gali No. 3, Situated at Ashok Garden, Rajendra Park, Gurugram, Haryana. Our client acquired the said property by virtue of a Transfer Deed in Blood Relation dated 09.03.2026 Vide Doc No. 12046, Book No. 1, Vol No. 452, Page No. 83, on dated 09.03.2026, at SR-Gurugram, in the chain documents below mentioned documents not available i.e. Original Sale Deed dated 09.04.2001 executed by Mr. Parmanand Sharma S/o Mr. Atma Ram Sharma in favour of Mr. Satish Kumar S/o Mr. Raghunath Singh Vide Doc No. 316, Book No. 1, Vol No. 6504/654, Page No. 150/90-91 on dated 09.04.2001, at SR-Gurgaon., Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property., and the said property is presently financed/ mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch Sohna Road Gurgaon Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I, JANSHI daughter of JC-441263F, Rank-SUB MAJ Name-RAJARAO MANDALA residing at HOME-70957 42954, VILL-KOMARLTHADA, PO-KOMARLTHADA, TEHSIL-VAIRA-PUKOTTURU, DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532218 have changed my name from JANSHI to MANDALA JANSHI for all future purposes vide Affidavit dated 19/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MANDALA ABHISEKH son of JC-441263F, Rank-SUB MAJ Name-RAJARAO MANDALA residing at HOME-70957 42954, VILL-KOMARLTHADA, PO-KOMARLTHADA, TEHSIL-VAIRAPUKOTTURU, DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532218 have changed my name from MANDALA ABHISEKH to MANDALA ABHISHEK for all future purposes vide Affidavit dated 19/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO.-15331715H Rank-HAV Name-VINOD V MUGALIKAR legal father of YATHARTH presently residing at-HOUSE No-180, STREET RAMGHAT ROAD, VPO-BEANKANHLLI, TEHSIL-BELGAVI, DIST-BELGAVI, KARNATAKA-591108, have changed my minor son's name from YATHARTH to YATHARTH VINOD MUGALIKAR for all future purposes vide affidavit dated 19/08/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Iliyas Ahmad alias MOHD ILYAS S/O Ramzan Ali, R/O 420, NEKPUR SABITNAGAR, VTC: Muradnagar, PO: Murad Nagar, Sub District: Ghaziabad, District: Ghaziabad, State: Uttar Pradesh, 201206, have changed my name and shall hereafter be known as ILIYAS AHMAD

NAME CHANGE
I, UARMILA BHAGAT wife of No.-15710493Y, Rank-NK, Name-ANAND BHAGAT residing at VILL-DADU DEUTHA TOLI, PO-HESWAY, TEHSIL-SENHA, DIST–LOHARDAGA, JHARKHAND-835302, have changed my name from UARMILA BHAGAT to URMILA BHAGAT for all future purposes vide Affidavit dated 19/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, YASHVEER SOOD S/o DEEPAK SOOD R/o H NO-41A, POCKET-C, SFS FLATS, MAYUR VIHAR PHASE-III, DELHI-110096 have changed my name to YASHVIR SOOD for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Mrs. Sheela Sharma D/o Mr. Bal Kishan Sharma is the owner and in possession of a Freehold Residential Built-Up House, constructed upon Plot of Land area measuring 1210 Sq. Yds. (i.e. 1011.68 Sq. Mtrs.), & Covered area measuring 300.0 Sq. Mtrs., out of Khasra No. 118, Situated in Old Abadi of Village Nangla Charan Das, Tehsil Dadri District Gautam Budh Nagar U.P., Our client acquired the said property by virtue of a Gift Deed (In Blood Relation) dated 20.06.2024 duly registered as Document No. 3443, in Book No. 1, Volume No. 13968, on Pages 229 to 242 on 20.06.2024, with the Sub-Registrar-Noida II Gautam Budh Nagar. ., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. Original Sale Deed dated 05.02.2001 executed by Mr. Roop Singh Bhati S/o Late Mr. Jagat Singh Bhati in favour of Mr. Shiv Ram Sharma S/o Mr. Ved Prakash Sharma & Mr. Rohtash Kumar Sharma S/o Mr. Balkishan Shama Vide Doc No. 327, Book No. 1, Vol No. 262, Page No. 135-144 on dated 05.02.2001 at SR- III, Gautam Budh Nagar. Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property., and the said property is presently financed/ mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch Jhandewalan New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I, ARTI W/o Amit Tomar R/o H.NO.227/9, Block-B, Meet Nagar, Gokal Puri, Delhi-110094, have changed my name to ASHOK KUMARI permanently

NAME CHANGE
I, ANIT KUMAR, S/o KRISHNA, aged about 31 years, resident of RZF-767/36, GALI NO-7, RAJ NAGAR PART-2, PALAM COLONY SOUTH WEST DELHI-110077, have changed my name from ANIT KUMAR to ANIT RAI for all future purposes vide Affidavit dated 19/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Azra Farooqui W/o Mohd Aquil Farooqui R/o H.No.177, 4/F, Nehar Road, Jamia Nagar, Okhla, Delhi-110025 have changed my name to Azra Farooqi.

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Mr. Jagdish Chand Raja S/o Mr. Ramsaroop Raja is the owner and in possession of a Freehold Residential Property id. No. 3JFD6MP1 on Plot/House no. 1531 area measuring 145 Sq. Yards, Situated at Wakya Andar Hudud Nagar Parishad, Ward No. 13, Sitaram Gate Lal Dora Jhajjar, Tehsil & District Jhajjar Haryana., Our client acquired the said property by virtue of a Registered Will dated 10.06.2011 duly registered as Document No. 164, in Book No. 3, on 10.06.2011, with the Sub-Registrar Office of Jhajjar., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. SMC of late Shri Ramsaroop Raja S/o Mr. Trilokchand expired on 04.07.2012 & Probate Order of Registered Will dated 10.06.2011 Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. and same property sold to be Mr. Sanjay S/o Mr. Surajbhan and the said property to be financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch Jhandewalan New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Mr. Kishan Chand & Mr. Parveen Kumar S/o Late Mr. Jagdish Parshad is the owner and in possession of a Freehold Residential House No. 4678, L.H.S, land area measuring 25 sq. yds., out of Khasra no. 478/153, situated in the Gali no. 3, Ajeet Nagar, Gandhi Nagar area of Village Seelampur, Illaqa Shahdara, Delhi., Our client acquired the said property by virtue of a Regd. Will dated 23.08.2012 as Doc. No. 2408, Book No. 03 Vol., No. 1125 on Pages 10-11 on dated 23.08.2012 SR-VIII-Delhi., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. SMC of Late Mrs. Bishambari Devi died on 09.12.2012 & Probate Order of Regd. Will dated 23.08.2012 Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. and same property sold to be Mr. Abdul Hakim Laskar and the said property to be financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch Shahdara Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I,VIPIN KUMAR SHARMA S/o RADHESHYAM SHARMA, R/o Flat No.205, Tower-A, Arsh Green Height-2, Gali No.5, Welcome City, Shahberi, Greater Noida West, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201009, have changed the name of my minor son APPLE SHARMA alias AKSHIT GAUR, aged 10 years and he shall hereafter be known as AKSHIT GAUR.

NAME CHANGE
I, KRISHAN KUMAR SINHA S/O RAM NARAYAN SINHA, R/O WARD 11 JAPLA DHARHARA HUSSAINABAD PALAMU JHARKHAND 822116, I have changed my name from KRISHNA KUMAR SINHA TO KRISHAN KUMAR SINHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, RENU RAJESH KUMAR W/O RAJESH KUMAR residing at 87 JOR BAGH, NDMC, SOUTH DELHI, DELHI-110003 have changed my name to RENU SAHU for all future purposes.

NAME CHANGE
I ZAHEER S/O FAREED AHMED R/O H NO- 143 STREET NO - 3 RAJIV GANDHI NAGAR NEW MUSTAFABAD NORTH EAST DELHI 110094 HAVE CHANGED MY NAME TO ZAHIR AHMAD

NAME CHANGE
I, Tarun S/O Mukesh Kumar, H1-50 H Block, Jahangir Puri PO N.S Mandi, Dist North West Delhi Pin 110033 Have Changed My Name To Tarun Sonkar For All The Future Purposes.

NAME CHANGE
I, Mukesh S/O Gola Ram, House No-H1 -50, H- Block, Jahangir Puri, PO: N.S. Mandi. DIST: North West Delhi, Pin:110033 Have Changed My Name To Mukesh Kumar For All The Future Purposes.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, GAURI SHANKAR TIWARI S/O AMESHWARI TIWARI R/O Plot No 01, Block -HW/C-229, Sector-71 Noida, Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh - 201301, declare that name of my wife has been wrongly written as MRS. ANITA DEVI in my minor Son ARYAN TIWARI aged 14 years in his School Records. The actual name of my wife is ANITA TIWARI, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, GAURI SHANKAR TIWARI S/O AMESHWARI TIWARI R/O Plot No 01, Block -HW/C-229, Sector-71 Noida, Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh - 201301, declare that name of my wife has been wrongly written as MRS. ANITA DEVI in my minor daughter AARYA TIWARI aged 12 years in his School Records. The actual name of my wife is ANITA TIWARI, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
I, SATEESH S/O REETIRAM R/O A-23, Kanchankunj, Near Masjid Raza E Mustafa, Madan Pur Khadar, New Delhi-110076, do hereby solemnly affirm and declare that I have embraced ISLAM and renounced HINDUISM with effect from 24-06-2026. have changed my name and shall hereafter be known as HASAN RAZA KHAN NOORI.

NAME CHANGE
I hitherto known as Braham Singh S/o Gopi Chand R/o Chirauri, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102 have changed my name and shall hereafter be known as Brahampal Singh.

NAME CHANGE
I, PREM SINHA S/O PURNENDU KUMAR SINHA R/O 3F-220,2ND Floor, Sector-3, Vaishali, I.E. Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010, have changed the name of my minor son SHIVAANSH SINHA aged 2 years and he shall hereafter be known as SARTHAK SINHA.

NAME CHANGE
I, Maya Devi W/o Raj Singh R/o Bali, PO: Bali, Dist: Baghpat, Uttar Pradesh - 250601 have changed my name and shall hereafter be known as Mayawati

NAME CHANGE
I, Riya D/O Mukesh Kumar, H-1/50, Jahangir Puri, H block, North West Delhi Pin:110033 Have Changed My Name To Riya Sonkar For All the future purposes.

NAME CHANGE
I, Vipal Sudha W/O Vijay Kumar, House no. 20 Block A6 Paschim Vihar S.O West Delhi Pin: 110063 Have Changed My Name To Vipal Sharma For All the future purposes.

Public Notice
I, ASHOK KUMAR AADHAR CARD NO. 2379 1706 7381 AGE 58 YRS R/O,HOUSE NO. 134, NEB SRAI IGNOU, NEW DELHI-110068 declare That AAKASH AGE 29 YRS AND HIS WIFE ANJLI AGE 27 YRS residing at, HOUSE NO. 134, NEB SRAI IGNOU, NEW DELHI- 110068 is my daughter. That I have served all the Relations with their own daughter AAKASH (SON) AND DAUGHTER IN LAW (ANJLI) Disowned own from all their movable and immovable properties.That any body who deals with her/his in any manner whatsoever shall doing at their own risk and I shall not be responsibility for his/her acts of omission and commission.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण का यह सूचित किया जाता हैं कि राजनीति दल **ब्रदर्श ऑफ इंडिया पार्टी (Brothers of India Party)** के नाम से रजिस्ट्रीकृत होना प्रस्तावित हैं। पार्टी कार्यालय मकान नं0 214, ब्लाक नं0–एच, वजीरपुर, जे0जे0 कालोनी, दिल्ली–110052 में स्थित हैं। इस दल ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29क के अधीन राजनीतिक दल के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को आवेदन प्रस्तुत किया हैं पार्टी के पदाधिकारी के नाम / पता नीचे दिए गए हैं:–

सभापति / अध्यक्षः– प्रदीप कुमार, मकान नं0 214, ब्लाक नं0–एच, वजीरपुर, जे0जे0 कालोनी, दिल्ली– 110052

महासचिव / सचिवः विशाल मधुकर एकूर्केकर, 52, एकुर्का रोड, उदगीर, लातुर, महाराष्ट्र–413518

कोशाध्यक्षः–युद्धवीर सिंह मकान नं0 466राजलो गढी(भोगीपुर) सोनीपत, हरियाणा–131001

यदि किसी को **ब्रदर्श ऑफ इंडिया पार्टी (Brothers of India Party)** के रजिस्ट्रीकरण में कोई आपति हो तो अपनी आपति इसके कारणो सहित सचिव(राजनीतिक दल), भारत निर्वाचन आयोग निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली–110001 को, इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर भेजे।

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT BACK CHAIN OF "PLOT OF LAND AREA 3 MARLA OUT OF MUSTATIL NO.42, KILLA NO.17MIN. (2-17), MUSTATIL NO.42, KILLA NO.24/2MIN., 24/3(1-4), AT VILLAGE DABUA, FARIDABAD (HARYANA);" I.E. 1. ORIGINAL SALE DEED/REVENUE RECORDS IN THE NAME OF INITIAL OWNER OF THE PIECE OF LAND, CARVED OUT OF MUSTATIL NO.42, KILLA NO.17MIN. (2-17), MUSTATIL NO.42, 2. ORIGINAL SALE DEED DATED 11.01.2013 EXECUTED IN FAVOUR OF MRS. SURESH W/O. MR. RAM GOPAL IN RESPECT OF PLOT OF LAND ADMEASURING 100 SQ. YDS., CARVED OUT OF MUSTATIL NO.42, KILLA NO.17MIN. (2-17), MUSTATIL NO.42, KILLA NO.24/2MIN., 24/3(1-4), WHICH IS DULY REGISTERED VIDE DOCUMENT NO.8760, BOOK NO.I, AT SUB-REGISTRAR, FARIDABAD, ON 11.01.2013. 3. CTC OF MUTATION IN FAVOUR OF MRS. SURESH W/O. MR. RAM GOPAL IN RESPECT OF PLOT OF LAND ADMEASURING 3 MARLA (100 SQ. YDS.), CARVED OUT OF MUSTATIL NO.42, KILLA NO.17MIN. (2-17), MUSTATIL NO.42, KILLA NO.24/2MIN., 24/3(1-4)., 4. ORIGINAL SALE DEED DATED 13.06.2013 EXECUTED BY MRS. SURESH W/O. MR. RAM GOPAL IN FAVOUR OF MRS. NAMITA YADAV IN RESPECT OF PLOT OF LAND ADMEASURING 100 SQ. YDS., CARVED OUT OF MUSTATIL NO.42, KILLA NO.17MIN. (2-17), MUSTATIL NO.42, KILLA NO.24/2MIN., 24/3(1-4), WHICH IS DULY REGISTERED VIDE DOCUMENT NO.3046, BOOK NO.I, VOLUME NO.0/25, PAGES 193/46 TO 48, AT SUB-REGISTRAR, FARIDABAD, ON 13.06.2013. 5. CTC OF MUTATION NO.14601 IN FAVOUR OF MRS. NAMITA YADAV IN RESPECT OF PLOT OF LAND ADMEASURING 3 MARLA (100 SQ. YDS.), CARVED OUT OF MUSTATIL NO.42, KILLA NO.17MIN. (2-17), MUSTATIL NO.42, KILLA NO.24/2MIN., 24/3(1-4). & 6. CTC OF MUTATION NO.14602 IN FAVOUR OF MRS. ANITA W/O. MR. AJAY IN RESPECT OF PLOT OF LAND ADMEASURING 3 MARLA (100 SQ. YDS.), CARVED OUT OF MUSTATIL NO.42, KILLA NO.17MIN. (2-17), MUSTATIL NO.42, KILLA NO.24/2MIN., 24/3(1-4). HAVE BEEN LOST BY THE CURRENT OWNER MRS. ANITA AND SAID OWNER MRS. ANITA PURCHASED THE SAID PROPERTY VIDE TRANSFER DEED (IN BLOOD RELATION) DATED 11.07.2018 EXECUTED BY MRS. NAMITA YADAV IN FAVOUR OF HER SISTER MRS. ANITA. NOW MRS. ANITA WANTS TO TAKE LOAN AGAINST THE SAID PROPERTY FROM TRU HOME FINANCE LIMITED. PLEASE SUBMIT THE SAID ORIGINAL SALE DEEDS/DOCUMENTS IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/SALE DEEDS/DOCUMENTS WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032
MOBILE NO. 9999042521

NAME CHANGE
I, BHUKUNDA DEBSHARMA son of Shri DHUMALU CHANDRA DEBSHARMA, residing at Village Bamnoli, Sector-28, Dwarka, New Delhi-110077, declare that name of mine has been wrongly written as PUSHAN SARKAR in my minor son namely SURAJ aged 11 years in her 6th class school record. The actual name of mine is BHUKUNDA DEBSHARMA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, NO-15437711X Rank-L/NK Name-JADEJA SHAILENDRASINH legal father of SURYADIPSINH R/O VILL-DEDAKDAD, PO-KHAJURDI, TEHSIL-DHROL, DIST-JAMNAGAR, GUJARAT-360110 have changed my minor son's name from SURYADIPSINH to JADEJA SURYADIPSINH SHAILENDRASINH for all future purposes vide affidavit dated 18/08/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SUDAMA DEVI W/0-RAJPAL SINGH 7/119, GALI N 10/3, NEW, PEETAM NAGAR, FIROZABAD , UTTAR PRADESH -283203 , I have changed my name from SUDAM DEVI TO SUDAMA DEVI for all future purpose.

NAME CHANGE
I NAZRA W/O MOHD. ARIPH R/OH NO- 293 D-BLOCK STREET NO-4 NOOR-E-ILAHI GHONDA EXT. NORTH EAST DELHI 110094 HAVE CHANGED MY NAME TO NAZARA

NAME CHANGE
I, MANJU ANTONY, W/o ISSAC KC, Date of Birth 18 March 1984, R/o Vill – Paippad, P.O. – Thrickodithanam, Teh. – Changanacherry, Distt. – Kottayam, Kerala – 686105, have changed my name from MANJU ISSAC to MANJU ANTONY as per my Aadhaar Card. MANJU ISSAC and MANJU ANTONY are one and the same person. I shall hereafter be known as MANJU ANTONY for all purposes and documentation.

NAME CHANGE
I, Sumit, S/O Devender Gupta, R/O F-133, Khasra Road No. 476, Upper ground floor, Flat no. 3, Jawahar Park Devli Road, Khanpur Devli, Delhi- 110080 have changed my name to Sumit Gupta for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Rajender Kumar Yadav, S/O Batto Ram Chaudhary, R/O C-504, Plot No- 4, Mahalaxmi Apartment, Sector-2, Dwarka, Dwarka, Sec-6, South West Delhi, Delhi- 110075 have changed my name to Rajender Yadav for all future purposes.

NAME CHANGE
I, BHUKUNDA DEBSHARMA son of Shri DHUMALU CHANDRA DEBSHARMA, residing at Village Bamnoli, Sector-28, Dwarka, New Delhi-110077, declare that name of mine has been wrongly written as PUSHAN SARKAR in my minor daughter namely PRIYA KUMARI aged 15 years in her 10th class school record. The actual name of mine is BHUKUNDA DEBSHARMA, which may be amended accordingly.

Public Notice
Public at large is hereby informed that my clients Ramker, age about 70 Year son of Shri Tulasi and Smt. Sudami, age about 67 years wife of Shri Ramker both resident of 41, Gram/Post Mehnagar, Mehnagar, Azamgarh, Uttar Pradesh-276204,have severe all relations and debarred their son namely Mr. Om Prakash, age about 44 years and his wife namely Mrs. Guddi, age about 39 years,(daughter-in-law) and their children Namely Mr. Vansh Gautam, age about 21 years (Grand-son) and Mr. Mann Gautam, age about 16 Years(Grand-son) all resident of H.No. G-70, Pocket-3, Sector-16A, South West Delhi-110078.My clients severed their relations with them and also debarred them from their properties i.e. movable and immoveable due to their hostile behavior and being out of control. Further my clients will not be responsible/ liable for any acts, deeds done by them in future.

HARDWARI LAL ADVOCATE
E.No. D-172B/1982
CHAMBER NO.325,3RDFLOOR LAWYERS CHAMBER, DWARKA COURT NEW DELHI-110075.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सोने-चांदी में नरमी

मुम्बई ।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी में तेज गिरावट रही। ये गिरावट अंतरराष्ट्रीय बाजार के दबाव और निवेशकों द्वारा मुनाफावसूली के चलते आई है। सुबह सोने के वायदा भाव में 362 रुपये जबकि चांदी में 2,418 रुपये प्रति किलोग्राम की कमी आई। इस बड़ी गिरावट का मुख्य कारण 30 साल के अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड की यील्ड का 19 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचना रहा। हालांकि, फेडरल रिजर्व द्वारा निकट भविष्य में ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना कम होने के कारण सोना और चांदी के लिए एक सकारात्मक कारक बना हुआ है, जो भविष्य में कीमतों को सहारा दे सकता है।वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर, सोना 4,410 डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार कर रहा था जबकि चांदी 63 प्रति औंस के करीब थी। वहीं मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर, सोने के वायदा भाव 1,54,200 रुपये के स्तर पर थे जबकि चांदी के भाव करीब 2,30,250 के आसपास थे। एमसीएक्स पर सोने के अक्टूबर अनुबंध की शुरुआत 362 रुपये की गिरावट के साथ 1,53,900 पर हुई। इसका पिछला बंद भाव 1,54,262 रुपये था। दिन के कारोबार के दौरान, यह अनुबुंध 69 रुपये की गिरावट के साथ 1,54,193 रुपये पर कारोबार कर रहा था, जिसने दिन में कीमतें 1,53,900 रुपये के निचला स्तर और 1,54,326 के उच्च स्तर पर पहुंची। इस साल सोना 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा था। वहीं चांदी के सितंबर अनुबंध की भी कमजोर शुरुआत रही उसमें 2,418 रुपये की बड़ी गिरावट देखी गई और यह 2,30,001 पर खुली। इसका पिछला बंद भाव 2,32,419 रुपये था। कारोबार के समय यह अनुबंध् 2,181 की गिरावट के साथ ही 2,30,238 रुपये पर था, जिसने दिन के दौरान 2,29,666 रुपये का निचला और 2,30,528 रुपये का उच्च स्तर हासिल किया। चांदी इस साल 4,20,048 प्रति किलो के उच्चतम स्तर पर पहुंची। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर सोने के वायदा भाव 4,391.40 डॉलर प्रति औंस पर खुले, जो अपने पिछले बंद भाव 4,420.60 से कम थे। कारोबार के दौरान यह 11.20 रुपये की गिरावट के साथ 4,409.40 प्रति औंस पर थे। इस साल सोने ने 5,586.20 डॉलर का रिकॉर्ड उच्च स्तर देखा। इसी तरह, कॉमैक्स पर चांदी के वायदा भाव 63.42 डॉलर पर खुले, जो पिछले बंद भाव 64.03 डॉलर से नीचे था।

बेहारी लाल इंजीनियरिंग के शेयर को लेकर निवेशकों में काफी उत्साह

लिस्टिंग से पहले ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर को लेकर मिल रहे मजबूत संकेत

नई दिल्ली,। बेहारी लाल इंजीनियरिंग के शेयर बुधवार को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होने जा रहे हैं। कंपनी के शुरुआती सार्वजनिक निर्गम यानी आईपीओ को लेकर निवेशकों में काफी उत्साह है। 17 अगस्त को शेयर आवंटन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और अब सभी की नजर लिस्टिंग पर है। लिस्टिंग से पहले ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर को लेकर मजबूत संकेत मिल रहे हैं। बुधवार सुबह शेयर का ग्रे मार्केट प्रीमियम करीब 133 रुपए चल रहा था। कंपनी ने आईपीओ में शेयर का ऊपरी मूल्य बैंड 285 रुपए तय किया था। इस हिसाब से संभावित लिस्टिंग कीमत करीब 418 रुपए होती है यानी इश्यू मूल्य के मुकाबले करीब 46.67 फीसदी प्रीमियम पर शेयर सूचीबद्ध होने का अनुमान लगाया जा रहा था। हालांकि ग्रे मार्केट प्रीमियम अनौपचारिक संकेत होता है और वास्तविक लिस्टिंग कीमत इससे अलग हो सकती है।बेहारी लाल इंजीनियरिंग का आईपीओ 301.62 करोड़ रुपए था। इसमें 93 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी किए गए, जबकि 208.62 करोड़ रुपए का हिस्सा ऑफर फॉर सेल के जरिए था। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 271 से 285 रुपए प्रति शेयर रखा गया था। निवेशकों को न्यूनतम 52 शेयरों के लिए आवेदन करना था। ऊपरी मूल्य बैंड के आधार पर खुदरा निवेशकों का न्यूनतम निवेश 14,820 रुपए था। बता दें कंपनी की स्थापना 1995 में हुई थी। यह लौह और इस्पात से जुड़े उत्पादों के अलावा विभिन्न उद्योगों के लिए इंजीनियरिंग उत्पाद बनाती है। इसके उत्पादों में मेटल रोल्स, इंजीनियरिंग कास्टिंग, मिश्र धातु इस्पात उत्पाद, फोर्जिंग इंगोट्स और फोर्ज्ड शाफ्ट शामिल हैं।31 मार्च 2026 तक कंपनी के ग्राहक आधार में भारत और विदेशों के 1,825 ग्राहक शामिल थे। इसकी विनिर्माण इकाइयां पंजाब के मंडी गोबिंदगढ़ में हैं। 31 मई 2026 तक कंपनी के पास करीब 178.57 करोड़ रुपए का ऑर्डर बुक था। अब निवेशकों की नजर इस बात पर है कि शेयर बाजार में लिस्टिंग के दौरान ग्रे मार्केट में दिख रहा उत्साह कितना बरकरार रहता है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 325, निफ्टी 76 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में बुधवार को भी गिरावट रही। वहीं गत दिवस भी ये गिरा था। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के कारण कच्चे तेज की कीमतें बढ़ने से भी घरेलू बाजार पर दबाव पड़ा है। बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी से भी बाजार धारणा प्रभावित हुई।

आज कारोबार के दौरान पावर ग्रिड, बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, आईटीसी के शेयर गिरे हालांकि, कुछ आईटी शेयरों ने बाजार की इस गिरावट को थामा।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 325.78 अंक की गिरावट के साथ ही 76,909.68 अंकों पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 76.60 अंकों की गिरावट के साथ ही 24,078.30 अंकों पर बंद हुआ।

बाजार की व्यापक स्थिति कमजोर रही। सेंसेक्स में सूचीबद्ध 30 कंपनियों में से केवल 8 के शेयर ही लाभ के साथ बंद हुए। वहीं 21 अन्य में गिरावट रही। इसी तरह, निफ्टी की 50 कंपनियों में से 34 के शेयर नीये आये जबकि केवल 16 में तेजी दर्ज की गई।

सरकारी बिजली कंपनी पावर ग्रिड के शेयरों में सबसे ज्यादा 2.00 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई, जो सेंसेक्स के लिए सबसे बड़ा झटका था। इसके विपरीत, आईटी क्षेत्र से एचसीएल टेक का शेयर 1.73 फीसदी की बढ़त के साथ शीर्ष पर रहा

गिरावट दर्ज करने वाले प्रमुख शेयरों में बजाज फाइनेंस , एलएंडटी , आईटीसी , हिंदुस्तान यूनिलीवर आदि रहे जबकि कोटक महिंद्रा बैंक, सन फार्मा , टाइटन , टीसीएस , इन्फोसिस और ट्रेंट के शेयरों में तेजी रही। बजाज फिनसर्व के शेयर बिना किसी बदलाव के सपाट रहे।

इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स करीब 94.57 अंक की गिरावट के साथ 77,140.89 के स्तर पर कारोबार कर रहा था जबकि 50 शेयरों वाल एनएसई निफ्टी50 भी 38.30 अंक फिसलकर 24,116.60 पर पहुंच गया।वैश्विक बाजारों में भी कमजोरी का सिलसिला जारी रहा। अमेरिकी शेयर बाजारों में मंगलवार को नैस्डैक कंपोजिट 1.33 फीसदी और एसएंडपी 500 0.69 फीसदी की गिरावट के साथ लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरे। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज भी लगभग 0.2 फीसदी नीचे बंद हुआ।दूसरी ओर एशियाई बाजारों में भी बिकवाली का दबाव बढ़ा हुआ था। दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स लगभग 4.2 फीसदी तक गिर गया।

कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी

मुम्बई ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड (कच्चे तेल) की बढ़ती कीमतों में तेजी आई है। ऐसे में अभी पेट्रोल-डीजल के दाम कम होने की जगह बढ़ सकते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के साथ किसी भ्री तरह से बातचीत करने से इंकार करने के बाद से ही करने के बयान के बाद से ही कच्चे तेल की कीमतें 91 डॉलर प्रति बैरल के पार चली गई हैं। आज सुबह कच्चा तेल 38 सेंट चढ़कर 91.40 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया जबकि डब्लयूटीआई क्रूड 45 सेंट की बढ़त के साथ ही 85.30 डॉलर प्रति बैरल पर था। कच्चे तेल की कीमतों में आये इस उछाल से ईंधन की कीमतें बढ़ना तय है।

एक अनुमान के मुताबिक, एक बैरल कच्चे तेल की कीमत में 10 डॉलर की बढ़ोतरी से कंपनियों को प्रति लीटर लगभग 6 रुपये का नुकसान होता है।

वहीं देश में आज पेट्रोल-डीजल के रेट में कोई बदलाव नहीं हुआ है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर बना हुआ है। इसके साथ ही, एलपीजी और सीएनजी की कीमतों में भी कोई बदलाव नहीं हुआ।

बाल यौन शोषण सामग्री कानून का उल्लंघन, मेटा से बातचीत के बाद सरकार सख्त

नई दिल्ली।

अमेरिकी कंपनी मेटा के साथ सरकार की बातचीत के बाद बाल यौन शोषण सामग्री के मुद्दे पर कार्रवाई में तेजी आई है। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि केंद्र ने साफ कर दिया है कि ऐसी सामग्री कानून का स्पष्ट उल्लंघन है और इस तरह का उल्लंघन होने पर 'सेफ हार्बर' का संरक्षण नहीं मिलेगा। 'सेफ हार्बर' एक कानूनी प्रावधान है जो इंटरनेट मध्यस्थों और सोशल मीडिया मंचों को उपयोगकर्ताओं द्वारा 'पोस्ट' की गई सामग्री के लिए कानूनी जिम्मेदारी या मुकदमों से बचाता है।सूत्रों ने बताया कि सरकार का मकसद 'सेंसरशिप' या किसी भी तरह से 'कवरेज' को सीमित करना नहीं है, बल्कि भारतीय कानूनों और नियमों का पालन तय करना और सोशल मीडिया से होने वाले नुकसान को कम करना है। उन्होंने कहा कि संदेश पहुंच गया है। आईटी मंत्रालय के अधिकारी ने कहा कि मेटा ने सीएसएएम पर बढ़ी हुई संवेदनशीलता और सावधानी दिखाई है और हालिया चर्चाओं के बाद सरकार को कंपनी द्वारा कुछ कार्रवाई होती दिख रही है। सूत्रों ने इस प्रतिक्रिया को 'महत्त्वपूर्ण और उल्लेखनीय' बताया। मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि बातचीत में मेटा ने बताया कि उसके 'एल्गोरिदम' और प्रणालियां कैसे काम करती हैं।

एफसीएनआर (बी) स्वैप योजना बंद- बॉन्ड बाजार पर दबाव, यील्ड में वृद्धि

नई दिल्ली,।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की एफसीएनआर (बी) स्वैप योजना के समय से पहले बंद होने से बॉन्ड बाजार पर, विशेषकर अल्पावधि बॉन्ड खंड पर दबाव बढ़ा है। इसके परिणामस्वरूप, पांच वर्षीय बॉन्ड की यील्ड 6.44 प्रतिशत से बढ़कर 6.46 प्रतिशत पर पहुंच गई है।

बीते दो कारोबारी सत्रों में पांच वर्षीय बॉन्ड की यील्ड में करीब 10 आधार अंक की वृद्धि दर्ज की गई। 10 वर्षीय सरकारी बॉन्ड की यील्ड भी 6.81 प्रतिशत से बढ़कर 6.83 प्रतिशत पर बंद हुई। डीलरों का अनुमान है कि अगस्त के अंत तक यह 6.85 प्रतिशत के करीब पहुंच सकती है। गौरतलब है कि आरबीआई की योजना ने पहले अल्पावधि बॉन्ड को बेहतर प्रदर्शन करने में मदद की थी।

बाजार के जानकारों के अनुसार, कारोबारियों ने एफसीएनआर (बी) के तहत 3 से 5 साल की अवधि के लिए आने वाली जमा की उम्मीद में पांच वर्षीय बॉन्ड में बड़ी पोजीशन बनाई थीं। योजना के अचानक बंद होने से इन पोजीशन को समाप्त किया जा रहा है, जिससे कम अवधि वाले बॉन्ड खंड पर

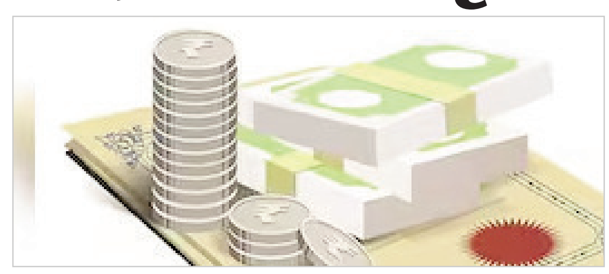

अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। प्राइमरी डीलरशिप के वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की, कारोबारियों ने 5 वर्षीय बॉन्ड में ज्यादा पोजीशन बनाई थीं और अब उन्हें खत्म किया जा रहा है। एफसीएनआर (बी) स्वैप योजना के समाप्त होने के साथ ही, बाजार का ध्यान अब फिर से वैश्विक कारकों, विशेष तौर पर अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड और कच्चे तेल की कीमतों पर केंद्रित हो गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि एफसीएनआर (बी) सुविधा बॉन्ड बाजार के लिए एक सकारात्मक कारक थी और इसने बाजार को स्थिरता बनाए रखने में मदद की थी।

भारत में डीपटेक फंडिंग का बोलबाला, 11.4 अरब डॉलर का आंकड़ा पार

पिछले छह सालों में आया 85 फीसदी से ज्यादा निवेश

नई दिल्ली।

इंडियन वेंचर ऐंड ऑल्टरनेट कैपिटल एसोसिएशन (आईवीसीए) की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय डीपटेक सेक्टर में वर्ष 2015 से अब तक कुल 11.4 अरब डॉलर का भारी निवेश आया है। इस फंडिंग का 85 प्रतिशत से भी अधिक हिस्सा पिछले छह सालों में ही जुटाया गया है, जो देश के डीपटेक इकोसिस्टम के तेजी से परिपक्व होने और वाणिज्यिक सफलता की ओर बढ़ने का स्पष्ट संकेत देता है। आईवीसीए के आंकड़ों के मुताबिक डीपटेक सेक्टर में निवेश में अभूतपूर्व उछाल आया है। वर्ष 2025 फंडिंग के लिहाज से अब तक का सबसे सफल साल रहा, जब डीपटेक स्टार्टअप्स ने रिकॉर्ड 189 राउंड में 2.9 अरब डॉलर जुटाए। वर्ष 2026 में भी यह गति जारी है और कंपनियों ने 103 राउंड में लगभग 1 अरब डॉलर की पूंजी जुटाई है।

2021 के बाद से फंडिंग में आई यह तेजी साफ तौर पर दर्शाती है कि डीपटेक कंपनियां अब शुरुआती चरण से निकलकर वाणिज्यिक मजबूती की ओर अग्रसर हैं।

इस तेजी का प्रमाण हाल के उदाहरणों में देखा जा सकता है, जैसे स्काईरूट एरोस्पेस द्वारा पहले प्राइवेट ऑर्बिटल-क्लास रॉकेट का सफल लॉन्च और एआई इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी नेसा का 1.2 अरब डॉलर का फंडिंग राउंड, जिसने उसे यूनिकॉर्न का दर्जा दिलाया। 2015 से 2026 के बीच ब्लूम वेंचर्स (51 सौदे), स्पेशल इन्वेस्ट (50 सौदे) और एक्सेल इंडिया (48 सौदे) सबसे सक्रिय डीपटेक निवेशक रहे। इसी अवधि में, डीपटेक कंपनियों ने 61 सौदों के माध्यम से वेंचर ऋण के रूप में कुल 54.4 करोड़ डॉलर की पूंजी भी जुटाई। हालांकि, निवेश से बाहर निकलने (एक्जिट) के लिए विलय एवं अधिग्रहण को प्राथमिकता दी जाती है, लेकिन हकीकत में सबसे ज्यादा सेकंडरी बिक्री (56 फीसदी) ही देखने को मिली हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 62 प्रतिशत फंडों ने एक्जिट की स्पष्टता को एक बड़ी चुनौती माना है।

आईपीओ भी एक विकल्प है, लेकिन इसके लिए ग्रोथ-स्टेज कैपिटल की अधिक आवश्यकता होती है।

पिछले साल 18 बिकवाली सौदों से 60 करोड़ डॉलर मिले, जबकि 2024 में 7 एक्जिट से 15.2 करोड़ डॉलर जुटाए गए। डीपटेक स्टार्टअप वे उद्यम हैं जो नई वैज्ञानिक या इंजीनियरिंग प्रगति पर आधारित समाधान विकसित करते हैं, जिनमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स, स्पेस-टेक, रक्षा और एयरोस्पेस, रोबोटिक्स, क्वांटम कंप्यूटिंग टेक्नॉलजी और अन्य उन्नत क्षेत्रों की कंपनियां शामिल हैं।

भारत का डीपटेक सेक्टर भविष्य की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 18 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.57 पर बंद हुआ। वही गत दिवस रुपया 95.74 पर बंद हुआ। आज सबह रुपया 95.72 पर खुला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में गत दिवस रुपया 95.68 प्रति डॉलर पर खुला रुपया सोमवार को 19 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.61 पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 फीसद टूटकर 99.63 पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि ब्रेंट कच्चा तेल की कीमत के करीब 91 डॉलर प्रति बैरल पहुंचने से तेल से संबंधित डॉलर की मांग में वृद्धि हुई है।

ओपनएआई ने किशोरों के लिए शुरु किया नया चैटजीपीटी, सुरक्षा व्यवस्था होगी मजबूत

अभिभावक अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों की कर सकेंगे निगरानी

नई दिल्ली,।

ओपनएआई ने 13 से 17 साल की उम्र के किशोर उपयोगकर्ताओं के लिए चैटजीपीटी सेवा शुरू की। कंपनी के मुताबिक इसमें ज्यादा मजबूत सुरक्षा व्यवस्था और अभिभावकों के नियंत्रण की सुविधा होगी यानी वे अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों की निगरानी कर सकेंगे। यदि चैटजीपीटी के सिस्टम को शक होता है कि उपयोगकर्ता की उम्र 18 साल से कम है, तो यह नया फीचर अपने आप सक्रिय हो जाएगा। कंपनी ने कहा कि ऐसे उपयोगकर्ताओं को स्वचालित रूप से किशोरों के लिए चैटजीपीटी अनुभव में रखा जाएगा ताकि उनकी सुरक्षा तय की जा सके।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ओपनएआई ने कहा कि किशोरों के लिए चैटजीपीटी फीचर सीखने और सुरक्षा सुविधाओं को एकीकृत करता है। इसका उद्देश्य कक्षा के बाहर सक्रिय और सहयोगात्मक सीखने में मदद करना और एआई के ज्यादा सोच-समझ कर और उम्र के अनुरूप उपयोग को बढ़ावा देना है। इसके अलावा अतिरिक्त सुरक्षा सुविधाओं में ऐसी सामग्री से सुरक्षा शामिल है, जिसमें खुद को नुकसान पहुंचाने, हिंसा, खतरनाक गतिविधियों या किसी भी तरह की यौन रूप से स्पष्ट सामग्री का चित्रण हो। ओपनएआई

इंडिया में स्ट्रैटजी और वैश्विक मामलों की प्रमुख ने यह जानकारी दी।

टाटा संस एजीएम स्थगित- जल्द होगा अगली बैठक का ऐलान

मुंबई।

टाटा संस को अभूतपूर्व स्थिति का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि मंगलवार को उसकी सालाना आम बैठक (एजीएम) आवश्यक न्यूनतम सदस्यों की संख्या (कोरम) पूरी न होने के कारण स्थगित की गई। कंपनी के 1917 में स्थापित होने के बाद से यह पहली बार है कि उसकी एजीएम न छूटी है और न ही स्थगित हुई है, जिससे समूह के नेतृत्व को लेकर पहले से बनी अनिश्चितता और बढ़ गई है।

एजीएम स्थगन का मुख्य कारण सर रतन टाटा ट्रस्ट्स (एसआरटीटी) पर महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर द्वारा इस साल की शुरुआत में लगी रोक थी, जिससे इसके नामित निदेशकों की भागीदारी प्रभावित हुई। सूत्रों के अनुसार, टाटा संस का बोर्ड अब जल्द ही, संभवतः एक सप्ताह के भीतर, बैठक बुलाएगा।

इसमें स्थगित हुई एजीएम की नई तारीख तय होगी और मौजूदा कानूनी गतिरोध के समाधान पर वरिष्ठ विशेषज्ञों की सलाह ली जाएगी।

इस संभावित बैठक में चेयरमैन एन.चंद्रशेखरन के 12 अगस्त के पत्र पर भी चर्चा होने की उम्मीद की जा रही है, जिसमें उन्होंने कहा था कि वे 20 फरवरी 2027 को अपना दूसरा कार्यकाल समाप्त होने के बाद तीसरे कार्यकाल के लिए खुद को आगे नहीं रखने वाले है। हालांकि, एक सूत्र के मुताबिक, बोर्ड इस बैठक में अपनी पहले की राय दोहरा सकता है कि चंद्रशेखरन को एक और कार्यकाल मिलना चाहिए। मंगलवार को एजीएम के लिए चेयरमैन चंद्रशेखरन और कुछ बोर्ड सदस्य मुंबई में मौजूद थे, जबकि टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा सहित कई अन्य निदेशक ऑनलाइन शामिल हुए थे।

परंतु, कोरम पूरा न होने से बैठक शुरू होने के कुछ ही समय बाद स्थगित कर दी गई।

डिजिटल भुगतान की बढ़त के बीच नगदी के प्रचलन में नहीं आई गिरावट

आरबीआई ने छह मूल्य वर्गों में सालाना 28 से 30 अरब बैंक नोटों की छपाई की

नई दिल्ली,।

डिजिटल भुगतान के बढ़ते इस्तेमाल के बीच व्यक्तिगत लेन-देन में नकदी की हिस्सेदारी भले ही कम हो रही है, लेकिन प्रचलन में नकदी की मात्रा दो अंकों की दर से लगातार बढ़ रही है। भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर शिरीष चंद्र मुर्मू ने कहा कि इससे न केवल भविष्य के लिए नकदी की मांग का अनुमान लगाना कठिन हो गया है बल्कि बैंक नोटों के उत्पादन एवं वितरण क्षमता के लिए आरबीआई की योजना भी जटिल होती जा रही है।

मुर्मू ने कहा कि पिछले दशक में भारत में डिजिटल भुगतान को अपनाना क्रांतिकारी रहा है, लेकिन प्रचलन में नकदी की मात्रा में कोई गिरावट नहीं आई है। ऐसा खास तौर पर ग्रामीण एवं कस्बाई इलाकों में, कम आय वाले लोगों, बुजुर्गों और छोटे कारोबारियों के बीच देखा जा रहा है। मुर्मू ने बताया कि पिछले कुछ सालों में आरबीआई ने छह मूल्य वर्गों में सालाना 28 से 30 अरब बैंक नोटों की छपाई की है और सालाना करीब 21 अरब बैंक नोटों का निपटान किया है। फिलहाल देश में 176 अरब बैंक नोट प्रचलन में हैं। इसके मुकाबले पिछले साल के आखिर में करीब 56 अरब डॉलर बिल और 30 अरब यूरो के बैंक नोट प्रचलन में थे।

उन्होंने कहा कि भारत में यह संख्या कुछ हद तक कम मूल्य वाले नोटों के ज्यादा इस्तेमाल की वजह से है। इसका मतलब साफ है कि समान मूल्य के लेनदेन के लिए ज्यादा नोटों का आदान-प्रदान किया जाता है। भारत सरकार ने फील्ड ट्रायल के लिए 10 रुपए और 20 रुपए के 1 अरब पॉलिमर बैंक नोट लाने को मंजूरी दे दी है। अगर फील्ड ट्रायल और परिचालन संबंधी आकलन के नतीजे संतोषजनक रहे तो आरबीआई वित्त वर्ष 2028 की शुरुआत से परीक्षण के आधार पर पॉलिमर बैंक नोटों को प्रचलन में लाने की योजना बना रहा है। केंद्रीय बैंक ने पॉलिमर सबस्ट्रेट की खरीद के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू कर दी है लेकिन आरबीआई बड़े पैमाने पर जारी करने का फैसला लेने से पहले भारतीय जलवायु और उपयोग की परिस्थितियों में इन नोटों का परीक्षण करेगा। आरबीआई अपने वितरण नेटवर्क को अनुकूलित करके और बैंक नोट ब्रिगेट के निपटान के तरीके में सुधार के जरिये नकदी चक्र में कार्बन की मौजूदगी को कम करने के लिए भी काम कर रहा है।

मुर्मू ने कहा कि डिजिटल भुगतान में तेजी के बावजूद नकदी प्रबंधन केंद्रीय बैंकों के लिए एक प्रमुख जिम्मेदारी बनी हुई है।

इससे भौतिक मुद्रा में जनता के विश्वास को बनाए रखने के महत्त्व का पता चलता है।

दुबई का कमर्शियल रियल एस्टेट बाजार 8.5 फीसदी बढ़कर 65.23 अरब दिरहम हुआ

यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से ऑफिस सेगमेंट के बेहतर प्रदर्शन की वजह से हुई

नई दिल्ली,।

दुबई के वाणिज्यिक रियल एस्टेट बाजार ने 2026 की पहली छमाही में मजबूती दिखाई है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण क्षेत्र में चुनौतीपूर्ण माहौल के बावजूद दुबई में वाणिज्यिक संपत्तियों के लेनदेन का मूल्य बढ़ा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक 2026 की पहली छमाही में दुबई के वाणिज्यिक रियल एस्टेट लेनदेन का मूल्य सालाना आधार पर 8.5 फीसदी बढ़कर 65.23 अरब दिरहम हो गया। सौदों की संख्या करीब 13 फीसदी बढ़कर 6,487 हो गई। यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से ऑफिस सेगमेंट के बेहतर प्रदर्शन की वजह से हुई।

रिपोर्ट के मुताबिक इस क्षेत्र में लेनदेन का मूल्य करीब 200 फीसदी बढ़कर 15.81 अरब दिरहम हो गया। ऑफिस सेगमेंट में लेनदेन की संख्या भी सालाना आधार पर 38 फीसदी बढ़कर 2,571 हो गई। वहीं, ऑफिस की औसत कीमत 85 फीसदी बढ़कर 3,202 दिरहम प्रति वर्ग फुट पहुंच गई।

एनारॉक समूह में खुदरा और यूरोप, पश्चिम एशिया और अफ्रीका के मुख्य कार्य अधिकारी ने कहा कि यह प्रमुख कारोबारी जिलों और फ्री जोन में सीमित आपूर्ति के बीच ग्रेड-ए ऑफिस स्पेस की बढ़ती मांग को दर्शाता है। खुदरा संपत्तियों के कारोबार में भी तेज बढ़ोतरी देखी गई। लेनदेन की संख्या सालाना आधार पर 56 फीसदी बढ़कर 853 हो गई।

डोनाल्ड ट्रंप को क्यों भा गया भारतीय निर्वाचन आयोग?

सौरभ वार्ष्णेय

भारत में चुनाव कराना अपने आप में दुनिया का एक असाधारण प्रशासनिक अभियान है। करोड़ों मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक पहुंचाना, मतदाता सूची तैयार करना, पहचान सुनिश्चित करना, राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के लिए समान अवसर बनाए रखना तथा परिणामों को घोषित करना–यह पूरा तंत्र विशाल स्तर पर काम करता है। ट्रंप ने भारत के हालिया आम चुनाव में लगभग 646 मिलियन मतदाताओं का उल्लेख करते हुए भारतीय फोटो पहचान व्यवस्था को अमेरिका के संदर्भ में उपयोगी बताया। यहीं से भारत और अमेरिका के चुनावी मॉडल में एक महत्वपूर्ण अंतर सामने आता है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जो भारत के साथ टैरिफ पर टैरिफ खेल रहे थे अचानक युद्ध छोड़कर भारत की चुनाव व्यवस्था और मतदाता पहचान प्रणाली यानी भारतीय निर्वाचन आयोग को पंसद कर रहे हैं। ज्ञात रहे कि हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी चुनाव व्यवस्था की तुलना भारतीय चुनाव मतदाता पहचान प्रणाली से की है। ट्रंप ने भारत के विशाल चुनावी तंत्र, फोटो पहचान-पत्र की व्यवस्था और सीमित डाक मतपत्र व्यवस्था को अमेरिका के लिए उदाहरण के रूप में पेश किया। उन्होंने भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार से कथित बातचीत का भी उल्लेख किया, हालांकि इस बातचीत का स्वतंत्र सार्वजनिक रिकॉर्ड अभी स्पष्ट रूप से सामने नहीं आया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान केवल भारत की चुनाव प्रणाली की प्रशंसा भर नहीं है। इसके पीछे अमेरिकी राजनीति, मतदाता पहचान, चुनावी पारदर्शिता और आगामी अमेरिकी मध्यावधि चुनावों की राजनीति भी दिखाई देती है। सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है कि आखिर भारत की चुनाव व्यवस्था में ऐसा क्या है जो दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्रों में से एक अमेरिका के राष्ट्रपति को आकर्षित कर रहा है? भारत का निर्वाचन आयोग कोई सामान्य प्रशासनिक संस्था नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत उसे संसद, राज्य विधानसभाओं तथा राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनावों की देखरेख, निर्देशन और नियंत्रण का संवैधानिक दायित्व प्राप्त है। निर्वाचन आयोग स्वयं भी इसे स्वतंत्र संवैधानिक प्राधिकरण के रूप में वर्णित करता है।

भारत में चुनाव कराना अपने आप में दुनिया का एक असाधारण प्रशासनिक अभियान है। करोड़ों मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक पहुंचाना, मतदाता सूची तैयार करना, पहचान सुनिश्चित करना, राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के लिए समान अवसर बनाए रखना तथा परिणामों को घोषित करना–यह पूरा तंत्र विशाल स्तर पर काम करता है। ट्रंप ने भारत के हालिया आम चुनाव में लगभग 646 मिलियन मतदाताओं का उल्लेख करते हुए भारतीय फोटो पहचान व्यवस्था को अमेरिका के संदर्भ में उपयोगी बताया। यहीं से भारत और अमेरिका के चुनावी मॉडल में एक महत्वपूर्ण अंतर सामने आता है। अमेरिका में चुनावों का संचालन काफी हद तक राज्यों के स्तर पर होता है और नियमों में राज्यवार अंतर दिखाई देता है। इसके विपरीत भारत में निर्वाचन आयोग एक केंद्रीय संवैधानिक संस्था के रूप में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनावों के लिए व्यापक अधिकार रखता है। ट्रंप की नजर में यही केंद्रीकृत चुनाव प्रबंधन एक आकर्षक मॉडल हो सकता है। ट्रंप की टिप्पणी को समझने के लिए अमेरिकी राजनीति को समझना आवश्यक है। अमेरिका में मतदाता पहचान और नागरिकता सत्यापन लंबे समय से राजनीतिक बहस का विषय रहे हैं। ट्रंप लगातार यह तर्क देते रहे हैं कि चुनावी प्रक्रिया में पहचान और नागरिकता की पर्याप्त जांच होनी चाहिए।इसी पृष्ठभूमि में उन्होंने भारत का उदाहरण दिया। उनका उद्देश्य केवल भारत की प्रशंसा करना नहीं, बल्कि अमेरिकी मतदाता पहचान कानूनों के पक्ष में राजनीतिक समर्थन जुटाना भी है। ट्रंप प्रशासन के माध्यम से मतदाता पंजीकरण में नागरिकता प्रमाण और देशव्यापी फोटो पहचान जैसे प्रावधानों पर जोर दे रहा है।इसलिए यह कहना अधिक उचित होगा कि ट्रंप को भारत इसलिए भा रहा है क्योंकि भारतीय चुनाव प्रणाली का एक हिस्सा उनके घरेलू राजनीतिक एजेंडे के अनुकूल दिखाई देता है।यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है–क्या ट्रंप वास्तव में भारतीय चुनाव प्रणाली को अमेरिकी चुनाव व्यवस्था का आदर्श मानते हैं या वे भारत का उदाहरण अपनी घरेलू राजनीति में एक राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं?

भारत की चुनाव व्यवस्था की अपनी खूबियां हैं। लेकिन भारत भी पूर्ण व्यवस्था होने का दावा नहीं कर सकता। मतदाता सूची में नाम जुड़? या हटने, पहचान संबंधी समस्याओं, चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता और निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता को लेकर समय-समय पर राजनीतिक विवाद उठते रहे हैं। हाल के वर्षों में मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर भी तीखी राजनीतिक बहस हुई है। 2026 में विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विपक्ष और नागरिक समूहों ने सवाल उठाए हैं, जबकि निर्वाचन आयोग ने अपने संवैधानिक अधिकारों के भीतर काम करने का पक्ष रखा है। इस मुद्दे पर सर्वोच्च न्यायालय में भी निर्वाचन आयोग की मतदाता सूची तैयार करने की शक्तियों को लेकर प्रश्नों पर विचार हुआ है।इसलिए ट्रंप की प्रशंसा को भारत की चुनाव प्रणाली के लिए अंतिम प्रमाणपत्र मान लेना उचित नहीं होगा।किसी भी चुनाव की सफलता केवल इस बात से तय नहीं होती कि कितने लोगों ने मतदान किया। असली सफलता तब होती है जब हारने वाला उम्मीदवार और उसके समर्थक भी परिणाम को स्वीकार करें।

भारत में निर्वाचन आयोग की भूमिका इसलिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। संविधान ने उसे चुनावी प्रक्रिया की देखरेख का व्यापक अधिकार दिया है ताकि सत्ता परिवर्तन शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से हो सके। निर्वाचन आयोग स्वयं अपने संवैधानिक दायित्व को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने से जोड़ता है।लेकिन लोकतांत्रिक संस्थाओं की प्रतिष्ठा केवल संवैधानिक प्रावधानों से नहीं बनती। वह जनता के विश्वास से बनती है। इसलिए निर्वाचन आयोग के सामने सबसे बड़ी चुनौती आज यही है कि उसकी प्रत्येक कार्रवाई ऐसी हो जिस पर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को समान रूप से भरोसा हो।

ट्रंप के बयान के बाद भारत में राजनीतिक प्रतिक्रिया भी सामने आई। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को अमेरिका ले जाने संबंधी व्यंग्यात्मक टिप्पणी की। यह प्रतिक्रिया बताती है कि भारत में निर्वाचन आयोग को लेकर राजनीतिक विवाद अभी समाप्त नहीं हुआ है।यदि सरकार निर्वाचन आयोग की प्रशंसा करे तो विपक्ष को संदेह हो सकता है। यदि विपक्ष आयोग पर सवाल उठाए तो सरकार इसे राजनीतिक हमला बता सकती है। लेकिन इन दोनों के बीच संस्थागत निष्पक्षता का प्रश्न कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।निर्वाचन आयोग को न तो सरकार के पक्ष में दिखाई देना चाहिए और न विपक्ष के। उसे केवल संविधान के पक्ष में दिखाई देना चाहिए।

यदि अमेरिका भारत से कुछ सीखना चाहता है तो केवल मतदाता पहचान-पत्र की व्यवस्था को देखकर बात पूरी नहीं हो सकती। भारत की चुनाव प्रणाली एक पूरे संस्थागत ढांचे पर आधारित है। मतदाता सूची, निर्वाचन क्षेत्र, मतदान केंद्रों का प्रबंधन, चुनावी आचार संहिता, राजनीतिक दलों के साथ संवाद, चुनाव अधिकारियों की तैनाती और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों से लेकर मतगणना तक एक विस्तृत व्यवस्था काम करती है।

भारत में चुनाव आयोग को चुनावों के दौरान समान अवसर उपलब्ध कराने और आदर्श आचार संहिता लागू करने की जिम्मेदारी भी निभानी पड़ती है। संविधान का अनुच्छेद 324 इस पूरे ढांचे की आधारशिला है।

अमेरिका यदि भारतीय अनुभव से कुछ ग्रहण करता है तो उसे केवल पहचान-पत्र नहीं, बल्कि चुनाव प्रबंधन की संस्थागत संरचना पर भी विचार करना होगा। यहां बात केवल अमेरिका को भारत से सीखने की नहीं है। भारत को भी अपने चुनावी तंत्र में लगातार सुधार करते रहना होगा। आज मतदाता पहले से अधिक जागरूक है। सोशल मीडिया के दौर में चुनावी जानकारी कुछ सेकंड में करोड़ों लोगों तक पहुंच सकती है। गलत सूचना, डीपफेक, फर्जी वीडियो और डिजिटल प्रचार चुनावी वातावरण को प्रभावित कर सकते हैं।ऐसे में निर्वाचन आयोग की पारदर्शिता और संवाद की भूमिका पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।मतदाता सूची में किसी नागरिक का नाम क्यों जोड़ा गया या क्यों हटाया गया, चुनावी निर्णय किस आधार पर लिया गया, राजनीतिक दलों की शिकायतों पर क्या कार्रवाई हुई–इन सभी सवालों के जवाब समय पर और सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होना लोकतंत्र के हित में है।डोनाल्ड ट्रंप का भारतीय निर्वाचन आयोग की व्यवस्था की ओर ध्यान जाना निश्चित रूप से भारत के लिए गर्व का विषय हो सकता है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की चुनावी व्यवस्था को अमेरिका के राष्ट्रपति द्वारा उदाहरण के तौर पर पेश करना भारत की संस्थागत क्षमता को अंतरराष्ट्रीय पहचान देता है।लेकिन लोकतंत्र में बाहरी प्रशंसा से ज्यादा महत्वपूर्ण आंतरिक विश्वास है।यदि भारत के नागरिक अपने निर्वाचन आयोग पर भरोसा करते हैं, यदि राजनीतिक दल चुनावी परिणामों को स्वीकार करते हैं और यदि हर मतदाता को यह विश्वास रहता है कि उसका वोट सुरक्षित है तथा उसकी आवाज सुनी जाएगी, तभी चुनाव प्रणाली वास्तव में मजबूत कही जाएगी।आज आवश्यकता इस बात की है कि निर्वाचन आयोग अपनी उपलब्धियों पर संतुष्ट होकर न रुके। उसे लगातार खुद को और अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और तकनीकी रूप से सक्षम बनाना होगा।ट्रंप को भारत इसलिए भाया क्योंकि उन्हें अपनी घरेलू राजनीतिक बहस के लिए भारतीय मॉडल में कुछ उपयोगी तत्व दिखाई दिए। लेकिन भारत के लिए इससे बड़ा संदेश यह है कि हमारी लोकतांत्रिक संस्थाएं दुनिया के लिए उदाहरण बन सकती हैं–बशर्ते हम उनके प्रति जनता का विश्वास बनाए रखें। चुनाव केवल सत्ता चुनने की प्रक्रिया नहीं है। चुनाव लोकतंत्र में नागरिक और राज्य के बीच विश्वास का सबसे बड़ा सेतु है। निर्वाचन आयोग उस सेतु का प्रहरी है।

इसलिए ट्रंप की प्रशंसा अच्छी खबर हो सकती है, लेकिन असली परीक्षा यह है कि भारत का आम मतदाता अपने निर्वाचन आयोग के बारे में क्या सोचता है। लोकतंत्र की अंतिम कसौटी वाशिंगटन की प्रशंसा नहीं, बल्कि भारत के मतदान केंद्र पर खड़ा वह सामान्य नागरिक है जो अपने हाथ में मतदाता पहचान-पत्र लेकर यह विश्वास करता है कि उसकी एक-एक वोट की कीमत है। और यही विश्वास भारत के निर्वाचन आयोग की सबसे बड़ी पूंजी है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

एक खत्म, दूसरा शुरू

झारखंड में करीब 25 दिन तक चले छात्र आंदोलन के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को विवादित कंपनी टीडीपीएल के संचालन में हुई जेपीएससी-14, जेएसएससी-सीजीएल की परीक्षाओं को रद्द करने की घोषणा की। साथ ही घोषणा कर दी कि जेपीएससी 11 व 13 की भी जांच की जाएगी। इसके अलावा परीक्षाओं के घोषित परिणाम भी रद्द करने का ऐलान कर दिया गया। यानी टीडीपीएल के माध्यम से जो भी अभ्यर्थी चुने गए, उनका चयन भी रद्द कर दिया गया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने सचिवालय में ग्यारह मंत्रियों के साथ इस मुद्दे पर व्यापक विमर्श किया। छात्र आंदोलन के दबाव में काम कर रही राज्य सरकार की कैबिनेट बैठक करीब साढ़े चार घंटे तक चली। दरअसल, छात्रों के कई खेमे अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत थे। मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार जिन परीक्षाओं को रद्द किया गया,उनमें चौदहवीं जेपीएससी सिविल सेवा रेगुलर, जेपीएससी बैकलॉग 2023, जेपीएससी बैकलॉग 2025, फॉरेस्ट रेंज अफसर, सहायक वन संरक्षक और सिविल जूनियर आदि की नियुक्तियां शामिल हैं। दरअसल, इन परीक्षाओं का संचालन जेपीएससी के माध्यम से किया गया। वहीं दूसरी ओर सीजीएल परीक्षा से चयनित 1975 लोगों की नौकरियां भी अब समाप्त मानी जाएंगी। सरकार ने वायदा किया है कि वर्ष 2014 के बाद हुई सभी नियुक्ति परीक्षाओं की जांच भी की जाएगी। यह जांच कार्य एक न्यायिक आयोग करेगा। बाकायदा एक आईएएस अधिकारी की अध्यक्षता में सुधारों के लिये एक कमेटी भी बनायी गई है। हालांकि, कुछ आंदोलनकारी छात्र सीबीआई जांच की मांग पर अड़े हैं। हालांकि, सरकार की घोषणा के बाद छात्रों का आंदोलन तो खत्म हो गया, लेकिन इस घोषणा के बाद सचिवालय परिसर में उन नियुक्त प्रतिभागियों की भीड़ जुट गई, जो जेएसएससी के माध्यम से परीक्षा उतीर्ण करके नौकरी हासिल कर चुके थे। सरकार की घोषणा के तुरंत बाद विभिन्न चयनित प्रतिभागियों का हुजूम सचिवालय में जमा होना शुरू हुआ। उनके लिये यह खबर स्तब्ध करने वाली थी। उनका दुख और गुस्सा स्वाभाविक ही है।

बहरहाल, अब राज्य सरकार के खिलाफ झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षा में चयनित होने के बाद हटाये गए लोगों ने मोर्चा खोल दिया है। उनका कहना था कि मुख्यमंत्री एक बयान देकर दो हजार लोगों को सरकारी नौकरी से कैसे निकाल सकते हैं? वे इसे सरकारी अन्याय बता रहे हैं। उनकी दलील है कि हम सुबह नौकरी पर थे,लेकिन शाम होते ही हमें नौकरी से हटा दिया गया। उनका कहना था कि कोर्ट के आदेश के बाद ही हमें नौकरी मिली है। उल्लेखनीय है कि जेएसएससी-सीजीएल की परीक्षा दिसंबर 2023 में आयोजित हुई थी। लेकिन पेपर लीक होने के बाद परीक्षा सितंबर 2024 में फिर से हुई। फिर पेपर लीक की आशंका के बीच मामला अदालत पहुंचा। कोर्ट के आदेश के बाद परीक्षा परिणाम घोषित किया गया था। साथ ही तीस दिसंबर को सफल प्रत्याशियों को बाकायदा नौकरी के लिए नियुक्ति पत्र दे दिए गए। अब सरकार द्वारा ये नियुक्तियां रद्द करने से प्रतिभागी बदहवास हैं क्योंकि कई लोगों ने लोन लेकर अपना जीवन स्तर सुधारा, उनकी बैंक की किश्तें जा रही हैं। अब उनकी आंखों के सामने अंधेरा है। उनकी मांग है कि सरकार कायदे से जांच कर ले, लेकिन उन्हें नौकरी से न हटाए। सभी लोग धांधली से भर्ती नहीं हुए हैं। उनका तर्क है कि भीड़ के दबाव में निर्दोष लोगों को सजा नहीं दी जा सकती। हटाये गए कर्मचारियों की आंखें नम हैं। उनमें कई लोग ऐसे हैं जो अपनी दूसरी नौकरियां छोड़कर सरकारी नौकरी के प्रलोभन में आए। दुखी व हताश हटाये गए कर्मचारी बारिश में धरने पर बैठे रहे क्योंकि उन्हें अधिकारियों ने सचिवालय से बाहर कर दिया था। वहीं दूसरी ओर हटाए गए कर्मियों के घर वाले भी सदमे में हैं। राज्य सरकार भी मुश्किल में है क्योंकि सीबीआई जांच की मांग कर रहे छात्रों की दलील है कि उनका आंदोलन अभी समाप्त नहीं हुआ है। वहीं सरकार के सामने हटाये गए अधिकारियों व कर्मचारियों का नया मोर्चा खुल गया है। हटाये गए कर्मचारी इस फैसले के खिलाफ कानूनी लड़ाई की तैयारी कर रहे हैं। वे सरकार के लिखित आदेश की प्रतीक्षा में हैं।

मच्छर जानलेवा है, जागरूकता और स्वच्छता ही बचाव का सबसे बड़ा हथियार

कांतिलाल मांडोत

मच्छर आकार में भले ही बहुत छोटा जीव है, लेकिन मानव स्वास्थ्य के लिए इसका खतरा बेहद बड़ा है। दुनिया में अनेक गंभीर संक्रामक बीमारियों के प्रसार में मच्छरों की महत्वपूर्ण भूमिका है। मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, जापानी इंसेफलाइटिस, जीका, पीला बुखार और फाइलेरियासिस जैसी बीमारियां मच्छरों के माध्यम से फैलती हैं। इन बीमारियों के कारण हर वर्ष बड़ी संख्या में लोग बीमार पड़ते हैं और कई मामलों में स्थिति गंभीर भी हो जाती है। इसलिए मच्छर को केवल परेशान करने वाला कीट मानना उचित नहीं है। यह मानव जीवन के लिए गंभीर स्वास्थ्य चुनौती है।

हर वर्ष 20 अगस्त को विश्व मच्छर दिवस मनाया जाता है। यह दिवस ब्रिटिश चिकित्सक सर रोनाल्ड रॉस की ऐतिहासिक खोज की स्मृति में मनाया जाता है। 20 अगस्त 1897 को रॉस ने यह महत्वपूर्ण प्रमाण प्रस्तुत किया कि मादा एनोफिलीज मच्छर मलेरिया के परजीवी को फैलाने में भूमिका निभाती है। इस खोज ने मलेरिया के संक्रमण और उसके नियंत्रण को समझने की दिशा में चिकित्सा विज्ञान को नई राह दिखाई। रॉस को बाद में वर्ष 1902 में चिकित्सा के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

विश्व मच्छर दिवस का उद्देश्य केवल इस वैज्ञानिक उपलब्धि को याद करना नहीं है, बल्कि लोगों को मच्छरजनित बीमारियों के खतरे और उनसे बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करना भी है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि बीमारी फैलने के बाद उपचार करने से बेहतर है कि मच्छरों के प्रजनन को रोककर बीमारी की आशंका को ही कम किया जाए।

मलेरिया मच्छर से फैलने वाली सबसे पुरानी और गंभीर बीमारियों में से एक है। यह प्लास्मोडियम परजीवी के कारण होता है और संक्रमित मादा एनोफिलीज मच्छर के काटने से फैलता है। बुखार, ठंड लगना, पसीना आना, सिरदर्द और कमजोरी इसके सामान्य लक्षण हो सकते हैं। समय पर जांच और उचित उपचार मिलने पर मलेरिया का इलाज संभव है, लेकिन लापरवाही की स्थिति में यह गंभीर और जानलेवा रूप ले सकता है।

डेंगू भी मच्छरजनित बीमारी है, जो मुख्य रूप से संक्रमित एडीज मच्छरों से फैलती है। तेज बुखार, सिरदर्द, शरीर में दर्द, मतली और कमजोरी इसके सामान्य लक्षण हैं। कुछ मामलों में डेंगू गंभीर रूप ले सकता है, इसलिए लगातार या तेज बुखार होने पर चिकित्सकीय सलाह लेना आवश्यक है। डेंगू की रोकथाम में मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करना सबसे महत्वपूर्ण उपायों में शामिल है।

चिकनगुनिया भी एडीज मच्छरों से फैलता है। इसमें बुखार के साथ जोड़ों में दर्द, सिरदर्द और थकान जैसी समस्याएं हो सकती हैं। जापानी इंसेफलाइटिस तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करने वाली गंभीर बीमारी है। जीका वायरस भी एडीज मच्छरों के माध्यम से फैल सकता है और गर्भावस्था के दौरान विशेष चिंता का विषय हो सकता है। इसके अलावा पीला बुखार और फाइलेरियासिस भी मच्छरों से फैलने वाली महत्वपूर्ण बीमारियां हैं।

मच्छरों के बारे में एक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि सामान्यतः मादा मच्छर ही मनुष्य और अन्य जीवों का रक्त चूसती हैं। मादा मच्छर को अंडों के विकास के लिए आवश्यक पोषक तत्व प्राप्त करने के लिए रक्त की आवश्यकता होती है। नर मच्छर मुख्य रूप से पौधों के रस और अन्य वनस्पति स्त्रोतों पर निर्भर रहते हैं। मच्छर मनुष्य तक पहुंचने के लिए सांस से निकलने वाली कार्बन डाइऑक्साइड, शरीर की गर्मी और गंध जैसे संकेतों का उपयोग करते हैं। इसी कारण वे मनुष्यों को आसानी से खोज लेते हैं। मच्छरों की अलग-अलग प्रजातियों का व्यवहार और बीमारी फैलाने की क्षमता भी अलग होती है। इसलिए मच्छर नियंत्रण के लिए वैज्ञानिक निगरानी और स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार उपाय करना आवश्यक है।

वंदे मातरम प्रेमः हकीकत या फसाना

निर्मल रानी

राष्ट्रीय गीत वंदेमातरम के 150 साल पूरे होने के अवसर पर 2026 के नये सरकारी प्रोटोकॉल के अनुसार गृह मंत्रालय द्वारा जारी नए दिशा-निर्देशों के तहत सरकारी कार्यक्रमों में राष्ट्रगान से पहले वंदे मातरम बजाना और सभी के लिए सम्मान में खड़ा होना अनिवार्य कर दिया गया है। साथ ही औपचारिक अवसरों पर इसके सभी छह छंदों को गाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। विपक्ष सहित कुछ अन्य संगठन इस अनिवार्य प्रोटोकॉल को संविधान के अनुच्छेद 25 अर्थात व्यक्तिगत और धार्मिक स्वतंत्रता के विरुद्ध बताते हैं। बहरहाल, इन सब के बावजूद वंदेमातरम को संसद में और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पर प्रधानमंत्री की मौजूदगी में लाल किले पर गाया गया क बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा1875 में मूल रूप से बांग्ला और संस्कृत भाषा में लिखे इस गीत के शब्द काफी कठिन हैं। 6 छंदों पर आधारित यह गीत काफी लंबा भी है। चूँकि आम तौर पर केवल इसके पहले दो छंदों को ही आधिकारिक तौर पर गाया जाता रहा है, इसलिए देश के अधिकांश राजनेताओं और आम नागरिकों को भी इसके बाद के 4 छंद कंठस्थ याद नहीं होते हैं। लेकिन भाजपा के मामले में यह विवाद इसलिए भी बड़ा हो जाता है क्योंकि वह अन्य दलों पर राष्ट्रगीत के अपमान का तो आरोप लगाती है, जबकि खुद उसके अपने नेता इसे सही ढंग से प्रस्तुत करने में चूक जाते हैं।

समय-समय पर भाजपा के नेताओं की इस गीत को लेकर अज्ञानता कैमरे पर भी उजागर हुई है। एक टेलीविजन लाइव डिबेट के दौरान, जब भाजपा प्रवक्ता नवीन कुमार सिंह दूसरों को वंदे मातरम् गाने की चुनौती दे रहे थे, तो एंकर ने उनसे स्वयं इसे गाने को कह दिया। वे अपने मोबाइल फोन में देखने के बावजूद गीत की गलत पंक्तियाँ गाने लगे और धुन भी पूरी तरह भूल गए। इसी तरह उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार के पूर्व मंत्री बलदेव सिंह औलख से जब पत्रकारों ने वंदे मातरम् की कुछ पंक्तियाँ सुनाने को कहा, तो वे बेहद असहज हो गए। उन्होंने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि उन्हें इस समय पूरा याद नहीं है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जयपुर में भाजपा के मुख्य स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान, मंच पर राष्ट्रगीत गाते समय गलत धुन और गलत वर्जन बज गया। कांग्रेस द्वारा इस बड़ी चूक पर हमला किए जाने के बाद राजस्थान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी पड़ी। कोटा, मेरठ और ग्वालियर जैसे कई शहरों में भाजपा के स्थानीय विधायकों और सांसदों के ऐसे अनेक वीडियो सामने आ चुके हैं, जहाँ वे वंदे मातरम् और राष्ट्रगान (जन गण मन) के बीच अंतर करने में भ्रमित हो जाते हैं या गीत की पंक्तियों को आपस में मिला देते हैं। हाल ही में गुजरे संसद के मॉनसून सत्र के दौरान जब वंदे मातरम् को लेकर नया कानून और राष्ट्रगीत विवाद गरमाया, तो विपक्ष ने भाजपा को घेरते हुए कहा कि जिन्होंने वंदे मातरम् को लेकर कड़े कानून बनाये हैं, हकीकत यह है कि उनके अपने नेताओं और मंत्रियों को भी यह गीत पूरा याद नहीं है।

उधर मुस्लिम समुदाय के भीतर इस गीत को लेकर अलग-अलग दृष्टिकोण और विचार हैं। हालाँकि समग्र मुस्लिम समाज वंदे मातरम्-गायन का विरोध नहीं करता है परन्तु समाज के कुछ लोग या कुछ धार्मिक संगठन इसके पूरे पाठ या कुछ विशिष्ट छंदों का विरोध करते हैं। जबकि अनेक अन्य मुस्लिम नागरिक,प्रतिष्ठित लोग और कलाकार इसे देशभक्ति के प्रतीक के रूप में सहजता से गाते भी हैं। दरअसल मुसलमानों के एक वर्ग के वंदे मातरम् का विरोध करने के पीछे मुख्य रूप से धार्मिक, साहित्यिक और ऐतिहासिक कारण हैं। एकेश्वरवाद के सिद्धांत पर आधारित इस्लाम धर्म में केवल एक अल्लाह की इबादत की अनुमति है। जबकि वंदे मातरम् का शाब्दिक अर्थ माँ, मैं आपकी वंदना/पूजा करता हूँ होता है जहाँ देश को एक देवी दुर्गा के रूप में चित्रित किया गया है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद जैसे धार्मिक संगठनों का मानना है कि अल्लाह के अलावा किसी भी अन्य सत्ता, भूमि या मूर्ति के सामने झुकना या उसकी पूजा करना उनके धार्मिक सिद्धांतों के विरुद्ध है। कुछ इतिहासकारों और मुस्लिम विचारकों का मानना है कि इस उपन्यास की पृष्ठभूमि और कुछ अंशों में मुस्लिम विरोधी भावनाएं निहित थीं, जिससे इस गीत को लेकर ऐतिहासिक रूप से एक संशय पैदा हुआ। कई मुस्लिम नेताओं और कानूनी विशेषज्ञों का यह तर्क भी है कि भारत का संविधान अनुच्छेद 19 और 25 नागरिकों को अभिव्यक्ति और धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार देता है। उनका कहना है कि देशभक्ति साबित करने के लिए किसी को भी ऐसा गीत गाने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए जो उनकी धार्मिक आस्था से टकराता हो। हालांकि इस विषय पर मुस्लिम समाज भी एकमत नहीं है। कुछ उलेमाओं का मानना है कि इसके छंदों में मूर्तिपूजा और देवी स्वरूप की स्तुति शामिल है, इसलिए वे इसे गाने से परहेज करते हैं। यही वजह थी कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वर्ष 1937 में कांग्रेस ने मुस्लिम समुदाय की आपत्तियों को ध्यान में रखते हुए ही इस गीत के केवल शुरूआती दो छंदों को ही राष्ट्रगीत के रूप में अपनाया था। पहले दो छंदों में देश की प्राकृतिक सुंदरता (सुजलां सुफलां) का वर्णन है, जिस पर कई प्रगतिशील मुस्लिम संगठनों को कोई आपत्ति नहीं है। जबकि कई उदारवादी मुस्लिम, आम नागरिक और कलाकार इसे बिना किसी धार्मिक चश्मे के केवल अपनी मातृभूमि के प्रति सम्मान और प्रेम के रूप में देखते हैं। जैसे कि संगीतकार ए.आर. रहमान द्वारा गाया गया मां तुझे सलाम वंदे मातरम बेहद लोकप्रिय है। ऐतिहासिक रूप से भी, स्वतंत्रता संग्राम जैसे कि 1905 के स्वदेशी आंदोलन के दौरान मौलाना अबुल कलाम आजाद जैसे महान मुस्लिम नेताओं ने इस गीत और नारे का खुलकर समर्थन किया था। इसलिए, वर्तमान में भी यह मुद्दा पूरे मुस्लिम समाज का नहीं, बल्कि व्यक्तिगत धार्मिक प्राथमिकताओं और आस्था से जुड़ा हुआ मुद्दा है।

परन्तु आज जब देश का बड़ा वर्ग खासकर युवा शिक्षा की होती दुर्गति, पेपर लीक, भयंकर बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, दयनीय स्वास्थ्य सेवाओं, बेतहाशा बढ़ती मंहगाई, मंदिर दान चोरी आदि से दुखी होकर सड़कों पर उतर रहा है। आज जब भारत में बाल कुपोष की यह स्थिति है कि ग्लोबल हंगर इंडेक्स के अनुसार हर दूसरा भारतीय बच्चा कुपोषित है,देश का गरीब व्यक्ति और गरीब होता जा रहा है,खुद सरकारी दावों के अनुसार 80 करोड़ लोग सरकार के 5 किलो मुफ़्त राशन पर आश्रित है। ऐसे में क्या वंदे मातरम गाने से लोगों को बेहतर जिन्दगी मिल सकेगी और उनका जीवन स्तर ऊपर उठ सकेगा ? या फिर भाजपा इसे अपने राजनैतिक स्वभाव के अनुरूप मात्र हिन्दू मुस्लिम के बीच का भावनात्मक मुद्दा बनाकर उछालना चाह रही है? वह भी तब जबकि इसके अपने अधिकांश सांसद व नेता न तो वंदे मातरम गा सकते हैं न ही उन्हें कंठस्थ है। दरअसल भाजपा द्वारा वंदे मातरम के प्रति प्रेम प्रदर्शन के पीछे की हकीकत कुछ और है और फसाना कुछ और।

हेल्थ प्लस

प्री प्रेग्नेंसी काउंसलिंग

प्रेग्नेंसी के दौरान सेहत व खानपान के लिए डॉक्टर की सलाह जितनी जरूरी है, उतनी ही महत्वपूर्ण है प्री प्रेग्नेंसी काउंसलिंग। इसलिए अगर आप अपना परिवार बढ़ाने के बारे में सोच रही हैं, तो डॉक्टर से इसके बारे में कंसल्ट जरूर करें...

स्वस्थ शिशु के जन्म के लिए यह बहुत जरूरी है कि प्रेग्नेंसी प्लान करने से पहले पति-पत्नी दोनों स्त्री रोग विशेषज्ञ से मिलकर इस संबंध में सारी बातें जान लें। जब आप अपना परिवार बढ़ाने की प्लानिंग करें, तब कम से कम तीन महीने पहले से आपको इसके लिए तैयारी शुरू कर देनी चाहिए।

खानपान

स्वस्थ शिशु के जन्म के लिए यह बहुत जरूरी है कि गर्भधारण से पहले अपने खानपान की ओर खास ध्यान दें। रोजाना के भोजन में कैल्शियम, आयरन और प्रोटीन की मात्रा बढ़ाएं। हरी पत्तेदार सब्जियों, फलों व मिल्क प्रॉडक्ट्स का सेवन बढ़ाएं। अगर डायबिटीज या हाई ब्लड प्रैशर की फैमिली हिस्ट्री हो, तो डाइट में मीठे व नमक का सेवन कम कर दें। फ्राइड, स्पाइसी और फास्ट फूड से कुछ समय के लिए दूरी बना लें।

सप्लीमेंट्स

कंसीव करने के कम से कम तीन महीने पहले से डॉक्टर की सलाह के अनुसार फॉलिक एसिड का सेवन शुरू कर देना चाहिए, क्योंकि सबसे पहले बच्चे के मस्तिष्क और उसकी रीढ की हड्डी का निर्माण शुरू होता है और इसे बनाने में फॉलिक एसिड की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसकी कमी से बच्चे को नर्वस सिस्टम से संबंधित समस्याएं हो सकती हैं।

ज्यादातर स्त्रियों को एनीमिया की समस्या होती है। हीमॉग्लोबिन की कमी के कारण मां की जान को खतरा हो सकता है, अबॉर्शन हो सकता है, बच्चे में जन्मजात नुकस हो सकते हैं और बच्चे का विकास भी प्रभावित हो सकता है। इसलिए यदि आप एनीमिक हैं, तो डॉक्टर की सलाह से आयरन सप्लीमेंट व विटामिन बी 12 अवश्य लें।

वैक्सीनेशन

अगर किसी स्त्री को रूबेला का वैक्सीन नहीं लगा हो, तो कंसीव करने से पहले उसे यह टीका लगवा लेना चाहिए। सर्विक्स और हैपेटाइटिस की वैक्सीन भी यदि न लगी हो, तो वो भी लगवा लें। लेकिन ये वैक्सीन लगवाने के बाद कम से कम तीन महीने तक प्रेग्नेंसी के लिए कोशिश नहीं करनी चाहिए।

जनरल टैस्ट

एचआईवी: पति-पत्नी दोनों के लिए एचआईवी टैस्ट करवाना जरूरी है, क्योंकि अगर मां एचआईवी पॉजीटिव हो, तो बच्चे को भी इसका खतरा रहता है।

ब्लड ग्रुप: पति-पत्नी दोनों के ब्लड ग्रुप्स की जांच होनी चाहिए। यदि स्त्री का ब्लड ग्रुप नैगेटिव हो, तो प्रेग्नेंसी के दौरान खास एहतियात बरतना पड़ता है।

हैपेटाइटिस बी: पति-पत्नी दोनों को हैपेटाइटिस बी की जांच करवानी चाहिए और इसके टीके भी जरूर लगवा लेने चाहिए।

डायबिटीज: स्त्री के लिए डायबिटीज की जांच बहुत जरूरी है, क्योंकि अगर मां को यह समस्या हो, तो प्रेग्नेंसी के दौरान मां व बच्चे दोनों को कई तरह की सेहत संबंधी दिक्कतें पेश आ सकती हैं।

हाई ब्लड प्रैशर: हाई ब्लड प्रैशर के कारण बच्चे की ग्रोथ पर असर पड़ता है व मिसकैरेज का खतरा बढ़ जाता है। यदि आपका वजन अधिक है या हाई ब्लड प्रैशर की फैमिली हिस्ट्री है, तो पहले वजन कम करें।

हाइपोथाइरॉइड: हाइपोथाइरॉइड के कारण कंसीव करने में परेशानी हो सकती है, बच्चे की ग्रोथ व ब्रेन की डिवैलपमेंट पर असर पड़ सकता है और मिसकैरेज की संभावना भी बनी रहती है।

सिफलिस: कंसीव करने से पहले स्त्री के लिए सिफलिस की जांच जरूरी है, क्योंकि इससे डिलिवरी के समय कई तरह की समस्याएं आ सकती हैं।

आनुवांशिक बीमारियों की जांच

अगर आपके या पति के परिवार में किसी खास बीमारी की फैमिली हिस्ट्री रही हो, तो उसके बारे में डॉक्टर को जरूर बताएं। गर्भधारण से पहले पति-पत्नी दोनों को थैलेसीमिया की जांच जरूर करवानी चाहिए। यह आनुवांशिक बीमारी है। अगर पति-पत्नी दोनों को माइनर थैलेसीमिया हो, तो बच्चे को मेजर थैलेसीमिया होने का खतरा होता है, जोकि एक गंभीर बीमारी है। इसमें रोगी को हर तीन महीने के अंतराल पर ब्लड ट्रांसफ्यूजन की जरूरत होती है।

वजन करें नॉर्मल

मां बनने की कोशिश करने से पहले हर स्त्री को अपने वजन पर ध्यान देना चाहिए। ओवरवेट या अत्यधिक दुबलेपन के कारण गर्भधारण में भी मुश्किलें आ सकती हैं। अगर स्त्री का वजन बहुत ज्यादा हो, तो प्रीमेच्योर डिलिवरी की आशंका बनी रहती है, जबकि कम वजन के कारण प्रेग्नेंसी के दौरान कई तरह की सेहत संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

लाइफ स्टाइल

पति-पत्नी दोनों ही एल्कोहल और सिगरेट से दूर रहें। इनके सेवन से पुरुषों में स्पर्म काउंट कम हो जाता है। इससे शारीरिक व मानसिक रूप से विकृत शिशु के जन्म या मिसकैरेज की आशंका रहती है।

...अगर ले रही हों कंट्रासैप्टिव

गर्भनिरोधक गोलियों के सेवन के दौरान रोजाना एक गोली फॉलिक एसिड की जरूर लेनी चाहिए। जब कंसीव करने की इच्छा हो, तो गर्भनिरोधक गोलियों का सेवन बंद कर देना चाहिए, पर फॉलिक एसिड की गोली लेते रहें।

मत छिपाएं कोई बात

बच्चे की प्लानिंग करते समय यदि किसी भी हैल्थ प्रॉब्लम के लिए आप कोई मैडिसिन ले रही हैं, तो डॉक्टर को इसके बारे में जरूर बताएं। ये बच्चे की डिवैलपमेंट पर बुरा असर डाल सकती हैं। मैडिसिन का कोर्स पूरा होने के बाद ही कंसीव करने की प्लानिंग करें। अगर आप दोनों के परिवारों में से किसी को डाउन सिंड्रोम, डिप्रैशन या मनोवैज्ञानिक समस्या हो, तो डॉक्टर को जरूर बताएं। इनके कारण जन्म से पहले व बाद में भी शिशु और मां दोनों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

शादी बढ़ाती है कैंसर से लड़ने की क्षमता

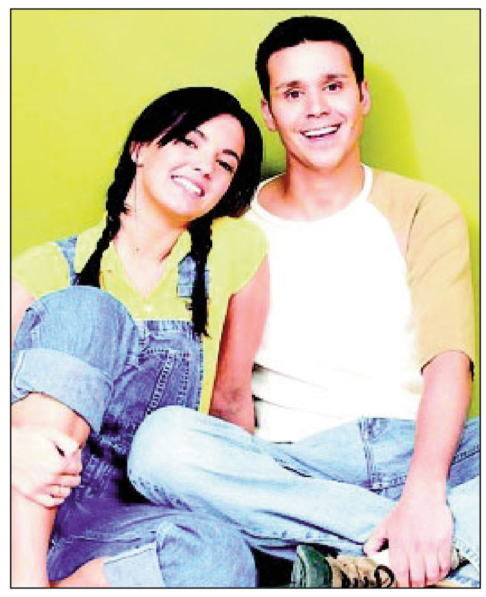

संभवत: विवाह टूटने का तनाव कैंसर से लड़ने की क्षमता कम करता है। एक नए शोध के अनुसार विवाहित लोगों में कैंसर का सामना करने की संभावना अधिक होती है, जबकि ऐसे लोगों के लिए कैंसर से बचना मुश्किल हो सकता है, जिनकी शादी टूटने की स्थिति में है। अमेरिका की इंडियाना यूनिवर्सिटी ने 1973 से 2004 के बीच 38 लाख कैंसर रोगियों के आंकड़ों का अध्ययन करने के बाद ये निष्कर्ष निकाला है।

शोधकर्ताओं ने पाया कि शादीशुदा कैंसर रोगियों की रोग होने के बाद पांच साल तक जीवित रह पाने की संभावना 63 फीसदी होती है। लेकिन इसकी तुलना में ऐसे विवाहित लोगों के कैंसर से पांच साल तक लड़ पाने की संभावना 45 फीसदी होती है जिनकी शादी टूटने के कगार पर है।

विज्ञान जर्नल कैंसर में प्रकाशित होनेवाली शोध रिपोर्ट में कहा गया है कि संभवत: शादी टूटने के तनाव के कारण रोगियों की कैंसर से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है।

इसके पहले भी शादी और सेहत को लेकर कई अध्ययन किए गए हैं। इनमें कई स्टडीज में पाया गया है कि जीवनसाथी का प्यार और साथ रोग से लड़ने के लिए बहुत जरूरी होता है।

शोधकर्ताओं ने अध्ययन के दौरान विवाहित, अविवाहित, विधवा-विधुर, तलाकशुदा और शादी टूटने की स्थिति वाले कैंसर रोगियों के बारे में स्टडी की और यह पता लगाने की कोशिश कि इनमें से कितने लोग कैंसर के बाद पांच से 10 साल तक जीवित रहे। उन्होंने पाया कि विवाहित व अविवाहित रोगियों के कैंसर से लड़ पाने की संभावना सबसे अधिक रही। उनके बाद तलाकशुदा व विधवा-विधुर रोगियों का स्थान आता है।

इस शोध की मुख्य वैज्ञानिक डॉक्टर ग्वेन स्प्रेन ने कहा कि इस अध्ययन से यह पता चलता है कि कैंसर रोगियों में ऐसे लोगों पर सबसे अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए जिनकी शादी टूटने वाली है। लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इस दिशा में और अध्ययन किए जाने की जरूरत है। शादी टूटने की स्थिति वाले रोगियों के कैंसर से लड़ पाने की क्षमता कम होने के और भी कई कारण हो सकते हैं।

जब बात हो डिनर की

भागदौड़ भरी जिंदगी में सारा दिन घर और ऑफिस का काम करने के बाद कई बार महिलाएं इतना थक जाती हैं कि वे डिनर बनाने से मुक्ति पाना चाहती हैं। इसके लिए सबसे आसान उपाय रहता है या तो बाहर रेस्तरां में खाना खाया जाए या फिर फास्ट फूड से गुजारा चलाया जाए। लेकिन ये दोनों ही ऑप्शन सेहत के लिए खराब हैं। इनसे हमारी भूख तो मिट जाती है, पर शरीर कई बीमारियों का शिकार हो जाता है।

खाना केवल पेट भरने के लिए ही नहीं खाया जाता, बल्कि अच्छी सेहत के लिए खाया जाना चाहिए। कामकाजी दम्पति नाश्ता तो जल्दबाजी में कर लेते हैं, लंच भी ऑफिस में ही हो जाता है, पर डिनर में वे पोषक तत्वों का ध्यान रख सकते हैं। डिनर संतुलित और पौष्टिक होना चाहिए। याद रखें काम का चाहे कितना भी बोझ क्यों न हो, सड़क के किनारे बिकने वाला खाना खाने से बचें।

डिनर के मेन्यू में कुछ बातों का ध्यान रखकर आप हैल्दी जिंदगी इंजॉय कर सकते हैं:

- सोने से कम से कम दो घंटे पहले डिनर जरूर कर लें। डिनर में कम लेकिन न्यूट्रिशस फूड आइट्म्स ही लें, क्योंकि इससे दिनभर की थकान से टैंस हुए मसल्स को रिलैक्स होने में मदद करती है।
- डिनर हमेशा लाइट लें, हैवी डिनर आपको ड्राउजी बना देता है और आपको कम्फर्टेबल व साउंड नींद नहीं आती।
- क्रीमी सूप, वाइट ब्रेड, सफेद चावल, पेस्ट्री, पिज्जा और बचेखुचे खाने आदि से परहेज करें। इनमें पोषक तत्व नामात्र होते हैं और ये स्लीप पैटर्न को खराब करते हैं।
- तला-भुना खाना न खाएं, इससे गैस, हार्ट बर्न व इन्डाइजैशन होती है। इसके बजाय ग्रिल्ड, बेक्ड और उबला हुआ खाना खाएं।
- चीनी युक्त चीजों का सेवन कम करें, क्योंकि ये आपके शरीर के शुगर लैवल को बढ़ा सकती हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): बुद्धि व धन का दुरूपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-3-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-3-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-4-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे। परामर्श आदि सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। उतावलेपन से बचे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। स्वविवेक से कार्य करे। शुभांक-1-2-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। शुभांक-1-4-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कुछ तनाव हो सकता हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-5-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। यात्रा सुखद रहेगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2561

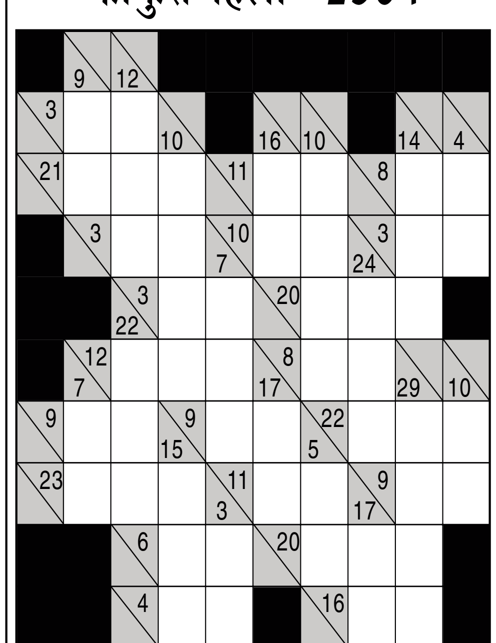

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2560 का हल

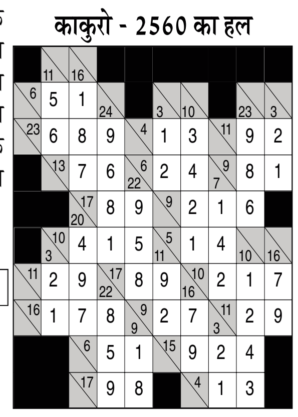

लॉफिंग ज़ोन

पुलिस अधिकारी ने अभियुक्त से पूछा, 'क्या तुम लिख-पढ़ सकते हो?'

अभियुक्त ने कहा, 'लिख सकता हूं, पढ़ नहीं सकता.'

'अच्छा, इस कागज पर अपना नाम लिखो.' पुलिस अधिकारी ने उसे आदेश दिया. अभियुक्त ने कुछ आड़ी-तिरछी रेखाएं खीच दी. इस पर पुलिस अधिकारी ने खीझकर कहा, 'यह क्या लिखा है?'

अभियुक्त - 'सर, मैने पहले ही कहा था कि मै लिख सकता हूं, लेकिन पढ़ नहीं सकता.'

☺ ☺ ☺

रेलवे स्टेशन पर प्रेमी अपनी प्रेमिका को शादी के लिए मना रहा था. जब प्रेमिका नहीं मानी तो उसने खीझकर कहा, 'ठीक है, अगर तुम मुझसे शादी नहीं करोगी तो मै आने वाली गाड़ी से कटकर मर जाऊंगा.'

प्रेमिका ने भी सिर झटकते हुए कहा, 'पहले मुझे सोचने का समय तो दो. गाड़ी का क्या है वह तो हर आधे घंटे में आती है.'

☺ ☺ ☺

एक भिखारी ने महिला से कहा, 'बहन जी! इस गरीब लाचार की मदद करो.'

महिला ने जवाब दिया, 'लेकिन तुम्हारे हाथ-पैर तो सब सलामत है फिर तुम लाचार कैसे हो गये?'

भिखारी ने जवाब दिया, 'अपनी आदत से.'

फिल्म वर्ग पहेली - 2561

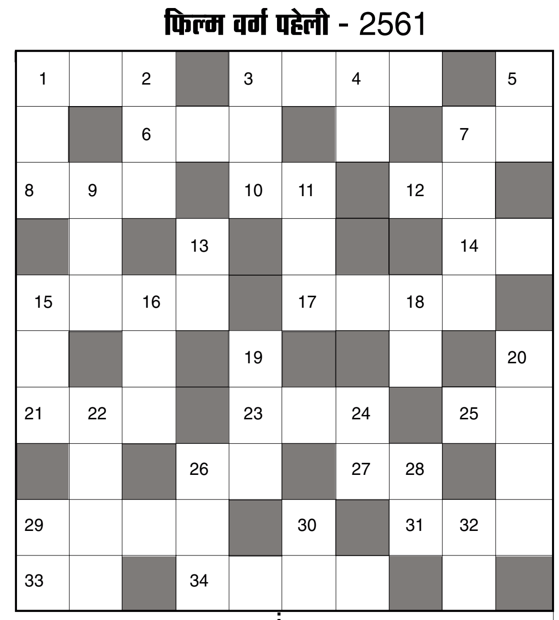

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, करीना की 'जिसे तू ना मिला उसे कुछ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कितनी खूबसूरत ये' गीत वाली अमिताभ, विनोद, राखी की फिल्म-४
६. 'दिल विल प्यार व्यार' में आर. माधवन के साथ नायिका-३
७. सनी, प्रीति जिंटा की 'देखें भी तो क्या देखें' गीत वाली फिल्म-२
८. 'कैसी है दिल की लगी' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१०. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार की नायिका कौन थी?-२
१२. 'दिल में जागी धड़कन' गीतवाली लक्कीअली, गौरी की फिल्म-२
१४. 'माया मेमसाब' में शाहरूख के साथ नायिका कौन थी-२
१५. अजय देवगन, रवीना की 'एक से लेकर दस तक' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'लिखे जो खत तुझे' गीत वाली शशिकपूर, आशापारेख की फिल्म-४
२१. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज मदहोश हुआ जाए रे' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
२५. मनोज वाजपेयी, तब्बू की 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. फिल्म 'इंडियन' में शिल्पा शेट्टी के साथ नायक कौन था?-२
२७. फिल्म 'बँबई से आया मेरा दोस्त' की नायिका कौन थी?-२
२९. 'आज फिर तुम पे प्यार आया है' गीत वाली फिल्म-४
३१. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
३३. नसीर, अतुल, पूजाभट्ट की 'आज हमने दिल का' गीत वाली फिल्म-२
३४. 'गम का फसाना बन' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'शरारत' में अभिषेक की नायिका?-३
२. 'अजनबी' में राजेश की नायिका?-३
३. अरशद, मयूरी कांगो की 'गुनगुनाती हुई इक नदी' गीत वाली फिल्म-३
४. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
५. सनी, सुनील, शिल्पा की 'शाम भी खूब है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
९. संजय कपूर, जूही चावला की 'प्यार में दिल का' गीत वाली फिल्म-३
११. 'दूल्हा-दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली अमिताभ, हेमा की फिल्म-३
१३. 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'तू ही तू सतरंगी' गीतवाली फिल्म-२,१
१६. राज कुमार, हेमा, शत्रुघ्न, विजयेंद्र, मिथुन की १९८४ की एक फिल्म-३
१८. चंद्रचूड़सिंह, महिमा की फिल्म-२
१९. मिलिंद, विक्रम सलूजा, किरण की 'चंदा की चांदनी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'जैसे इक चाँद का टुकड़ा' गीत वाली सनी, अनिल, किमी की फिल्म-४
२२. 'बॉक्सर भाई' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'चंपई धूप के साये' गीतवाली फिल्म-२
२६. 'आँखों में नींदें ना दिल में करार' गीत वाली फिल्म-३
२८. संजय कपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'ये कैसा है शहर' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'कसूर' में आफताब शिवदासानी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2560

सूडोकु -2561

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2560 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

शब्द पहेली - 2561

बाएँ से दाएँ

1.छुट्टी,रजा-4
3.वध,आघात-4
5.दशानन-3
7.अनमोल,अनूठा-3
8.अनाथ,बेसहारा-3
10.खजूर-3
11.रहम करना-2,3
14.गहराई नापना-2,3
17.लगातार,सतत-5
20.संतुष्ट होना-2,3
23.बीच में,दौरान-3
24.खुश,आनंदित-3
25.शिक्षा-3
26.शोक-3
27.जांचना,परखना-4
28.धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

ऊपर से नीचे

2.मयखाना,मधुशाला-5
3.प्रेमकहानी-5
4.चापलूसी-4
6.नटना,वचन तोड़ना-4
7.फिजूल,व्यर्थ-3
9.अव्यवस्थित समूह,भीड़-3
12.गुजर करना-3
13.वेग,गति-3
15.खूबसूरत-3
16.पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17.गुजारिश,मांग-4
18.सुअर-3
19.गुस्सा होना-5
20.ममतापूर्ण-5
22.अयोग्य, असंगत-4

शब्द पहेली - 2560 का हल

संक्षिप्त समाचार

नेपाल में सनातन धर्म को राष्ट्रीय पहचान बनाने की मांग, पूर्व पीएम देउबा के बयान से क्यों गरमाई सियासत

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने देश की राष्ट्रीय पहचान को सनातन धर्म से जोड़ने की बात कही है। उनके नेतृत्व वाले नेपाली कांग्रेस गुट के 14वें राष्ट्रीय सम्मेलन में इस दिशा में आगे बढ़ने का प्रस्ताव पारित किया गया। इससे नेपाल को फिर से हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग को राजनीतिक ताकत मिलने की चर्चा शुरू हो गई है। देउबा ने सम्मेलन के समापन समारोह में खुद को हिंदू बताते हुए अपनी राजनीतिक सोच भी साफ की। पारित प्रस्ताव केवल हिंदू धर्म तक सीमित नहीं है। इसमें सनातन धर्म के साथ हिंदू, बौद्ध और किरात परंपराओं के संरक्षण पर जोर दिया गया है। साथ ही सभी धर्मों और समुदायों की धार्मिक आजादी, सहिष्णुता और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने की बात कही गई है। यानी प्रस्ताव में नेपाल की पारंपरिक धार्मिक पहचान को मजबूत करने के साथ दूसरे समुदायों के अधिकारों की बात भी शामिल है। नेपाली कांग्रेस के दूसरे गुट ने सम्मेलन में पारित प्रस्तावों और दिए गए बयानों पर आपत्ति जताई है। पार्टी प्रवक्ता विनोद चालिसे ने कहा कि सम्मेलन में हुए काम और नेताओं के बयानों पर पार्टी की नजर है। इससे साफ है कि सनातन धर्म और राष्ट्रीय पहचान का मुद्दा केवल नेपाल की व्यापक राजनीति में ही नहीं, बल्कि नेपाली कांग्रेस के भीतर भी मतभेद का कारण बन सकता है।

लहरों में फंसे भारतीय मूल के बच्चे को बचाने वाले 16 साल के किशोर से मिले ट्रंप, किया सम्मानित; मामला क्या

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में 25 जुलाई को 10 वर्षीय भारतीय मूल का बच्चा नाथनियल राय समुद्र की तेज लहरों में फंस गया था। वह सांता क्रूज के सीब्राइट बीच पर पानी में था। इसी दौरान उसने अपना संतुलन खो दिया और लहरों की चपेट में आ गया। वहां ड्यूटी पर मौजूद 16 वर्षीय लाइफगार्ड राइडर विलियम्स ने बच्चे को मुश्किल में देखा और तुरंत उसे बचाने के लिए दौड़ पड़ा। विलियम्स ने बताया कि उसने बच्चे को लाइफगार्ड टावर से करीब 20 गज दूर टखने तक पानी में अपना संतुलन खोते देखा था। खतरा समझते ही वह उसकी तरफ दौड़ा। उसने कहा कि ऐसे मुश्किल समय में लाइफगार्ड अपनी ट्रेनिंग पर भरोसा करते हैं। उसका पूरा ध्यान बच्चे को जितनी जल्दी हो सके पानी से बाहर निकालने पर था। बचाव की यह घटना कैमरे में रिकॉर्ड हो गई और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। बचाव का वीडियो सामने आने के बाद ट्रंप की भी इस घटना पर नजर पड़ी। उन्होंने लाइफगार्ड विलियम्स और उसके परिवार को व्हाइट हाउस आने का न्योता दिया।

खूंखार आतंकी संगठन अल-शबाब का हमला नाकाम, सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 30 आतंकी ढेर

जाम्बिया, एजेंसी। अफ्रीकी देश जाम्बिया में राष्ट्रपति हकाइंदे हिचिलेमा दूसरे कार्यकाल के लिए चुने गए हैं। जाम्बिया के निर्वाचन आयोग ने 18 अगस्त, 2026 को इसकी घोषणा की। उन्हें 14 अगस्त को हुए राष्ट्रपति चुनाव का सीधा विजेता घोषित किया गया। हिचिलेमा ने 51 फीसदी से अधिक वोट हासिल किए। आयोग के अनुसार, हिचिलेमा को 2,965,326 वोट मिले, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी ब्रायन मुंडुबिले को 1,856,217 वोट प्राप्त हुए। आयोग की अध्यक्ष म्वांगाला ज़ालूमिस ने हिचिलेमा को राष्ट्रपति-निर्वाचित घोषित किया। मतगणना 15 अगस्त को मतदान अधिकारियों पर हमले और मतपत्रों की चोरी के कारण निलंबित हुई, फिर कड़ी सुरक्षा में शुरू की गई।

बिग बेंड नेशनल पार्क में सीमा नहीं बनेगी, ट्रंप प्रशासन ने विवादित परियोजना रोकी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन ने बिग बेंड नेशनल पार्क में एक विवादास्पद सीमा परियोजना का निर्माण अस्थायी रूप से रोक दिया है। यह निर्णय एजेंसी प्रमुख के टेक्सास दौरे के बाद जमीनी मूल्यांकन के लिए लिया गया है। यह परियोजना दक्षिणी टेक्सास में राष्ट्रीय पार्क से होकर गुजरनी थी। इस परियोजना को आलोचकों के कड़े द्विदलीय विरोध का सामना करना पड़ा है। आलोचकों का कहना है कि यह क्षेत्र एक प्राचीन पर्यावरणीय इलाका है। उनके अनुसार, यह परियोजना इस क्षेत्र को खराब कर रही है। उनका तर्क है कि क्षेत्र का कठिन और दूरस्थ इलाका पहले से ही प्रवासियों और तस्करों को रोकता है।

दक्षिण कोरिया को छोड़ उत्तर कोरिया के करीब क्यों जा रहे ट्रंप अमेरिका के सहयोगियों की बढ़ी चिंता

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण कोरिया के साथ होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यासों को कम करने का फैसला किया है। इससे केवल लंबे समय से अमेरिका के सहयोगी रहे दक्षिण कोरिया को ठेस नहीं पहुंची है, बल्कि एशिया और दुनिया के दूसरे हिस्सों में अमेरिका के सुरक्षा हितों को लेकर भी बड़ी चिंताएं पैदा हो गई हैं।

ट्रंप ने अपने फैसले की वजह बताते हुए कहा कि दक्षिण कोरिया ने ईरान के खिलाफ उनकी लड़ाई में शामिल होने से इनकार कर दिया। उन्होंने अलग-थलग रहने वाले उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन के साथ अपने अच्छे संबंधों का भी जिक्र किया। ट्रंप अक्सर विदेश नीति में फायदे-नुकसान और व्यक्तिगत रिश्तों को ज्यादा अहमियत देते रहे हैं। यही उनके राष्ट्रपति कार्यकाल की एक खास पहचान रही है।

जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के राष्ट्रपति कार्यकाल में यूरोपीय मामलों के सहायक विदेश मंत्री रह चुके डैन फ्राइड ने कहा, मुझे इसमें अमेरिका का कोई हित नजर नहीं आता। किसी भी स्तर पर यह समझ में नहीं आता। इससे दक्षिण कोरिया कमजोर होता है, जापान कमजोर होता है, ताइवान डरता है, नाटो चिंतित होता है और चीन को हौसला मिलता है। इतना ही नहीं, उत्तर कोरिया का भी हौसला बढ़ता है। ओबामा प्रशासन में पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र के सहायक विदेश मंत्री रह चुके डैनी रसेल ने कहा कि उत्तर

कोरिया के पक्ष में ट्रंप का फैसला ऐसी श्रेणी में आता है, जिसमें यह समझना मुश्किल है कि इससे स्थिति और खराब कैसे हो सकती है। उत्तर कोरिया हर साल होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यासों का कड़ा विरोध करता है। उन्होंने कहा, यह दुखद रूप से पूरी तरह उलटा है। ट्रंप एक सहयोगी को सजा दे रहे हैं और एक विरोधी को बढ़ावा दे रहे हैं। न्यूयॉर्क के एशिया सोसाइटी पॉलिसी इंस्टीट्यूट से जुड़े रसेल ने कहा, ट्रंप अमेरिका और दक्षिण कोरिया की सुरक्षा की कीमत पर किम जोंग उन को नाराज होने से बचा रहे हैं।

दक्षिण कोरिया को इससे क्या संदेश जाता है : रविवार को ट्रंप ने अमेरिकी सेना को 11 दिन चलने वाले उलची फ्रीडम शील्ड सैन्य अभ्यास का आकार छोटा करने का आदेश दिया। यह सैन्य अभ्यास सोमवार को तय समय पर शुरू हो गया। हालांकि, यह साफ नहीं था कि अभ्यास के किन-किन हिस्सों को कम किया जाएगा। ट्रंप के इस एलान से दक्षिण कोरिया में बहुत से लोग आश्चर्यचकित रह गए। दक्षिण कोरिया दशकों से अमेरिका का करीबी सहयोगी रहा है। वहां राष्ट्रीय सुरक्षा को बेहद अहम माना जाता है, क्योंकि उसके सामने परमाणु हथियार रखने वाले उत्तर कोरिया का खतरा मौजूद है।

अमेरिकी कांग्रेस (संसद) में कई डेमोक्रेट सांसदों ने भी तुरंत ट्रंप की आलोचना की। न्यूयॉर्क से डेमोक्रेट सांसद और विदेश मामलों की समिति में सबसे बड़े डेमोक्रेट नेता ग्रेग मीक्स ने एक बयान में कहा, अमेरिका के सबसे करीबी सहयोगियों में से एक के साथ विरोधी जैसा व्यवहार करने से हमारे गठबंधन कमजोर होते हैं और चीन तथा उत्तर कोरिया को फायदा मिलता है। सोमवार को ट्रंप ने अपने फैसले का फिर समर्थन किया। उन्होंने उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की फोन पर बात करते हुए एक तस्वीर पोस्ट की। रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों ही दलों के राष्ट्रपतियों के कार्यकाल के दौरान काम कर चुके सेवानिवृत्त अमेरिकी राजदूत रॉबर्ट वुड ने कहा कि संयुक्त सैन्य अभ्यास उत्तर कोरिया को रोकने के लिए बेहद अहम हैं। उत्तर कोरिया ने अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका के साथ किसी भी बातचीत से दूरी बना रखी है और उसने हथियारों का परीक्षण भी तेज कर दिया है। वुड ने कहा, हम यह भी नहीं चाहते कि दक्षिण कोरिया यह निष्कर्ष निकाले कि अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उसके पास परमाणु हथियार हासिल करना ही एकमात्र गारंटी है। रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों तरह के प्रशासन में रक्षा और खुफिया विभाग से जुड़े पदों पर रह चुके मैथ्यू क्रोनिग ने कहा कि सर्वे बताते हैं कि दक्षिण कोरियाई लोगों में अपने परमाणु हथियार विकसित करने के विचार का समर्थन लगातार बढ़ा है। क्रोनिग ने कहा, अमेरिका दक्षिण कोरिया को यह भरोसा दिलाने के लिए बहुत मेहनत करता रहा है कि वह सुरक्षित है। अब वाशिंगटन के थिंक टैंक अटलांटिक काउंसिल से जुड़े क्रोनिग ने कहा कि सैन्य अभ्यासों का आकार कम करने से संभवत~ इस भरोसे को नुकसान पहुंचता है।

ट्रंप को खुश करने की कोशिश कर रहा दक्षिण कोरिया : ट्रंप ने यह फैसला तब लिया, जब दक्षिण कोरिया उन्हें खुश करने और उनका समर्थन पाने की कोशिश कर रहा था। दक्षिण कोरिया व्यापार और रक्षा जैसे अहम मुद्दों पर अमेरिका का साथ चाहता था। पिछले साल नए राष्ट्रपति ली जे म्युंग जब ट्रंप से मिलने व्हाइट हाउस पहुंचे, तो उन्होंने सबसे पहले वहां की शानदार सजावट की तारीफ की। ओवल ऑफिस को सुनहरे रंग की सजावट से सजाया गया था। ली ने ट्रंप की इस बात का भी समर्थन किया कि अगर वह 2020 में लगातार दूसरी बार राष्ट्रपति बन जाते, तो किम जोंग उन परमाणु हथियार बनाने की अपनी योजना को आगे नहीं बढ़ाते। ली ने यह भी संकेत दिया कि भविष्य में उत्तर कोरिया में ट्रंप टावर बनाया जा सकता है।

एफबीआई मुख्यालय अब कहां बनेगा: ट्रंप प्रशासन को कोर्ट ने दिया बड़ा झटका, हेडक्वार्टर की शिफ्टिंग पर लगाई रोक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक जज ने सोमवार को एफबीआई के मुख्यालय को वॉशिंगटन की एक फेडरल ऑफिस बिल्डिंग में ले जाने की योजना पर रोक लगा दी। जज ने पाया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने मैरीलैंड में पास की गई एक नई बिल्डिंग बनाने की योजना को गैर-कानूनी तरीके से रद्द कर दिया था।

यह फैसला देश की प्रमुख कानून लागू करने वाली एजेंसी का मुख्य कार्यालय कहां बनाया जाए, इस पर बरसों से चल रही लड़ाई में एक नया घटनाक्रम है। बता दें कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल के दौरान मैरीलैंड के ग्रीनबेल्ट में एक जगह चुनी गई थी, लेकिन ट्रंप की ओर से नियुक्त अधिकारियों ने पिछले साल उस फैसले को पलटने की कोशिश की।

ट्रंप प्रशासन क्या चाहता था : वे चाहते थे कि एफबीआई के मौजूदा मुख्यालय से कुछ ब्लॉक दूर स्थित फेडरल ऑफिस कॉम्प्लेक्स, रोनाल्ड रीगन बिल्डिंग का इस्तेमाल इस काम के लिए किया जाए।

जिला जज चुआंग ने क्या फैसला सुनाया : राष्ट्रपति बराक ओबामा की ओर से नियुक्त अमेरिकी जिला जज थियोडोर डी. चुआंग ने फैसला सुनाया कि यह कदम कानून के मुताबिक नहीं था। उन्होंने ट्रंप प्रशासन को एफबीआई को रीगन बिल्डिंग में ले जाने के लिए उसकी मरम्मत करने या फंड का दोबारा इस्तेमाल करने से रोक दिया। मुकदमा किसने दायर किया था न्याय विभाग और एफबीआई के अधिकारियों ने टिप्पणी के अनुरोधों का तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। यह मुकदमा मैरीलैंड राज्य और प्रिंस जॉर्ज काउंटी ने दायर किया था।

मैरीलैंड के अटॉर्नी जनरल ने क्या कहा : मैरीलैंड के अटॉर्नी जनरल एंथनी ब्राउन (जो डेमोक्रेट हैं) ने एक बयान में कहा, मैरीलैंड और प्रिंस जॉर्ज काउंटी ने एफबीआई मुख्यालय हासिल करने के लिए एक दशक से ज्यादा समय तक काम किया है। इसके साथ ही करोड़ों डॉलर देने का वादा किया। एफबीआई को रीगन बिल्डिंग में ले जाने और इस प्रोजेक्ट के लिए कांग्रेस द्वारा अलग रखे गए फंड को दूसरी जगह लगाने की ट्रंप प्रशासन की गैर-कानूनी कोशिश को रोककर, कोर्ट ने ग्रीनबेल्ट लौटने का रास्ता साफ कर दिया है।

एफबीआई का मौजूदा मुख्यालय कहां है : एफबीआई का मौजूदा मुख्यालय, पेन्सिलवेनिया एवेन्यू पर स्थित जे. एडगर हूवर बिल्डिंग में 1975 में खोला गया था। मुख्यालय को दूसरी जगह ले जाने के पक्ष में तर्क देने वालों का कहना है कि ब्रूटलिस्ट-शैली की यह इमारत अब जर्जर हो चुकी है। इसके चारों ओर पैदल चलने वालों को गिरते मलबे से बचाने के लिए जाल लगे हैं। दोनों राज्यों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद, पास के वर्जीनिया के बजाय मैरीलैंड वाली जगह को चुना गया था।

भारतीय क्षेत्र में अतिक्रमण के दावे पर घिरे पीएम बालेन; 26 अगस्त को संसद में विपक्ष करेगा सवालों की बौछार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह अगले सप्ताह प्रतिनिधि सभा में सांसदों के सवालों का सामना करेंगे। सदन के अध्यक्ष डोल प्रसाद आर्याल ने सोमवार को बताया कि प्रधानमंत्री के साथ सीधे सवाल-जवाब का सत्र 26 अगस्त को आयोजित किया जाएगा। अध्यक्ष ने सदन को बताया कि प्रतिनिधि सभा नियमावली 2026 के अध्याय-9 के तहत प्रधानमंत्री के साथ प्रश्नोत्तर सत्र निर्धारित किया गया है। इस दौरान सदन में मौजूद प्रत्येक राजनीतिक दल से कम से कम एक सांसद प्रधानमंत्री से सवाल पूछ सकेगा। अध्यक्ष ने सांसदों से अपने सवाल संक्षिप्त रखने की अपील भी की। प्रधानमंत्री शाह के संसद में आने का फैसला ऐसे समय हुआ है, जब विपक्ष लंबे समय से उनके एक बयान पर स्पष्टीकरण की मांग कर रहा है। दरअसल, 31 मई को संसद में अपने पहले संबोधन के दौरान शाह ने कहा था कि उन्हें इस बारे में जानकारी मिली है कि नेपाल ने भारत के क्षेत्र में भी 'अतिक्रमण' किया है। इसके बाद विपक्षी सांसदों ने प्रधानमंत्री से इस बयान को स्पष्ट करने की मांग की। उनका कहना है कि यदि नेपाल की ओर से भारतीय क्षेत्र में अतिक्रमण की बात कही गई है तो प्रधानमंत्री को उसके समर्थन में सबूत पेश करने चाहिए या फिर अपना बयान वापस लेना चाहिए। विपक्ष की लगातार मांगों के बाद प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष डोल प्रसाद आर्याल ने प्रधानमंत्री को सदन में उठाए गए सवालों का जवाब देने के लिए कहा। संसद सचिवालय के सूत्रों के अनुसार, अध्यक्ष ने उन मुद्दों पर प्रधानमंत्री से जवाब मांगा है जो उनके अधिकार क्षेत्र से जुड़े हैं। आर्याल ने कहा कि सांसद लंबे समय से प्रधानमंत्री से महत्वपूर्ण विषयों और उनके अधिकार क्षेत्र से जुड़े मामलों पर सवालों का जवाब देने की मांग कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के बयान के बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय ने उसकी अलग व्याख्या पेश की थी। मंत्रालय ने कहा था कि शाह की टिप्पणी दोनों देशों के बीच 'नो-मैन्स लैंड में अतिक्रमण' और 'सीमा पार कब्जे' से जुड़ी थी, न कि किसी क्षेत्र पर औपचारिक दावा करने के संदर्भ में। इसके बावजूद विपक्षी सांसद प्रधानमंत्री से सदन में सीधे स्पष्टीकरण की मांग करते रहे।

दो बंदूकें लेकर स्कूल पहुंचा छात्र, पहले टीचर पर चलाई गोली फिर साथी छात्र की हत्या कर की खुदकुशी

मनीला, एजेंसी। दक्षिणी फिलीपींस में एक हाई स्कूल में मंगलवार को दो बंदूकें लिए एक छात्र ने अपने ही एक साथी छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद फिर खुदकुशी कर ली। इस घटना के बाद सैकड़ों छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

जाम्बोआंगा शहर के मेयर खाइमर अदान ओलासो ने कहा कि हमलावर ने शायद हमले की लाइव-स्ट्रीमिंग के लिए बॉडी कैमरा पहना हुआ था। यह हमला उनके शहर में एटेनिओ डी जाम्बोआंगा यूनिवर्सिटी कैंपस के हाई स्कूल में हुआ। उन्होंने बताया कि दो अन्य लोग भी घायल हुए हैं।

मेयर ने क्या बताया : ओलासो ने रेडियो नेटवर्क को बताया कि हमलावर ने पहले एक टीचर पर गोली चलाई, लेकिन यह साफ नहीं है कि टीचर को

गोली लगी या नहीं। इसके बाद उसने अपने एक साथी छात्र को गोली मारी, जिससे उसकी मौत हो गई, और फिर उसने खुद को गोली मार ली।

छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला गया : हाई स्कूल की बिल्डिंग में गोली चलने की आवाज के बाद सैकड़ों छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। यह बिल्डिंग एक सुरक्षित कैंपस में है, जो कैथोलिक यूनिवर्सिटी के बड़े कैंपस से अलग है। उस बड़े कैंपस में यूनिवर्सिटी के कॉलेज और प्रोफेशनल स्कूल हैं, जो जाम्बोआंगा बंदरगाह शहर में स्थित हैं।

पुलिस ने क्या कहा : गोलीबारी के कुछ घंटों बाद पुलिस ने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने छात्रों के माता-पिता और अभिभावकों से शांत रहने और बच्चों को ले जाने के लिए हाई स्कूल की सलाह और व्यवस्थाओं का पालन करने को कहा।

पुलिस ने जनता से क्या अपील की : नेशनल पुलिस चीफ जनरल जोस मेलेंसियो नार्टाटेज जूनियर ने कहा, अधिकारी अभी घटना से जुड़ी परिस्थितियों का पता लगा रहे हैं। पुलिस सही समय पर पक्की जानकारी देगी और जनता से अपील करती है कि वे ऐसी बिना पुष्टि वाली खबरें, तस्वीरें या वीडियो शेयर न करें जिनसे बेवजह चिंता पैदा हो सकती है। नार्टाटेज ने कहा, नेशनल पुलिस जनता को भरोसा दिलाती है कि स्कूल समुदाय की सुरक्षा और भलाई हमारी प्राथमिकता है। हम स्कूल प्रशासन, माता-पिता, अभिभावकों और समुदाय का उनके धैर्य, सहयोग और समझदारी के लिए धन्यवाद करते हैं, क्योंकि अधिकारी स्थिति को संभालने का काम कर रहे हैं। यह गोलीबारी तब हुई जब पुलिस ने भरोसा दिलाया था कि देश भर के स्कूलों में सुरक्षा बढ़ाई जाएगी। इससे पहले जून में मध्य टैकलोबन शहर में हुई गोलीबारी में तीन हाई स्कूल छात्र मारे गए थे और कम से कम 20 अन्य घायल हुए थे। पुलिस ने उस गोलीबारी को अंजाम देने के आरोप में 14 और 15 साल के दो छात्रों को गिरफ्तार किया था। फिलीपींस में बंदूक के इस्तेमाल से जुड़े अपराध आम हैं, जिसका एक कारण बिना लाइसेंस वाली बंदूकों का बड़ी संख्या में होना है, लेकिन स्कूलों में गोलीबारी की घटनाएं अपेक्षाकृत कम होती हैं।

बच्चों को अकेले खेलने की आजादी पर अमेरिका में बदली सोच, देश के 13 राज्यों ने क्यों दी कानून में ढील

इयान फ्रिश, एजेंसी। अमेरिका में बच्चों की सुरक्षा को लेकर लंबे समय से बनाए गए सख्त नियमों पर अब बहस तेज हो रही है। कई जगह अभिभावकों को बच्चों को अकेले पार्क भेजने, आसपास खेलने देने या छोटी दूरी पर अकेले जाने देने पर कार्रवाई का डर रहता था। अब इस सोच में बदलाव दिखाई दे रहा है। 13 अमेरिकी राज्यों ने बाल-उपेक्षा से जुड़े नियमों में ढील दी है, ताकि बच्चों को उम्र के हिसाब से कुछ स्वतंत्रता देने पर माता-पिता को कानूनी कार्रवाई का सामना न करना पड़े। अटलांटा में एक छह साल के बच्चे के अकेले पार्क में खेलने का मामला इस बहस का उदाहरण बना। बच्चे को पार्क में अकेले देखकर एक महिला ने बाल

कल्याण विभाग में उसके माता-पिता के खिलाफ शिकायत कर दी। इसके बाद मैलरी शर्ली और उनके पति क्रिस्टोफर प्लेसेंट्स से पूछताछ हुई। लंबी कानूनी प्रक्रिया और अपील के बाद दंपती को आरोपों से बरी कर दिया गया। इस मामले ने सवाल खड़ा किया कि बच्चों की सुरक्षा और उन्हें स्वतंत्रता देने के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए।

13 राज्यों ने नियमों में ढील क्यों दी : अमेरिका में फ्री-रेंज किड्स आंदोलन को मिल रहे समर्थन के बीच 13 राज्यों ने अपने बाल-उपेक्षा कानूनों में बदलाव किया है। इसका मकसद यह स्पष्ट करना है कि बच्चों को उनकी उम्र और समझ के मुताबिक अकेले बाहर खेलने या आसपास जाने की अनुमति देना अपने आप में उपेक्षा नहीं माना जाए। समर्थकों का तर्क है कि बच्चों को हर समय निगरानी में रखने के बजाय सीमित स्वतंत्रता देना उनके आत्मविश्वास और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत कर सकता है। बच्चों की स्वतंत्रता को लेकर सोच में बदलाव के बीच आंकड़े भी दिलचस्प तस्वीर दिखाते हैं। द ब्रिटिश चिल्ड्रन प्ले सर्वे के अनुसार, पिछली पीढ़ी के बच्चों को औसतन 8.9 वर्ष की उम्र में अकेले बाहर खेलने की अनुमति मिल जाती थी। आज यह उम्र बढ़कर औसतन 10.7 वर्ष हो गई है। यानी बच्चों को स्वतंत्र रूप से बाहर जाने की अनुमति अब करीब दो साल देर से मिल रही है। वहीं करीब 34 फीसदी बच्चे स्कूल के बाद बाहर खेलने नहीं जाते हैं। बच्चों के लिए खेलना केवल मनोरंजन नहीं है। इससे उनका शारीरिक विकास होता है और वे दूसरे बच्चों के साथ बातचीत करना, छोटे फैसले लेना और परिस्थितियों को समझना सीखते हैं। आंकड़ों के मुताबिक, पांच से 17 वर्ष की उम्र के बच्चों को रोज करीब 60 मिनट खेलना-कूदना चाहिए।

भारत के चुनावी मॉडल के मुरीद हुए ट्रंप, अमेरिका में वोटर आईडी अनिवार्य करने की मांग क्यों हुई तेज

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत की चुनाव व्यवस्था का उदाहरण देते हुए अमेरिका में हर मतदाता के लिए फोटो पहचान पत्र अनिवार्य करने की अपनी मांग फिर दोहराई है। ट्रंप ने दावा किया कि भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने उनके प्रशासन से सवाल किया था कि अमेरिका में वैध फोटो पहचान पत्र के बिना चुनाव कैसे कराए जा सकते हैं। ट्रंप ने भारत की व्यवस्था का हवाला देते हुए कहा कि अमेरिका को भी चुनाव में पहचान और नागरिकता से जुड़े नियम कड़े करने चाहिए।

भारत के चुनाव को लेकर ट्रंप ने क्या दावा किया : ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया कि भारत के हालिया आम चुनाव में करीब 64.6 करोड़ लोगों ने मतदान किया और एक प्रतिशत से भी कम मतदाताओं ने डाक मतपत्र का इस्तेमाल किया। उन्होंने यह भी कहा कि हर मतदाता के लिए वैध फोटो पहचान पत्र जरूरी था। ट्रंप ने भारत के चुनावी मॉडल को अमेरिका में अनिवार्य फोटो पहचान की जरूरत के समर्थन में उदाहरण के तौर पर पेश किया। उनका कहना है कि इससे चुनाव में धोखाधड़ी की आशंका को कम किया जा सकता है।

सेव अमेरिका एक्ट में क्या बदलाव प्रस्तावित हैं : ट्रंप जिस सेव अमेरिका एक्ट के समर्थन में लगातार आवाज उठा रहे हैं, उसका पूरा नाम सेफगार्ड अमेरिकन वोटर एलिजीबिलिटी एक्ट है। प्रस्तावित कानून के तहत अमेरिका में मतदान के लिए पंजीकरण कराने वाले लोगों को अपनी नागरिकता का प्रमाण देना होगा। इसके अलावा देशभर में मतदाता पहचान पत्र की व्यवस्था लागू करने का प्रस्ताव है। कानून

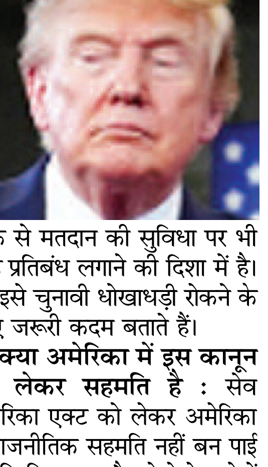

डाक से मतदान की सुविधा पर भी कड़े प्रतिबंध लगाने की दिशा में है। ट्रंप इसे चुनावी धोखाधड़ी रोकने के लिए जरूरी कदम बताते हैं।

क्या अमेरिका में इस कानून को लेकर सहमति है : सेव अमेरिका एक्ट को लेकर अमेरिका में राजनीतिक सहमति नहीं बन पाई है। रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों दलों के भीतर इस मुद्दे पर मतभेद हैं। ट्रंप लगातार कानून पारित कराने की मांग कर रहे हैं, लेकिन सीनेट में इसे आगे बढ़ाने को लेकर अब तक ठोस कदम नहीं उठे हैं। अगस्त की शुरुआत में अमेरिकी सीनेट पांच सप्ताह के अवकाश पर चली गई थी और कानून को लेकर कोई अंतिम प्रगति नहीं हुई। ट्रंप का तर्क है कि मतदाता की पहचान और नागरिकता की पुष्टि चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता के लिए जरूरी है। भारत की चुनाव व्यवस्था का हवाला देते हुए उन्होंने अमेरिका में भी ऐसे नियम लागू करने की मांग की है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को चुनावी धोखाधड़ी रोकने के लिए सेव अमेरिका एक्ट पारित करना चाहिए। हालांकि, कानून को लेकर राजनीतिक मतभेद अभी कायम हैं। भारत का उदाहरण देकर ट्रंप ने एक बार फिर अमेरिकी चुनाव व्यवस्था में पहचान पत्र और नागरिकता के सवाल को राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया है।

इमरान खान की आंखों में कितना सुधार हुआ? जेल प्रशासन ने सेहत पर सुप्रीम कोर्ट में दी पूरी जानकारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की आंखों को लेकर जेल प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट को अहम जानकारी दी है। रावलपिंडी की अदियाला जेल की ओर से अदालत में दाखिल रिपोर्ट में कहा गया है कि इमरान खान की आंखों की स्थिति में काफी सुधार हुआ है और उनकी नजर अब 'लगभग सामान्य' हो गई है।

यह रिपोर्ट ऐसे समय सामने आई है, जब सुप्रीम कोर्ट में इमरान की उस याचिका पर सुनवाई होनी है, जिसमें उन्होंने इस्लामाबाद के शिफा इंटरनेशनल अस्पताल में इलाज कराने की मांग की है। 73 वर्षीय इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं। उनकी आंख की बीमारी जनवरी के अंत में सामने आई थी। उन्हें दाहिनी आंख में सेंट्रल रेटिनल वेन ऑक्लूजन यानी सीआरवीओ की समस्या बताई गई थी। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए इस्लामाबाद स्थित पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज यानी पीआईएमएस कई बार ले जाया गया। जेल प्रशासन के मुताबिक, पीआईएमएस के नेत्र रोग विभाग के प्रमुख डॉक्टर मुहम्मद आरिफ खान और रावलपिंडी के अलशिफा ट्रस्ट आई हॉस्पिटल के विट्रियॉ-रेटिनल विशेषज्ञ डॉक्टर नदीम कुरैशी ने उनका इलाज किया।

जेल प्रशासन ने इमरान की सेहत को लेकर क्या दावा किया : जेल प्रशासन की रिपोर्ट के अनुसार, इलाज के बाद इमरान खान की आंख में काफी सुधार देखा गया और उनकी नजर लगभग सामान्य हो गई। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि उनकी सेहत की नियमित निगरानी की जा रही है। जेल के चिकित्सा अधिकारी दिन में तीन बार उनकी जांच करते हैं। इस दौरान उनके भोजन की निगरानी के साथ रक्तचाप, हृदय गति और ऑक्सीजन स्तर जैसे जरूरी स्वास्थ्य मानकों की भी जांच की जाती है। प्रशासन ने कहा कि जेल में रहने के दौरान उनका मेडिकल रिकॉर्ड भी लगातार रखा गया है।

क्या इमरान खान को जेल में पर्याप्त इलाज मिल रहा : जेल प्रशासन ने अदालत को बताया कि इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को पर्याप्त स्वास्थ्य

सुविधाएं दी जा रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अलग-अलग चिकित्सा संस्थानों के विशेषज्ञों और डॉक्टरों ने भी दोनों की स्वास्थ्य जांच की है। प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट से इमरान की इलाज संबंधी याचिका को खारिज करने का अनुरोध किया है। उसका कहना है कि इमरान को जरूरी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है और उनकी आंख की हालत में सुधार इसका प्रमाण है।

इमरान खान की पार्टी इस रिपोर्ट पर क्या कह रही : जेल प्रशासन के दावे के बावजूद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ यानी पीटीआई की ओर से इमरान खान की सेहत को लेकर चिंता जताई गई है। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि एक मेडिकल रिपोर्ट में इमरान का रक्तचाप अधिक पाया गया है। उन्होंने दावा किया कि इमरान के निजी डॉक्टरों ने पहले उनका रक्तचाप सामान्य पाया था। अफरीदी के अनुसार, इमरान के परिवार, कानूनी टीम और निजी डॉक्टरों को 2 दिसंबर 2025 से उनसे मिलने की अनुमति नहीं दी गई है।

सुप्रीम कोर्ट में कब होगी इमरान की याचिका पर सुनवाई : इमरान खान की इलाज संबंधी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में 18 अगस्त को सुनवाई होनी है। तीन सदस्यीय पीठ इसकी सुनवाई करेगी। पीठ की अध्यक्षता न्यायमूर्ति शाहिद वाहिद करेंगे। इसमें न्यायमूर्ति नईम अख्तर अफगान और न्यायमूर्ति इश्तियाक इब्राहिम भी शामिल हैं। जेल प्रशासन ने अदालत से इमरान की याचिका को खारिज करने की मांग की है। वहीं पीटीआई का कहना है कि इमरान को किसी विशेष रियायत की मांग नहीं है, बल्कि उन्हें कानून के अनुसार उचित इलाज और न्याय मिलना चाहिए।

फेंटेनाइल पर विवादास्पद रणनीति की समीक्षा, न्यू मेक्सिको ने मुकदमे की धमकी दी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग के आंतरिक निगरानीकर्ता ने छ्श्व की विवादास्पद रणनीति की समीक्षा की घोषणा की है। इस रणनीति में बड़े मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ मामले बनाने के लिए फेंटेनाइल को सड़कों पर जाने दिया गया। वर्तमान और पूर्व एजेंटों ने इसे सार्वजनिक सुरक्षा के लिए जुआ बताया है। व्हाइट हाउस ने फेंटेनाइल को सामूहिक विनाश का हथियार घोषित किया है। यह समीक्षा एसोसिएटेड प्रेस की उस जांच के बाद आई है, जिसमें छ्श्व एजेंटों ने न्यू मैक्सिको में फेंटेनाइल खेपों की निगरानी की पर उन्हें जब्त नहीं किया। व्हिसलब्लोअर डेविड हॉवेल ने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने न्यू मैक्सिको में 卐समुदाय को जहर दिया卐। न्यू मैक्सिको के अटॉर्नी जनरल राउल टोरेज़ ने न्याय विभाग पर मुकदमा करने की धमकी दी है। दो अन्य व्हिसलब्लोअर भी सामने आए हैं।

बांग्लादेश के साथ सकारात्मक, रचनात्मक सबंध चाहता है भारत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने बांग्लादेश के साथ संबंधों को लेकर अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि वह दोनों देशों के बीच सकारात्मक, रचनात्मक और भविष्य उन्मुख संबंध चाहता है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि द्विपक्षीय रिश्ते पारस्परिक हित और पारस्परिकता के आधार पर आगे बढ़ने चाहिए। भारत ने साथ ही कहा कि बांग्लादेश से प्राप्त प्रत्यर्पण अनुरोधों की स्थापित कानूनी प्रक्रियाओं के तहत जांच की जा रही है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय की हालिया प्रतिक्रिया पर टिप्पणी करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की दिल्ली में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस को लेकर भारत का रुख पहले ही स्पष्ट किया जा चुका है और उसे दोहराने की आवश्यकता नहीं है। बांग्लादेश ने हसीना की मीडिया उपस्थिति को द्विपक्षीय संबंधों के लिए नुकसानदायक बताते हुए आपत्ति जताई थी। जायसवाल ने कहा कि प्रत्यर्पण से संबंधित अनुरोधों की भारत में स्थापित प्रक्रियाओं के तहत जांच की जा रही है। ऊर्जा सहयोग के संबंध में पूछे गए सवाल पर जायसवाल ने कहा कि भारत और बांग्लादेश के बीच ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग जारी है।

ब्रिक्स पर्यावरण बैठक में भारत का जन-केंद्रित कार्रवाई से पर्यावरण बचाने का आह्वान

नई दिल्ली। भारत की अध्यक्षता में नई दिल्ली में 12वीं ब्रिक्स पर्यावरण मंत्रियों की बैठक हुई। भारत मंडपम में आयोजित बैठक में केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने पर्यावरण संरक्षण के लिए लोगों और स्थानीय समुदायों को केंद्र में रखकर ठोस कदम उठाने की जरूरत बताई। बैठक में यादव ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, जंगलों में आग, प्रदूषण और जैव विविधता में कमी जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए ब्रिक्स देशों को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने ज्ञान, तकनीक और अनुभव साझा करने पर भी जोर दिया। उन्होंने ब्रिक्स पर्यावरण सहयोग के लिए सतत जीवनशैली, वनरोपण और जंगलों की आग से निपटना, चक्रीय अर्थव्यवस्था और जलवायु अनुकूलन को चार प्रमुख प्राथमिकताएं बताईं। भूपेन्द्र यादव ने मिशन लाइफ और 'एक पेड़ मां के नाम' जैसी पहलों का उल्लेख करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण में जनभागीदारी और सामुदायिक सहयोग महत्वपूर्ण है। उन्होंने पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक विज्ञान और तकनीक से जोड़ने की जरूरत भी बताई।

आईसीएआर की 97वीं वार्षिक आम बैठक में रोडमैप तैयार

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य कृषि क्षेत्र को विकसित किए बिना हासिल नहीं किया जा सकता। उन्होंने कृषि अनुसंधान को किसानों, बाजार और उपभोक्ताओं की जरूरतों के अनुरूप बनाने तथा प्रयोगशाला में विकसित तकनीक को तेजी से खेतों तक पहुंचाने पर जोर दिया। राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर, में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की 97वीं वार्षिक आम बैठक की अध्यक्षता करते हुए चौहान ने कहा कि अब केवल खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाना पर्याप्त नहीं है। भारत को खेत से वैश्विक बाजार तक अपनी मजबूत पहचान बनानी होगी। उन्होंने कहा कि अनुसंधान का वास्तविक मूल्य तभी है, जब उसका समाधान सही समय पर किसान तक पहुंचे और उसका प्रत्यक्ष एवं मापने योग्य लाभ दिखाई दे। कृषि मंत्री ने छोटे और सीमांत किसानों की आय बढ़ाने के लिए एकीकृत कृषि प्रणाली को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने फसल उत्पादन के साथ पशुपालन, मत्स्य पालन, मुर्गी पालन, बागवानी और मधुमक्खी पालन जैसी गतिविधियों को जोड़ने पर जोर दिया।

दिल्ली लक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को 26 अगस्त को मिलेगा पेंशन पत्र, एक सितंबर से खातों में आएंगे पैसे

नई दिल्ली। दिल्ली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत महिलाओं को 26 अगस्त को तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में पात्र महिलाओं को पेंशन का आधिकारिक पत्र सौंपा जाएगा, जबकि एक सितंबर से पेंशन की राशि सीधे उनके बैंक खातों में पहुंचनी शुरू हो जाएगी। यह प्रक्रिया लगातार जारी रहेगी और पात्र महिलाओं को नियमित रूप से योजना का लाभ मिलता रहेगा।मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली सचिवालय में दिल्ली लक्ष्मी योजना की समीक्षा बैठक की। बैठक में मुख्य सचिव राजीव वर्मा के अलावा योजना के लिए गठित जिला स्तरीय स्वीकृति, निगरानी एवं शिकायत निवारण समितियों (डीएलएएमजीआरसी) के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में योजना की प्रगति की समीक्षा की गई।

रक्षा मंत्री ने एनसीसी कैडेट्स को दुर्गम पदयात्रा 'अपराजिता' के लिए रवाना किया

तीनों सेनाओं की महिला अधिकारियों के नेतृत्व में यह दल 250 किमी. की दूरी 30 दिन में तय करेगा

इस अभियान में एनसीसी की 28 कैडेट्स भाग ले रही हैं, जिनकी औसत आयु 19 वर्ष है और सबसे कम उम्र की प्रतिभागी मात्र साढ़े 16 वर्ष की है।

एजेंसी

नई दिल्ली । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तीनों सेनाओं की महिला अधिकारियों के नेतृत्व में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की 28 महिला कैडेट्स को अधिक ऊंचाई वाली दुर्गम पदयात्रा 'अपराजिता' के लिए रवाना किया। यह दल हिमाचल प्रदेश की स्पीति घाटी को लद्दाख के चांगथांग क्षेत्र से जोड़ने वाले 5,578 मीटर ऊंचे परंग ला दर्रे से होकर गुजरेगा। इसे देश के सबसे चुनौतीपूर्ण उच्च-ऊंचाई वाले दुर्गम पदयात्रा मार्गों में से एक माना जाता है। इस दल का नेतृत्व तीनों सेनाओं की तीन महिला अधिकारी करेंगी। इस अभियान में एनसीसी की 28 कैडेट्स भाग ले रही हैं, जिनकी औसत आयु 19 वर्ष है और सबसे कम उम्र की प्रतिभागी मात्र साढ़े 16 वर्ष की है। अधिकारियों, चिकित्सा कर्मियों, प्रशिक्षकों और सहायक कर्मचारियों के साथ यह अभियान दल हिमालय के कुछ सबसे दूरस्थ और चुनौतीपूर्ण इलाकों से होते हुए लगभग 250 किलोमीटर की दूरी 30 दिनों में तय करेगा। अभियान के मार्ग में किब्बर, दुमला, थलटक, बोंगरोजेन, परांग

ला दर्रा, डाक कारज़ोंग, नोर्बू सुम्दो, कियांगडोम और कोरज़ोक शामिल हैं, जो उच्च ऊंचाई वाले रेगिस्तानों, ग्लेशियरों, बर्फ के मैदानों और नदी घाटियों के पार हैं। इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने इतनी चुनौतीपूर्ण उच्च-ऊंचाई वाले अभियान में युवा लड़कियों की भागीदारी को देश की महिलाओं के साहस, दृढ़ संकल्प और बढ़ती क्षमताओं का सशक्त प्रमाण बताया। राजनाथ सिंह ने अभियान दल को सुरक्षित और सफल ट्रेक के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस तरह के अभियान युवाओं में नेतृत्व क्षमता, मानसिक दृढ़ता, अनुशासन और आत्मविश्वास विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने चयनित कैडेटों की शारीरिक और मानसिक तैयारी की सराहना करते हुए कहा कि यह ट्रेक उनके लिए दृढ़ता, आत्मविश्वास और आत्म-खोज का एक जीवन-स्मृति पाठ होगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि अभियान में शामिल कैडेट्स परांग ला से न केवल यादगार अनुभव लेकर लौटेंगे, बल्कि अपनी आंतरिक शक्ति की गहरी समझ भी प्राप्त करेंगे। रक्षा मंत्री ने दल के सदस्यों से आग्रह किया कि वे पूरे अभियान के दौरान 'सुरक्षा', 'पर्यावरण' और 'स्थानीय समुदायों के साथ संपर्क' को प्राथमिकता दें। उन्होंने कैडेटों से कहा कि यह अभियान आपके जीवन में एक महत्वपूर्ण पड़ाव बनेगा और आपको जीवन के हर पड़ाव पर 'अपराजिता' बने रहने के लिए प्रेरित करेगा। भूमि, जल और वायु में साहसिक गतिविधियों में एनसीसी कैडेटों की बढ़ती उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए राजनाथ सिंह ने नारी शक्ति की भावना को प्रदर्शित करने वाली महिला कैडेटों की सराहना की।

मध्यप्रदेश कैबिनेट का फैसला

अगले पांच साल जारी रहेंगी लाड़ली बहना और लाड़ली लक्ष्मी योजनाएं

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रालय में कैबिनेट की बैठक में महिलाओं के हित में बड़ा फैसला लिया गया। कैबिनेट ने लाड़ली बहना योजना और लाड़ली लक्ष्मी योजना को अगले पांच साल तक जारी रखने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। लाड़ली बहना योजना के लिए 1,14,365 करोड़ और लाड़ली लक्ष्मी योजना के लिए 16,326 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं।

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने बैठक में लिए निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि मंत्रि-परिषद ने मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक निरन्तर संचालन के लिए एक लाख 14 हजार 365 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है। प्रदेश में महिला सशक्तीकरण की दिशा में महिलाओं के आर्थिक स्वालंबन, उनके स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सतत् सुधार एवं परिवार के निर्णयों में उनकी भूमिका सुदृढ़ करने के लिए मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना 2023, लागू की गई है। योजना के प्रावधानों के अनुसार लाभार्थी महिलाओं को प्रत्येक माह 1500 रूपये मासिक आर्थिक सहायता राशि को उनके डीबीटी सक्रिय खाते में प्रदाय किया जा रहा है। वर्तमान में लाड़ली बहना योजना अन्तर्गत लगभग 1.27 करोड़ महिलाएं लाभान्वित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि मंत्रि-परिषद ने मध्य प्रदेश लाड़ली लक्ष्मी योजना का वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक निरंतर संचालन के लिए 16 हजार 326.47 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है। बालिका जन्म के प्रति जनता में सकारात्मक सोच, लिंग अनुपात में सुधार, बालिकाओं के शैक्षणिक स्तर, स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार और उनके अच्छे भविष्य की आधारशिला रखने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश लाड़ली लक्ष्मी योजना लागू की गई है। योजना में अब तक लगभग 50.99 लाख बालिकाओं को लाभांवित किया जा चुका है। योजना अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को कक्षा 6वीं में प्रवेश पर 2 हजार रुपये, कक्षा 9वीं में प्रवेश पर 4 हजार रुपये, कक्षा 11वीं में प्रवेश पर रुपये 6 हजार रुपये और कक्षा 12वीं में प्रवेश पर 6 हजार रुपये ई-पेंमेंट के माध्यम से प्रदाय किया जाता है। महाविद्यालय में प्रवेश लेने पर प्रथम वर्ष में प्रोत्साहन राशि 12,500 रुपये एवं अंतिम वर्ष में 12,500 रुपये दो समान किश्तों में प्रदाय किया जाता है।

एनएचएआई ने 121 टोल प्लाजा पर डिजिटल लोकल पास सुविधा शुरू की

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने देशभर के 121 टोल प्लाजा पर डिजिटल लोकल पास की सुविधा शुरू कर दी है। अब यात्री 'राजमार्गयात्रा' मोबाइल ऐप के ज़रिए मासिक लोकल पास ऑनलाइन खरीद सकेंगे। इससे टोल प्लाजा पर जाकर दस्तावेज़ जमा करने की ज़रूरत खत्म हो जाएगी और यात्रा और आसान हो जाएगी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बताया कि जुलाई महीनें में दिल्ली के मुण्डका-बक्करवाला टोल प्लाजा पर पहली बार यह सुविधा शुरू की गई थी। सफल परीक्षण के बाद इसे अब 120 से अधिक टोल प्लाजा तक बढ़ा दिया गया है और आने वाले महीनों में इसे और जगहों पर लागू किया जाएगा। इस सुविधा का लाभ टोल प्लाजा से 20 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले लोग उठा सकते हैं। लोकल पास मिलने के बाद वे पूरे महीने उस टोल प्लाजा से असीमित बार यात्रा कर सकते हैं। पहले पात्रता साबित करने के लिए दस्तावेज जमा करने पड़ते थे, लेकिन अब यह काम डिज लॉकर और वाहन प्लेटफ़ॉर्म से जुड़कर ऑनलाइन हो जाएगा। डिजिटल लोकल पास में जीआईएस आधारित जांच होगी, जिससे यह पता लगाया जाएगा कि आवेदक का पता टोल प्लाजा से 20 किलोमीटर के दायरे में है या नहीं। इस तकनीक से मैनुअल दस्तावेज़ जांच की ज़रूरत खत्म होगी ।

सीबीआई ने खनन महानिदेशालय के उपनिदेशक समेत तीन को दो लाख घूस लेते रंगे हाथों दबोचा

सीबीआई के अनुसार, 25 जून को प्रकाशम जिले की एक खदान में दुर्घटना हुई थी।

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने खनन महानिदेशालय (डीजीएमएस), हैदराबाद के उप निदेशक (खनन) यू शिव शंकर समेत तीन लोगों को रंगे हाथों 2 लाख रुपये घूस लेते गिरफ्तार किया। रिश्वत की यह रकम आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले में हुई खदान दुर्घटना की जांच में अनुकूल रिपोर्ट देने के एवज में दी जानी थी। टाइममैनेजमेंट और कैलेंडर ऐप्स चुनना सीबीआई के अनुसार, 25 जून को प्रकाशम जिले की एक खदान में दुर्घटना हुई थी। आरोप है कि संबंधित खनन प्रतिष्ठान के प्रतिनिधियों ने दुर्घटना की जांच में अनुकूल रिपोर्ट हासिल करने और प्रतिष्ठान के मालिकों को मामले में नहीं फंसाने के लिए एक सलाहकार और बिचौलिए के माध्यम से डीजीएमएस के उप निदेशक (खनन) से संपर्क किया था। जांच एजेंसी के मुताबिक बिचौलिए ने पहले भी अनुकूल रिपोर्ट के लिए उप निदेशक को एक लाख रुपये दिए थे। इसके बाद 17 अगस्त को दो लाख रुपये की एक और रकम की व्यवस्था की गई थी। यह राशि अनुकूल जांच रिपोर्ट के अलावा संबंधित खनन प्रतिष्ठान और अन्य खदानों से जुड़े कथित त्रैमासिक रिश्वत भुगतान के लिए दी जानी थी। टाइममैनेजमेंट और सीबीआई ने 17 अगस्त को जाल बिछाया और ओंगोल में डीजीएमएस के उप निदेशक (खनन) यू शिव शंकर को दो लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। यह रकम सलाहकार और बिचौलिए ए शुभाषकर रेड्डी ने खनन प्रतिष्ठान के प्रतिनिधि की मौजूदगी में दी थी। सीबीआई ने रिश्वत की पूरी रकम बरामद कर ली। सीबीआई ने इस मामले में डीजीएमएस के उप निदेशक यू शिव शंकर, प्रकाशम जिले के चिमाकुर्ती स्थित मेसर्स वासवी ग्रेनाइट्स के प्रतिनिधि सिद्दा वेंकट सुरेश कुमार और सलाहकार एवं बिचौलिए ए. शुभाषकर रेड्डी को गिरफ्तार किया है।

राजस्थान के अयोध्या साइबर क्राइम थाने के चार पुलिसकर्मी 2.80 लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार

एजेंसी

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की सीकर इकाई ने कार्रवाई करते हुए अयोध्या के साइबर क्राइम थाने के चार पुलिसकर्मियों को 2.80 लाख रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। आरोपितों ने साइबर क्राइम थाने में दर्ज मामले में परिवादी के भाई का नाम हटाने की एवज में चार लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी।

बातचीत के बाद 2.80 लाख रुपये में सौदा तय हुआ था। एसीबी के महानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता ने बताया कि परिवादी ने शिकायत दी थी कि अयोध्या के साइबर क्राइम थाने में उसके भाई के खिलाफ दर्ज मामले से उसका नाम हटाने के लिए पुलिसकर्मियों की ओर से रिश्वत मांगी जा रही है। शिकायत के बाद 17 अगस्त को रिश्वत मांग का सत्यापन कराया गया। सत्यापन के दौरान कांस्टेबल गौरव चारग ने परिवादी से चार लाख रुपये मांगे। बातचीत के बाद 2.80 लाख रुपये में रिश्वत लेना तय हुआ। मांग की पुष्टि होने के बाद एसीबी जयपुर के उप महानिरीक्षक डॉ. रामेश्वर सिंह के सुपरविजन में ट्रैप कार्रवाई की गई। एसीबी सीकर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय कुमार के नेतृत्व में पुलिस निरीक्षक सुभाष मील की टीम ने कार्रवाई की। ट्रैप के दौरान उप निरीक्षक यशवंत सिंह, कांस्टेबल पवन त्रिपाठी, कांस्टेबल सोहनलाल और कांस्टेबल गौरव चारग की मौजूदगी में कांस्टेबल सोहनलाल ने परिवादी से 2.80 लाख रुपये की रिश्वत राशि प्राप्त की। इसके बाद एसीबी ने चारों पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार कर लिया। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

राहुल गांधी ने छात्र प्रदर्शन पर रिजिजू के बयान की निंदा की

कहा- बच्चों से झूठ मत बोलिए

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नीट प्रश्नपत्र लीक के विरोध में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने वाले छात्रों को लेकर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के बयान की निंदा की है। उन्होंने शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ बल प्रयोग का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार को छात्रों से माफी मांगनी चाहिए। राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में कहा कि मोदी सरकार के मंत्री दिल्ली पुलिस की तारीफ करने की बात कह रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि संसद से आधा किलोमीटर दूर शांतिपूर्ण छात्रों पर पैलेट गन और कील लगी लाठियां चलने तथा छात्रों के घायल होने के बावजूद क्या ऐसी कार्रवाई की तारीफ की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि वह खुद उन घायल बच्चों से मिले हैं।

हजारों वीडियो देश ने देखे हैं। सरकार पहले बच्चों पर लाठी चलाती है और बाद में कहती है कि कुछ हुआ ही नहीं।

राहुल ने आरोप लगाया कि सरकार का मूल मंत्र 'असत्य और हिंसा' है। पूरे सत्र के दौरान गृहमंत्री अमित शाह विपक्ष से दूर रहे और प्रधानमंत्री ने अब तक छात्रों से माफी नहीं मांगी है। देश के बच्चों से झूठ मत बोलिए। उनके पास आंखें हैं और याददाश्त भी है। देश के लिए सबसे बड़ा खतरा ऐसे लोग हैं, जिन्हें अपनी गलती दिखाई नहीं देती और गलती दिखने पर भी वे उसे स्वीकार नहीं करते। उल्लेखनीय है कि रिजिजू ने हाल में जंतर-मंतर पर हुए छात्र प्रदर्शन से निपटने के लिए दिल्ली पुलिस और प्रशासन की प्रशंसा की थी। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन के दौरान किसी प्रदर्शनकारी की मौत नहीं हुई और किसी को ऐसी गंभीर चोट नहीं लगी, जिसके कारण अस्पताल में भर्ती कराना पड़े। रिजिजू ने छात्र प्रदर्शन की तुलना पिछली कांग्रेस सरकारों के दौरान हुए विरोध प्रदर्शनों से भी की थी और दावा किया था कि उस दौर में ऐसे आंदोलनों में हजारों लोगों की मौत हुई थी। राहुल ने इसी बयान को लेकर रिजिजू पर निशाना साधते हुए प्रदर्शन के दौरान छात्रों के साथ कथित बर्बरता का मुद्दा उठाया है।

वंदे मातरम् का अपमान स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास का अपमान: रविशंकर प्रसाद

'स्वतंत्रता आंदोलन में वंदे मातरम् की महत्वपूर्ण भूमिका रही है'

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा सांसद रविशंकर प्रसाद ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम् के कथित अपमान और इसके बाद गोवा में भी इससे जुड़े विवाद को लेकर कांग्रेस की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि देश के स्वतंत्रता आंदोलन में वंदे मातरम् की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और इसका अपमान स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास का अपमान है। कांग्रेस का मौजूदा रवैया उसके वास्तविक चरित्र को दर्शाता है। रविशंकर प्रसाद ने अपने आवास पर पत्रकार वार्ता में कहा कि कांग्रेस अगर वंदे मातरम् का सम्मान नहीं कर सकती तो उसे स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत पर अपना एकाधिकार जताना बंद कर देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस का मौजूदा रवैया उसके

वास्तविक चरित्र को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि देश के स्वतंत्रता आंदोलन में वंदे मातरम् की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और इसका अपमान स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास का अपमान है। भाजपा सांसद ने कांग्रेस के पुराने रुख का जिक्र करते हुए कहा कि 1950 में डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने वंदे मातरम् को राष्ट्रीय गीत के रूप में स्वीकार किए जाने का समर्थन किया था। उन्होंने सवाल उठाया कि जिस विरासत से कांग्रेस का ऐतिहासिक जुड़ाव रहा है, आज वही पार्टी उससे मुंह क्यों मोड़ रही है। रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस पर वोट बैंक की राजनीति करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने तीन तलाक, शाह बानो मामले, अनुच्छेद 370 और 'जन गण मन' के दौरान कथित वॉकआउट जैसे मुद्दों का उल्लेख करते हुए कांग्रेस की नीतियों पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रहित से जुड़े मुद्दों पर कांग्रेस का रवैया लगातार सवालों के घेरे में रहा है।

उन्होंने संविधान की मूल प्रति का भी उल्लेख किया, जिसमें भगवान राम, श्रीकृष्ण, हनुमान जी और गुरु गोविंद सिंह जैसे सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक प्रतीकों के चित्र होने की बात कही। प्रसाद ने सवाल किया कि अगर कांग्रेस भारतीय संस्कृति और विरासत को लेकर आपत्ति जताती है तो फिर संविधान की मूल भावना और उसमें मौजूद सांस्कृतिक प्रतीकों को लेकर उसका क्या रुख है।प्रसाद ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेतृत्व वंदे मातरम् के मुद्दे पर देश को जवाब देने के बजाय भाजपा पर राजनीतिक आरोप लगाने में लगा है।

संघ की समन्वय बैठक में जनसांख्यिकीय बदलाव और नशा मुक्ति पर होगा मंथन

एजेंसी

विशाखापत्तनम। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वार्षिक अखिल भारतीय समन्वय बैठक में देश में हो रहे जनसांख्यिकीय बदलाव, सामाजिक परिवर्तन, नशा मुक्ति और समग्र भारतीय विकास मॉडल सहित विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा होगी। यह बैठक 19 से 21 अगस्त तक विशाखापत्तनम के समीप गुडीलोवा स्थित विज्ञान विहार विद्यालय में आयोजित की गयी है। संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने यहां बैठक से पहले आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि बैठक 19 अगस्त को सुबह नौ बजे शुरू होगी और 21 अगस्त की शाम तक चलेगी। इसमें संघ की प्रेरणा से कार्य कर रहे 32 संगठनों के प्रमुख पदाधिकारी हिस्सा लेंगे। उन्होंने बताया कि बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, सभी सह सरकार्यवाह और अन्य केंद्रीय पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। भारतीय मजदूर संघ, विश्व हिन्दू परिषद, भारतीय जनता पार्टी, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, भारतीय किसान संघ, राष्ट्र सेविका समिति सहित विभिन्न संगठनों के राष्ट्रीय अध्यक्ष, महामंत्री, अखिल भारतीय संगठन मंत्री और चयनित कार्यकर्ता बैठक में शामिल होंगे। भौगोलिकसंदर्भ आंबेकर ने बताया कि विभिन्न संगठनों के 49 महिला प्रतिनिधियों सहित कुल 253 प्रमुख कार्यकर्ता तथा संघ के पदाधिकारियों को मिलाकर 327 प्रतिनिधियों के बैठक में भाग लेने की उम्मीद है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कोई कार्यकारी या निर्णय लेने वाली बैठक नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य विभिन्न संगठनों के बीच अनुभव साझा करना और आपसी समन्वय को बेहतर बनाना है। बैठक में देश की वर्तमान स्थिति, सामाजिक परिवर्तन और विभिन्न सामाजिक समस्याओं पर विचार-विमर्श होगा। जनसंख्या असंतुलन और जनसांख्यिकीय बदलाव से उत्पन्न चिंताओं तथा उनके समाधान के उपायों पर भी चर्चा की जाएगी। युवाओं को नशे से दूर रखने के उपायों और नशामुक्ति के लिए विभिन्न संगठनों की भावी भूमिका पर भी विचार किया जाएगा।

शाहीन शाह अफरीदी ने वनडे में पहली बार झटके 7 विकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान की टेस्ट टीम तो इंग्लैंड के दौरे पर है. मगर उस टीम से बाहर चल रहे शाहीन शाह अफरीदी के पुराने तेवर लगता है व्हाइट बॉल क्रिकेट में लौट चुके हैं. ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि पाकिस्तान के घरेलू वनडे टूर्नामेंट में जब मैटर सबसे बड़ा दिखा, तो शाहीन वहां शहंशाह की तरह अपनी टीम के लिए खड़े दिखे. उन्होंने नेशनल चैंपियंस कप के फाइनल में ना सिर्फ हैट्रिक ली है, बल्कि गेंद से ऐसी आग बरसाई कि वनडे करियर का बेस्ट प्रदर्शन ही कर डाला. नतीजा, ये हुआ कि उनकी टीम टूर्नामेंट की चैंपियन बन गई.

शाहीन अफरीदी ने टीम को फ्रंट से किया लीड

नेशनल चैंपियंस कप 2026 के फाइनल में पाकिस्तान गोल्ड और पाकिस्तान ग्रीन की टीमें आमने-सामने थी. इस मुकाबले में शाहीन अफरीदी पाकिस्तान गोल्ड के कप्तान थे.उनकी टीम ने पहले बैटिंग की और 50 ओवर में 340 रन बनाए. मतलब बल्लेबाजों ने अपना काम कर दिया था. अब बारी गेंदबाजों की थी. स्ट्राइक गेंदबाज होने के नाते कप्तान शाहीन शाह अफरीदी ने इस काम में अपनी टीम पाकिस्तान गोल्ड को फ्रंट से लीड किया.

टीम को बनाया चैंपियन

शाहीन ने गेंद से उगली आग!

पाकिस्तान ग्रीन के सामने पहले से ही 341 रन जैसा बड़ा लक्ष्य था. मगर उसे और भी विकराल बना दिया शाहीन शाह अफरीदी की आग उगलती और विरोधी बल्लेबाजों से सवाल पूछती शाहीन की गेंदों ने. पाकिस्तान ग्रीन के बल्लेबाजों के पास शाहीन की गेंदों का कोई जवाब नहीं था. ऐसे में वो बस एक-एक दम उनके आगे दम तोड़ते दिखे.

शाहीन अफ्रीदी की हैट्रिक

शाहीन अफरीदी की हैट्रिक में पाकिस्तान ग्रीन के जो बल्लेबाज फंसे, उनमें मेहरान मुमताज, सलमान मिर्जा और मोहम्मद हसनेन का विकेट शामिल रहा. शाहीन के इस हैट्रिक के साथ ही पाकिस्तान ग्रीन की पारी का भी अंत हो गया.

टीम को चैंपियन बनाकर हीरो बने शाहीन अफरीदी

शाहीन शाह अफरीदी ने नेशनल चैंपियंस कप के फाइनल में अपने वनडे यानी लिस्ट ए करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 8.3 ओवर में 36 रन देकर कुल 7 विकेट लिए और अपनी टीम पाकिस्तान गोल्ड को चैंपियन बनाया. 341 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान ग्रीन पूरे 50 ओवर भी बैटिंग नहीं कर सकी और 37.3 ओवर में सिर्फ 239 रन पर ऑल आउट हो गई. इस तरह पाकिस्तान गोल्ड ने फाइनल मुकाबला 101 रन के बड़े अंतर से जीत लिया, जिसके हीरो खुद उसके कप्तान शाहीन शाह अफरीदी बने.

पहले 6 ओवर में 3 विकेट, फिर अगली 15 गेंदों में 4 विकेट

शाहीन अफरीदी ने नेशनल चैंपियंस कप के फाइनल में डाले अपने पहले 6 ओवर में 29 रन देकर 3 विकेट लिए. लेकिन, इसके बाद उन्होंने पाकिस्तान ग्रीन का और बुरा हाल किया. वो और भी ज्यादा मानो खतरनाक हो गए. उन्होंने अगली 15 गेंदों पर 7 रन देकर 4 और विकेट लिए, जिसमें हैट्रिक भी शामिल रही.

संक्षिप्त समाचार

जब गोल्ड जीतने पर राष्ट्रगान बजा, वह पल शानदार था

एरोबिक जिम्नास्टिक्स में इतिहास रचने के बाद अरिहा ने साझा किए अनुभव

मुंबई, एजेंसी। भारतीय एयरोबिक जिम्नास्ट अरिहा पंगमबम ने कुछ हफ्तों पहले एशियन एयरोबिक जिम्नास्टिक्स चैंपियनशिप में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीता था, जिसके साथ वह एशियन चैंपियनशिप में सीनियर महिला व्यक्तिगत श्रेणी में गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। फिलीपींस में हुए फाइनल में उन्होंने 19.100 अंक हासिल किए, जिसमें आर्टिस्ट्री (कलात्मकता) में 8.650, एग्जीक्यूशन (प्रदर्शन) में 7.600 और डिफिकल्टी (कठिनाई) में 2.850 अंक शामिल थे। इस उपलब्धि के बाद अरिहा ने कहा, जब मुझे यह गोल्ड मेडल मिला, तो वह पल बहुत शानदार था। मैं इसे शब्दों में बयां भी नहीं कर सकती। जब मैंने पोडियम पर अपने देश का राष्ट्रगान बजते हुए सुना, तो उस पल मुझे गर्व भी महसूस हुआ क्योंकि मैं कुछ हासिल कर पाई थी, सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि पूरे भारत के लिए। वह बहुत शानदार अनुभव था और मैं उस समय बहुत खुश थी।

22 वर्षीय जिम्नास्ट ने कहा, हम डबल फ्लेक्स फ्लोर, यानी लकड़ी का फ्लोर इस्तेमाल करते हैं। भारत में उत्तराखंड में एक फ्लोर है जो हमें नेशनल गेम्स के दौरान मिला था, लेकिन दुर्भाग्य से, न सिर्फ मैं, बल्कि पूरे भारत के ज्यादातर जिम्नास्ट उस पर ट्रेनिंग भी नहीं कर पाए। हम आमतौर पर रबड़ इंटरलॉकिंग मैट पर ट्रेनिंग करते हैं, इसलिए सिर्फ एक दिन में तालमेल बिठाना हमारे लिए बहुत मुश्किल होता है। प्रतियोगिता से पहले हमें खुद को ढालने के लिए एक दिन की पोडियम ट्रेनिंग दी जाती है, इसलिए हममें से ज्यादातर जिम्नास्ट को मुश्किल होती है, क्योंकि हमें उस फ्लोर पर कभी ठीक से ट्रेनिंग करने का मौका नहीं मिला। यही वह मुश्किल थी जिसका हमने सामना किया।

World Championship

बिना मैच खेले ही प्री क्वार्टरफाइनल में पहुंचे सात्विक-चिराग

नई दिल्ली, एजेंसी। सात्विक-चिराग की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। दिलचस्प बात यह है कि इस भारतीय जोड़ी ने अब तक टूर्नामेंट में अपना अभियान शुरू नहीं किया है। सात्विक साईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है। सात्विक-चिराग को शुरुआती मैच में वॉकओवर मिला था।

पांचवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी विश्व चैंपियनशिप में दो कांस्य पदक जीत चुकी है। पहले दौर में बाई मिलने के बाद सात्विक-चिराग को दूसरे दौर में स्कॉटलैंड के एलेक्सजेंडर डुन और एडम प्रिंजल का सामना करना था। हालांकि, स्कॉटलैंड की जोड़ी आखिरी मिनटों में हट गई जिससे सात्विक-चिराग बिना मैच खेले ही राउंड ऑफ 16 में पहुंच गए।

मानव सुथार-पडिकल बने जीत के हीरो | **इंडिया-श्रीलंका टेस्ट** | **सीरीज में 1-0 की बढ़त**

गॉल में टीम इंडिया की महाजीत

भारत 600वें टेस्ट में जीता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने श्रीलंका को 165 रन से हराकर अपना 600वां टेस्ट जीत लिया है। गॉल में 372 रन के टारगेट का पीछा कर रही श्रीलंकाई टीम दूसरी पारी में 206 रन पर ऑलआउट हो गई। पहले टेस्ट में भारत की जीत के हीरो मानव सुथार रहे। उन्होंने मैच में 10 विकेट लिए। राजस्थान के सुथार ने दूसरी पारी में 6 विकेट लिए। उन्होंने एक ही ओवर में 3 विकेट लेकर श्रीलंका की पारी समेट दी। पहले उन्होंने सोनल दिनूषा को 84 रन पर आउट किया, फिर प्रभात जयसूर्या को पहली गेंद पर बोल्ड किया और अगली गेंद पर लहिरू कुमारा को ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। भारत ने पहली पारी में 462 रन बनाए थे। देवदत्त पडिक्कल ने 167 रन की पारी खेली। जवाब में श्रीलंका 284 रन पर ऑलआउट हुआ। भारत ने दूसरी पारी में 193 रन बनाए और श्रीलंका को 372 रन का टारगेट दिया। भारत ने गॉल टेस्ट में श्रीलंका को 165 रन से हराकर मैच अपने नाम कर लिया। श्रीलंका की दूसरी पारी 77.4 ओवर में 206 रन पर सिमट गई। मानव सुथार ने केशरा नुवान्था को बोल्ड कर श्रीलंका की पारी खत्म की और मैच में 10 विकेट पूरे किए।

श्रीलंका 165 रन से हारा
मानव सुथार ने मैच में 10 विकेट लिए
देवदत्त पडिक्कल का शतक

सुथार ने एक ओवर में 3 विकेट लिए

मानव सुथार ने श्रीलंका की दूसरी पारी के 75वें ओवर में 3 विकेट लेकर मैच का रुख भारत के पक्ष में कर दिया। उन्होंने पहले सोनल दिनूषा को 84 रन पर आउट किया। इसके बाद सुथार ने प्रभात जयसूर्या को पहली ही गेंद पर बोल्ड किया और अगली गेंद पर लाहिरू कुमारा को विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। यह टेस्ट में सुथार का लगातार दूसरे मैच में दूसरा 5 विकेट हॉल है।

Football

क्या 2026 विश्व कप की सनसनी केप वर्डे से भिड़ेगी भारतीय टीम?

सितंबर-अक्तूबर में दौरा प्रस्तावित

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत सितंबर-अक्तूबर के बीच केप वर्डे की मेजबानी कर सकता है, दोनों टीमों के बीच दोस्ताना मुकाबले की बातचीत जारी है। केप वर्डे ने 2026 फीफा विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली बार नॉकआउट दौर में जगह बनाई थी। भारतीय फुटबॉल प्रशंसकों के लिए आने वाले महीनों में एक और बड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है। सूत्रों के मुताबिक, भारत सितंबर के अंत से अक्तूबर की शुरुआत के बीच हाल में 2026 फीफा विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाली केप वर्डे की मेजबानी कर सकता है। प्रस्तावित मुकाबला 30 सितंबर से 6 अक्तूबर के बीच खेले जाने की संभावना है। हालांकि, मैच की तारीख और आयोजन स्थल को लेकर अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है। 'बातचीत जारी है, लेकिन अभी इसे अंतिम रूप नहीं दिया गया है। हालांकि, इस बात की काफी संभावना है कि भारत 30 सितंबर से 6 अक्तूबर के बीच केप वर्डे की मेजबानी करेगा।'

सूत्र ने कहा, 'मैच का आयोजन स्थल और तारीख आधिकारिक तौर पर फैसला होने के बाद तय किए जाएंगे। इससे जुड़ी प्रक्रियाएं और विचार-विमर्श जारी हैं। उम्मीद है कि जल्द ही इसे अंतिम रूप दे दिया जाएगा।'

'विराट बस एक फोन कॉल दूर हैं'

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज जॉर्डन कॉक्स ने विराट कोहली के साथ बिताए समय और उनसे मिली सीख को लेकर बड़ा खुलासा किया है. कॉक्स ने बताया कि कोहली उनके लिए सिर्फ एक महान क्रिकेटर नहीं, बल्कि एक मेंटर की तरह रहे हैं. जब भी उन्हें किसी सलाह या मदद की जरूरत होती है, विराट हमेशा फोन के दूसरी तरफ मौजूद रहते हैं. जॉर्डन कॉक्स आईपीएल में आरसीबी टीम का हिस्सा हैं. कॉक्स ने बताया कि उन्होंने विराट कोहली के साथ करीब चार महीने भारत में बिताए.

इस दौरान वह कोहली के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने और उनके अनुभव से सीखने में सक्षम रहे. हालांकि कॉक्स ने दोनों के बीच हुई हर बातचीत का खुलासा नहीं किया, लेकिन डेब्यू से पहले कोहली की दी गई सलाह को उन्होंने बेहद खास बताया।

दिल्ली प्रीमियर लीग:

सार्थक नंबर 1

यस ढुल को छोड़ा पीछे, दिल्ली प्रीमियर लीग में छठा पचासा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 में सांसद पप्पू यादव के क्रिकेटर बेटे सार्थक रंजन का तूफान जारी है। इस लीग के अपने 7वें मैच में सार्थक ने छठी बार अर्धशतक ठोका है। वहीं वह यश ढुल को पीछे छोड़ते हुए टूर्नामेंट के नंबर 1 बल्लेबाज बन गए हैं। आईपीएल 2026 में केकेआर के स्क्वाड का हिस्सा रहे सार्थक रंजन को एक भी मैच में जगह नहीं मिली थी।

अब इस फॉर्म से उन्होंने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। सार्थक ने पुरानी दिल्ली के खिलाफ 32वें मैच में 51 गेंद पर 78 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और 5 छक्के शामिल थे। उनकी शानदार पारी के बावजूद उनकी टीम नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स को जीत नहीं मिल पाई। इस मैच में 20 रन से जीत के साथ पुरानी दिल्ली 6 ने अंकतालिका में दूसरे स्थान पर जगह बना ली। सार्थक रंजन ने 100, 64, 95, 65, 57, 59, 10, 78 की पारियां अब तक खेली हैं। वहीं दिन के दूसरे मुकाबले में पहले से ही प्लेऑफ में पहुंच चुकी सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने ईस्ट दिल्ली राइडर्स को 30 रन से मात दी। इस मुकाबले में सेंट्रल दिल्ली के दोनों इन फॉर्म ओपनर्स सिद्धार्थ जून और यश ढुल खाता भी नहीं खोल सके।

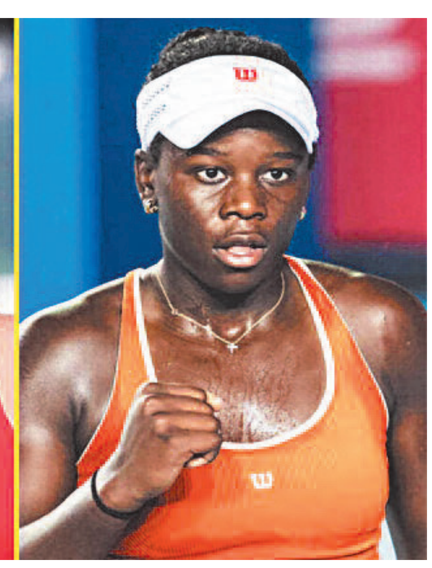

सिनसिनाटी ओपन:

सबालेंका, एंड्रीवा, और गॉफ ने चौथे राउंड में जगह बनाई

सिनसिनाटी, एजेंसी । आर्यना सबालेंका ने सिनसिनाटी ओपन के चौथे राउंड में जगह बना ली है। सबालेंका ने 54 मिनट तक चले मुकाबले में सबालेंका ने वांग शिन्यु को 6-1, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ, सबालेंका अब अपने करियर में 45 डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट्स में राउंड ऑफ 16 में पहुंच गई हैं। उनकी इस जीत ने सिनसिनाटी में जीत के मामले में उन्हें सक्रिय खिलाड़ियों में सबसे आगे कर दिया है। सबालेंका के नाम अब डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट्स में 50 करियर जीत है। सबालेंका 2009 में इस फॉर्मेट के शुरू होने के बाद से ऐसा करने वाली सेरेना विलियम्स (104) और इगा स्वियाटेक (58) के बाद तीसरी खिलाड़ी हैं।

इस बीच, नंबर 5 सीड मीरा एंड्रीव नंबर 32 सीड जेनिस त्जेन को हराकर चौथे राउंड में पहुंच गईं। एंड्रीव ने 1 घंटे 42 मिनट तक चले इस मैच में 6-1, 7-6(5) से जीत दर्ज की। एंड्रीवा, जो 2024 में टूर्नामेंट में अपनी पिछली एकमात्र उपस्थिति में सिनसिनाटी में क्वार्टर फाइनलिस्ट थीं, ने जून में रोलैंड गैरोस में अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के बाद पहली बार लगातार मैच जीते हैं।

अब उनका सामना इस साल चौथी बार नंबर 10 सीड मार्टा कोस्त्युक से होगा। कोस्त्युक उनके हेड-टू-हेड में 2-1 से आगे हैं, हालांकि पिछली मुलाकात में एंड्रीवा ने रोलैंड गैरोस सेमीफाइनल में कोस्त्युक को हराया था। 2023 की चैंपियन कोको गॉफ ने भी साथी अमेरिकन एन ली पर 6-1, 7-6 (3) से जीत हासिल करके 2026 सिनसिनाटी ओपन के चौथे राउंड में अपनी जगह पक्की कर ली।

गॉफ अब अपने करियर के 36वें डब्ल्यूटीए 1000 चौथे राउंड में हैं, जिसमें इस सीजन के छह शामिल हैं। सिनसिनाटी एकल में हिस्सा लेने वाले सक्रिय खिलाड़ियों में सिर्फ एरिना सबालेंका (44), कैरोलिन प्लिसकोवा (44), एलिना स्वितोलिना (43), इगा स्वियाटेक (38) और जेसिका पेगुला (38) के नाम उनसे ज्यादा हैं।

व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा मामले में जान्हवी कपूर को राहत

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने तमाम सहूलियतें दी हैं, तो इसके नुकसान भी हैं। एआई के जरिए किसी की तस्वीरों व वीडियो आदि से छेड़छाड़ कर गलत इस्तेमाल किया जा सकता है। किसी की प्रतिष्ठा दांव पर लग सकती है। इसके नुकसान को लेकर फिल्मी सितारे काफी सतर्क हैं और उन्होंने अदालत का रुख किया है। बीते दिनों तब्बू ने कोर्ट का दरवाजा खटखाया था। कोर्ट ने उन्हें राहत भी दी। इसके बाद जान्हवी कपूर ने भी अपने व्यकित्व अधिकारों की सुरक्षा की मांग की।

जान्हवी कपूर ने क्या मांग की?

जान्हवी कपूर ने अपने व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया था।अभिनेत्री ने 5,000 से अधिक वेबपेज, पोस्ट और एआई कंटेंट हटाने की मांग की थी। साथ ही फैन पेज पर रोक लगाने की भी मांग की। बीते दिन मंगलवार को कोर्ट ने जान्हवी से जुड़े अश्लील और पोर्नोग्राफिक ऑनलाइन कंटेंट को हटाने का अंतरिम आदेश दिया।

अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने 5,000 से अधिक वेबपेज, सोशल मीडिया पोस्ट, एआई-जनरेटेड पोर्नोग्राफिक कंटेंट, फर्जी अकाउंट, नकली बुकिंग एजेंसियों और चैटबॉट्स को हटाने की मांग की थी। अदालत ने कहा कि याचिका में मांगी गई राहत और दलीलें व्यापक हैं। अदालत ने जान्हवी कपूर के वकील को उन वेबपेजों की सूची देने को कहा गया, जिन पर स्पष्ट रूप से अश्लील कंटेंट है अथवा उनके व्यक्तित्व का इस्तेमाल कर वस्तुओं या सेवाओं की बिक्री की जा रही है। हालांकि, अदालत ने फैन पेज हटाने से इनकार कर दिया है। ऐसा करते हुए कोर्ट ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हवाला दिया।

तब्बू ने भी खटखटाया था दरवाजा

इससे पहले व्यक्तिव अधिकारों को लेकर तब्बू ने भी दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इस मामले में अदालत ने अभिनेत्री को राहत दी। कोर्ट ने तब्बू के नाम, तस्वीर, आवाज या व्यक्तित्व की अन्य विशेषताओं का बिना अनुमति व्यावसायिक या अनुचित इस्तेमाल करने पर रोक लगा दी है। इसी के साथ अदालत ने कई डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को आदेश दिया गया है कि वे तब्बू से जुड़े एआई जेनेरेटिड, डीपफेक, अपमानजनक व आपत्तिजनक कंटेंट को तुरंत हटाएं।

ये सितारे भी पहुंचे अदालत की शरण में

इससे पहले बीते महीने ही अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने अपनी एआई से बनीं डीपफेक तस्वीरों और मॉर्फ्ड कंटेंट के खिलाफ अदालत का रुख किया। उन्होंने याचिका दायर कर इस किस्म के कंटेंट पर तुरंत रोक लगाने की मांग की। इस मामले में उन्हें भी अदालत से राहत मिली। पब्लिसिटी और व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा की मांग करते हुए अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय भी अदालत का दरवाजा खटखटा चुके हैं। इनके अलावा ऋतिक रोशन, करण जौहर, अक्षय कुमार, कुमार सानू और अक्किनेनी नागार्जुन समेत तमाम सितारे अपने व्यक्तित्व अधिकार की सुरक्षा की मांग करते हुए अदालत की शरण में पहुंच चुके हैं।

द डिप्लोमैट के बाद फिर साथ काम करेंगे जॉन अब्राहम और शिवम नायर?

फिल्म 'द डिप्लोमैट' के बाद जॉन अब्राहम एक बार फिर शिवम नायर की फिल्म में नजर आने वाले हैं। ऐसी चर्चा है कि दोनों ने आगामी प्रोजेक्ट के लिए हाथ मिलाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों जिस एक्शन थ्रिलर फिल्म पर काम कर रहे हैं, उसका अभी कोई नाम नहीं रखा गया है। इसमें दो मेल लीड होंगे।

जॉन को तुरंत पसंद आया फिल्म का कॉन्सेप्ट

रिपोर्ट्स के मुताबिक जॉन की अगली फिल्म एक कमर्शियल एंटरटेनर होगी। इसे शिवम नायर के अब तक के सबसे मेनस्ट्रीम प्रोजेक्ट्स में से भी एक बताया जा रहा है। हालांकि, फिल्म की बाकी कास्ट और दूसरे हीरो को लेकर अभी कोई जानकारी नहीं है। बॉलीवुड हंगामा के अनुसार, शुरुआती बातचीत के दौरान ही जॉन अब्राहम को यह प्रोजेक्ट पसंद आ गया। पोर्टल की रिपोर्ट के मुताबिक, 'जॉन इस कॉन्सेप्ट से बहुत प्रभावित हुए और तुरंत इसके लिए तैयार हो गए'। जॉन की इस फिल्म को लेकर खबर है कि मेकर्स इस साल के आखिर तक फिल्म की शूटिंग शुरू करने की योजना बना रहे हैं। आने वाले महीनों में प्रोडक्शन शेड्यूल तय होने की उम्मीद है। फिलहाल इस प्रोजेक्ट को 2027 के आखिर में सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी है। मेकर्स की ओर से आधिकारिक एलान होने के बाद ही फिल्म के टाइटल, कास्ट और प्रोडक्शन के बारे में और जानकारी सामने आने की उम्मीद है।

फिल्म 'द डिप्लोमैट' साल 2025 में आई

जॉन अब्राहम और शिवम नायर ने पहली बार फिल्म 'द डिप्लोमैट' में साथ काम किया था। यह फिल्म साल 2025 में रिलीज हुई थी। 2025 में आई यह फिल्म उज्मा अहमद की असल जिंदगी की कहानी और पाकिस्तान में बंधक बनाए जाने के बाद भारत लौटने की उनकी कोशिशों पर आधारित थी। जॉन ने भारत के डिप्टी हाई कमिश्नर जे पी सिंह का किरदार निभाया।

जॉन अब्राहम के कई प्रोजेक्ट्स लाइन में हैं

शिवम नायर की फिल्म के अलावा जॉन अब्राहम के पास कई और प्रोजेक्ट्स हैं। उनकी आगामी फिल्मों में 'फोर्स 3' शामिल है। यह एक्शन थ्रिलर फिल्म 19 मार्च, 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। जॉन मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर राकेश मारिया की बायोपिक से भी जुड़े हैं, इसका नाम अभी तय नहीं है। रोहित शेट्टी इस प्रोजेक्ट को डायरेक्ट करेंगे।

तकनीक कभी भी कला की जगह नहीं ले सकती

अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश इन दिनों वेब गेमिंग रियलिटी शो 'प्लेग्राउंड' के 5वें सीजन में जज और मेंटोर के रूप में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि एआई किसी भी इंसानी चीजों की जगह नहीं ले सकता है। गेमिंग शो के प्रमोशन के दौरान मुंबई में अभिनेत्री ने बातचीत की। इस दौरान अभिनेत्री से पूछा गया कि क्या तकनीक कला को खत्म कर रही है। इस सवाल का जवाब अभिनेत्री ने बड़ी सहजता से दिया। उन्होंने कहा, 'तकनीक कभी भी असली आर्ट को रिप्लेस नहीं कर सकती है और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कितने भी ऐसे शो हों, जिनमें एआई का इस्तेमाल किया गया हो। हमने अपने शो में एक एआई कॉन्सेप्ट भी शामिल किया है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम इस शो में एआई को मेंटर बना देंगे, मुझे नहीं लगता कि ऐसा कभी हो सकता है।'

हालांकि, अभिनेत्री ने भी माना कि कुछ हद तक, विजुअल एंटरटेनमेंट में, एआई बेहतर बनाने के लिए एक कारगर टूल हो सकता है। बता दें कि अभिनेत्री इन दिनों अरुष भोला, एल्विश यादव के साथ गेमिंग रियलिटी शो में मेंटोर के रूप में नजर आ रही हैं। ये तीनों इस सीजन में अलग-अलग टीमों का नेतृत्व करते नजर आएंगे। इसके अलावा, इस शो के मुख्य फाउंडर्स और निर्माताओं (जैसे कैरी मिनाटी, मोर्टल और ट्रिगर इनसान) भी अलग-अलग रूपों में इस सीरीज से जुड़े हुए हैं। शो की बात करें, तो यह भारत का पहला गेमिंग और ई-स्पोर्ट्स रियलिटी शो है, जो एंटरटेनमेंट, कंपटीशन और इन्फ्लुएंसर कल्चर को एक साथ मिलाकर बना शो है। यह शो वर्चुअल प्लेग्राउंड के कॉन्सेप्ट पर बना हुआ है। इसमें यंग क्रिएटर्स, गेमर्स और इंटरनेट की मशहूर हस्तियां एक साथ आती हैं। इसमें अलग-अलग चैलेंज में हिस्सा लिया जाता है और साथ ही दोस्ती, दुश्मनी और टीम वर्क को भी मैनेज किया जाता है। यह शो प्रमुख ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम किया जा रहा है।

अब खुद को निर्दोष साबित करना चाहती हूं

अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती 'द ट्रेटर्स' सीजन 2' का हिस्सा हैं। इस शो में एक बातचीत के दौरान रिया ने अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद अपने ऊपर हुई जांच-पड़ताल के बारे में बात की है। रिया ने कहा... शो 'द ट्रेटर्स 2' में अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती ने कहा कि कई साल तक शक के दायरे में रहने के बाद अब वह लोगों के नजरिए में निर्दोष साबित होना चाहती हैं। रिया ने कहा मैं कई साल तक संदेह के घेरे में रहने के बाद खुद को निर्दोष साबित करना चाहती हूं। कई साल मैंने लोगों के शक में रहकर गुजारे हैं। मैं अब इसे खत्म करना चाहती हूं। मुझे इस साल क्लीन चिट मिल चुकी है। मैं चाहती हूं कि सब मुझे बेगुनाह समझें।

क्या है 'द ट्रेटर्स 2'

द ट्रेटर्स की कहानी दो ग्रुप्स के इर्द-गिर्द घूमती है। इस ग्रुप में इनोसेंट्स को मिलकर छिपे हुए गद्दारों की पहचान करनी होगी और उन्हें प्रतियोगिता से बाहर होने से पहले ही खत्म करना होगा। वहीं, गद्दार अपनी पहचान छिपाते हुए चुपके से दूसरों के खिलाफ साजिश रचते हैं।

इमरान हाशमी ने ली आवारापन से 10 गुना ज्यादा फीस!

इमरान हाशमी की कल्ट क्लाकिस फिल्म 'आवारापन' का सीक्वल 'आवारापन 2' सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। फिल्म में दिशा पटानी और शबाना आजनी भी अहम किरदारों में है। इन एक्टर्स ने फिल्म के लिए कितनी फीस चार्ज की है। फिल्म 'आवारापन 2' को लेकर दर्शकों के बीच काफी बज बना हुआ है। फिल्म की रिलीज से पहले अब इसकी स्टारकास्ट की कथित फीस को लेकर भी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, इमरान हाशमी फिल्म के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले एक्टर हैं।

दिशा पटानी की फीस कितनी

फिल्म में दिशा पाटनी भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्हें 'आवारापन 2' के लिए करीब 5 करोड़ रुपये फीस मिल रही है। दिग्गज अभिनेत्री शबाना आजमी भी 'आवारापन 2' का हिस्सा हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फिल्म में अहम भूमिका निभाने के लिए उन्हें करीब 2 करोड़ से 5 करोड़ रुपये के बीच फीस दी गई है। फिलहाल ये सभी फीस के आंकड़े रिपोर्ट्स पर आधारित हैं और मेकर्स या कलाकारों की तरफ से इनकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, इमरान हाशमी को 'आवारापन 2' में अपने आइकॉनिक किरदार शिव पंडित को दोबारा निभाने के लिए करीब 12 करोड़ रुपये फीस दी जा रही है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यह फीस उन्हें 2007 में आई पहली फिल्म 'आवारापन' के लिए मिली रकम से करीब 10 गुना ज्यादा है।

रुक्मिणी वसंत ने शुरू की अपनी अगली फिल्म शूटिंग की

रुक्मिणी वसंत का करियर रुकने का नाम ही नहीं ले रहा! एक के बाद एक नए प्रोजेक्ट्स के साथ अब एक्ट्रेस ने अपनी अगली फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है, यानी उनकी बढ़ती-चढ़ती फिल्मोग्राफी में एक और एक्साइटिंग प्रोजेक्ट की एंट्री हो गई है। हाल ही में रुक्मिणी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म के क्लैपबोर्ड की एक झलक शेयर करते हुए शूटिंग शुरू होने की ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर दी। इस अनटाइटल्ड मलयालम फिल्म में रुक्मिणी के साथ मलयालम स्टार निन पाउली नजर आएंगे। यानी साउथ के दो टैलेंटेड स्टार्स का ये कॉम्बिनेशन पहले से ही काफी इंटरेस्टिंग लग रहा है। सेट से एक झलक शेयर करते हुए रुक्मिणी ने लिखा, 'और बस, ये सफर शुरू हो गया।

किसी ऐसी जगह का हिस्सा बनना, जिसे आपने इतने लंबे समय तक दूर से निहारा और सराहा हो, अपने आप में बेहद खास एहसास है। और अब उसी जगह का एक छोटा सा हिस्सा बन पाना मेरे लिए वाकई बहुत स्पेशल फर्स्ट है। इस प्रोजेक्ट के लिए दिल से शुक्रगुज़ार हूँ '। अब फिल्म की टीम भी इसकी एक्साइटमेंट को और बढ़ा रही है। इस प्रोजेक्ट को चार्ली और नयट्ट जैसी शानदार फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले फिल्ममेकर-प्रोड्यूसर मार्टिन प्रक्कट का सपोर्ट मिला है। वहीं जय जय जय जय जय हे के राइटर्स में शामिल रहे नाशिद इस फिल्म को डायरेक्ट कर रहे हैं। रुक्मिणी वसंत और निन पाउली के साथ इन नामों का जुड़ना हक्क1 को मलयालम सिनेमा की मोस्ट इंटरेस्टिंग अपकमिंग फिल्मों में से एक बना रहा है। सप्त सागरदाचे एलो और कंतारा जैसी फिल्मों में अपनी शानदार परफॉर्मेंस से रुक्मिणी ने अपनी अलग पहचान बनाई है। कभी सिर्फ एक प्रॉमिसिंग कन्नड़ टैलेंट के तौर पर देखी जाने वाली रुक्मिणी अब धीरे-धीरे पूरे साउथ इंडियन सिनेमा में सबसे ज्यादा डिमांड वाली यंग एक्ट्रेसेस में अपनी जगह बना चुकी हैं। रुक्मिणी अब टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स को लेकर भी तैयार हैं। इसके अलावा उनके खाते में मच-अवेटेड बिग-टिकट फिल्म ड्रैगन भी है।

जिला में नशे की रोकथाम के लिए विभाग आपसी समन्वय से करें प्रभावी कार्रवाई : उपायुक्त

एजेंसी

पलवल। हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने राज्य स्तरीय नारको समन्वय समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रदेश में नशे से जुड़े अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा नशा विरोधी अभियानों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए व्यापक स्तर पर समन्वित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रदेश के सभी जिलों के उपायुक्तों एवं पुलिस अधीक्षकों ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया। जिला पलवल से उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर तथा पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल ने संबंधित अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से राज्य स्तरीय बैठक में सहभागिता की। उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने वीडियो कॉन्फ्रेंस उपरांत जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर नशे की रोकथाम के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि नशे की समस्या से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, औषधि नियंत्रण विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों को आपसी तालमेल और समन्वय के साथ कार्य करना होगा।

उपमंडल प्रशासनिक परिसर में फायर फाइटिंग मॉक ड्रिल आयोजित

कलायत । एसडीएम अजय हुड्डा के आदेशानुसार उपमण्डल प्रशासनिक परिसर, कलायत में फायर फाइटिंग प्रैक्टिस तथा मॉक ड्रिल आयोजित की गई। यह मॉक ड्रिल हाल ही में एसडीएम कार्यालय करनाल में हुई आगजनी की घटना को दृष्टिगत रखते हुए अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता एवं आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई के उद्देश्य से करवाई गई। मॉक ड्रिल में तहसीलदार कलायत, नायब तहसीलदार कलायत, उपमंडल प्रशासनिक परिसर के सभी अधिकारी/कर्मचारी तथा आमजन उपस्थित रहे। अग्निशमन कार्यालय, कैथल से आए अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा फायर एक्सटिंग्विशर के सही उपयोग तथा आग लगने की स्थिति में बचाव के उपायों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया और उपस्थित लोगों से फायर फाइटिंग की प्रैक्टिस भी करवाई गई। इस दौरान सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्यालयों में अग्निशमन उपकरणों को कार्यशील रखने तथा अग्नि सुरक्षा संबंधी सावधानियों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

स्टंबल लैब के माध्यम से बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाने पर दिया जाए विशेष जोर : एडीसी

कैथल। एडीसी डॉ. सुशील कुमार ने कहा कि स्टंबल लैब का उद्देश्य बच्चों में आत्मविश्वास पैदा करना है, ताकि वे पूरे उत्साह और निर्भीकता के साथ अपनी बात रख सकें। बच्चों में पढ़ाई के प्रति जिज्ञासा बढ़ाने के साथ-साथ उनकी प्रतिभा को निखारने के लिए शिक्षक प्रभावी ढंग से कार्य करें। स्टंबल लैब के तहत होने वाली गतिविधियों की नियमित निगरानी की जाए और समय-समय पर बच्चों के हाव-भाव एवं आत्मविश्वास के स्तर का भी आकलन किया जाए। एडीसी डॉ. सुशील कुमार लघु सचिवालय के सभागार में स्टंबल लैब को लेकर आयोजित बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि राजकीय स्कूलों में स्टंबल लैब पर गंभीरता से कार्य किया जाए तथा बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए नई एवं गुणवत्तापरक गतिविधियां आयोजित की जाएं। बच्चों को किसी गतिविधि में असफल होने पर निराश होने के बजाय दोगुने उत्साह के साथ अगली गतिविधि में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाए।

एक दशक बाद पानी से लबालब भरा नारनौल का ऐतिहासिक जल महल

नारनौल। हरियाणा के ऐतिहासिक शहर नारनौल का गौरव कहे जाने वाले जल महल में एक दशक के लंबे इंतजार के बाद पानी भरा गया है। पानी से लबालब भरा यह जल महल अब सैलानियों और स्थानीय नागरिकों के लिए एक अत्यंत मनमोहक एवं दर्शनीय स्थल बन गया है। भारतीय पुरातत्व विभाग ने इसे राष्ट्रीय महत्व का संरक्षित स्मारक घोषित किया हुआ है। मुगल सम्राट अकबर के शासनकाल में सन् 1591 ईस्वी में नारनौल के तत्कालीन गवर्नर नवाब शाह कुली खान द्वारा निर्मित किया गया था। शुष्क क्षेत्र में प्राकृतिक ढलान और मानसूनी जल संचयन की अद्भुत तकनीक का इस्तेमाल करके बनाया गया यह जलाशय स्थापत्य कला का बेजोड़ नमूना है, जिसमें उत्तर दिशा की ड्योढ़ी, 16 धनुषाकार मेहराबों वाले पुल, अष्टकोणीय गुंबद और चारों कोनों पर बने सुंदर कक्ष इसे राष्ट्रीय महत्व का स्मारक बनाते हैं। उपायुक्त अनुपमा अंजली ने बताया कि जल महल अब एक बेहद आकर्षक एवं बेहतरीन पर्यटन स्थल के रूप में उभरकर सामने आया है और प्रशासन की योजना इसे और अधिक जीवंत बनाने की है। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग से विधिवत अनुमति प्राप्त कर आने वाले समय में यहां शाम के समय संगीत संध्या यानी म्यूजिकल नाइट्स का आयोजन कराया जाएगा।

किसानों को 50 प्रतिशत सब्सिडी पर दिया जाएगा जिप्सम : सैनी

दस लाख एकड़ भूमि सुधार को जिप्सम खरीद की मंजूरी | निश्चित अवधि से कम समय में कार्य पूरा करने पर दिया जाएगा प्रोत्साहन

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश के किसानों की 10 लाख एकड़ भूमि को सुधारने के लिए लगभग 15.63 करोड़ रुपये की लागत से 25 हजार टन जिप्सम की खरीद की जाएगी ताकि किसानों को पर्याप्त मात्रा में जिप्सम उपलब्ध हो सके। मुख्यमंत्री सैनी चंडीगढ़ में हाई पावर्ड परचेज कमेटी की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री विपुल गोयल, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा, लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि हरियाणा भूमि सुधार निगम के माध्यम से किसानों को 50 प्रतिशत सब्सिडी पर भूमि सुधार के लिए जिप्सम उपलब्ध करवाया जाता है। उन्होंने कहा कि जिप्सम उच्च गुणवतायुक्त सुलभ करवाया जाए ताकि भूमि में जल्द सुधार कर उसे अधिक उपजाऊ बनाया जा सके। इसके अलावा कैथल के हैफेड कॉम्पलेक्स में 9.80 करोड़ रुपए की लागत से 21680 एमटी का गोदाम बनाने तथा क्वालिटी कंट्रोल लेब बनाने की भी स्वीकृति प्रदान की गई। मुख्यमंत्री ने पानीपत जिले के भैंसवाल, कुतानी, राजाखेड़ी,

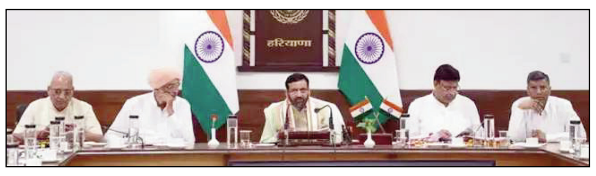

निम्बरी, उग्रखेड़ी, रिसालु, नांगलखेड़ी, काबरी, गढी, सिकन्दरपुर सहित 9 गांवों में महाग्राम योजना के तहत 75.50 करोड़ रुपये की लागत से पेयजल योजनाओं की स्वीकृति प्रदान की। इसी प्रकार गोहाना शहर के शनि मंदिर, एमपीएस गुढा क्षेत्र में सीवरेज लाइन भी 16.30 करोड़ रुपये की लागत से मंजूर की गई। उन्होंने पिंजौर कालका सेक्टर 27 में न्यायिक परिसर का निर्माण करने की स्वीकृति प्रदान की। इस पर 22.70 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इसी प्रकार अम्बाला शहर में लघु सचिवालय के प्रशासनिक ब्लॉक के तृतीय चरण का कार्य 34 करोड़ रुपये की लागत से करने की मंजूरी दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो कार्य निश्चित अवधि से कम समय में पूरा किया जाएगा, सरकार की योजना अनुसार उसे प्रोत्साहन दिया जाएगा। उन्होंने अम्बाला कैंट में बैंक स्कवेयर भवन फेज 1 का निर्माण कार्य 52 करोड़ रुपये की लागत से तैयार करने की स्वीकृति प्रदान की। इसके अलावा राजकीय नर्सिंग कॉलेज सफीदों का भी निर्माण 37.49 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने इंडस्ट्रीयल एरिया फेज 1 पंचकूला में सडक़ों को अपग्रेड एवं मजबूत बनाने के लिए 16.80 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की। पंचकूला के गांव जलोली में जिला जेल का निर्माण लगभग 40 करोड़ रुपये की लागत किया जाएगा। इसके अलावा कुण्डली मानेसर सडक़ सेक्शन मार्ग की 65.66 करोड़ रुपये लागत से लगभग 83 किलोमीटर मार्ग की मुरम्मत एवं रखरखाव किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने फतेहाबाद में जिला जेल बनाने की भी स्वीकृति प्रदान की। इस पर 37 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इसी प्रकार जुलाना शहर में वाटर सप्लाई कार्य पर 21.17 करोड़ की राशि खर्च की जाएगी।

भारत-यूके व्यापार समझौते से हरियाणा के लिए खुलेंगे वैश्विक बाजार के नए द्वार : मुख्यमंत्री

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा है कि भारत-यूनाइटेड किंगडम व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) हरियाणा के उद्योगों, एमएसएमई, किसानों, निर्यातकों तथा सेवा क्षेत्र के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजारों में विस्तार के नए अवसर लेकर आया है। 15 जुलाई, 2026 से लागू इस समझौते के तहत भारत के लगभग 99 प्रतिशत निर्यात को यूके के बाजार में शुल्क-मुक्त पहुंच प्राप्त हुई है, जो लगभग 100 प्रतिशत व्यापार मूल्य को कवर करती है। नायब सिंह सैनी ने जारी बयान में कहा कि भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच हुए इस समझौते के लागू होने से हरियाणा जैसे मजबूत विनिर्माण, कृषि, ऑटोमोबाइल, इंजीनियरिंग, टेक्सटाइल और सेवा क्षेत्र वाले राज्य को विशेष लाभ मिलने की संभावना है। यह समझौता लागू

होने के बाद 15 जुलाई, 2026 को हरियाणा से यूके के लिए फास्टनर्स की पहली निर्यात खेप रवाना हुई। इसे हरियाणा के विनिर्माण एवं निर्यात क्षेत्र के लिए एक नए अवसर की शुरुआत के रूप में देखा गया।मुख्यमंत्री ने बताया कि समझौते के तहत जिन प्रमुख क्षेत्रों को लाभ मिलने की संभावना है, उनमें टेक्सटाइल एवं परिधान, चमड़ा एवं फुटवियर, रत्न एवं आभूषण, रसायन, इंजीनियरिंग उत्पाद, ऑटो-पार्ट्स, मशीनरी, फार्मास्यूटिकल्स, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, हस्तशिल्प एवं सिरेमिक उत्पाद प्रमुख हैं। इस समझौते से पहले इन उत्पादों पर 4 से 70 प्रतिशत तक शुल्क लगता था। अब इन क्षेत्रों के उत्पादों को यूके में शून्य शुल्क पहुंच मिलने से उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी जिसका सीधा लाभ हरियाणा को मिलेगा। उन्होंने बताया कि हरियाणा में पानीपत का टेक्सटाइल एवं होम फर्निशिंग उद्योग, गुरुग्राम-मानेसर का ऑटोमोबाइल एवं ऑटो-पार्ट्स उद्योग, फरीदाबाद का इंजीनियरिंग एवं विनिर्माण क्षेत्र तथा राज्य के विभिन्न जिलों में कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं। सैनी ने बताया कि हरियाणा के टेक्सटाइल, परिधान, होम फर्निशिंग तथा अन्य श्रम-प्रधान उद्योग बड़ी संख्या में रोजगार उपलब्ध कराते हैं। भारत-यूनाइटेड किंगडम व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते के तहत इन उत्पादों को यूके के बाजार में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलने से निर्यात ऑर्डर बढने, उत्पादन क्षमता के विस्तार और रोजगार के नए अवसर सृजित होने की संभावनाएं बढ़ी हैं। यह समझौता केवल वस्तुओं के निर्यात तक सीमित नहीं है बल्कि इसने यूके में भारतीय सेवाओं के लिए 137 उप-क्षेत्रों में व्यापक बाजार पहुंच प्रदान की है।

एएनएम, जीएनएम व एमपीएचडब्ल्यू परीक्षा को लेकर धारा 163 लागू : जिलाधीश

एजेंसी

कैथल। जिलाधीश अपराजिता ने जिला कैथल में एएनएम, जीएनएम एवं एमपीएचडब्ल्यू की परीक्षाओं को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न करवाने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी किए हैं। यह आदेश 7 सितंबर 2026 तक परीक्षा के दौरान प्रभावी रहेंगे।

जारी आदेश के अनुसार जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होने वाली परीक्षाओं के मद्देनजर सभी परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में लाठी, डंडा, जेली अथवा किसी भी प्रकार के घातक हथियार लेकर चलने पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसके साथ ही परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर की परिधि में किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति के प्रवेश पर भी रोक रहेगी। आदेश के तहत परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में स्थित सभी फोटो कॉपी एवं कंप्यूटर की दुकानों का संचालन भी प्रतिबंधित रहेगा। परीक्षा केंद्रों के आसपास कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। जिलाधीश ने बताया कि यह आदेश ड्यूटी पर तैनात पुलिस एवं अन्य लोक सेवकों पर लागू नहीं होगा। आदेशों की अवहेलना करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत कार्रवाई की जाएगी तथा अन्य लागू कानूनी प्रावधान भी लागू होंगे। जिला प्रशासन ने परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों एवं आमजन से प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों की पालना करने तथा परीक्षा प्रक्रिया को शांतिपूर्ण एवं सुचारू रूप से संपन्न करवाने में सहयोग करने की अपील भी की है।

गांव जड़ौला और क्योड़क में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का दौरा

संबंधित विभागों के अधिकारी तैयारियां करें पूरी--कार्यक्रम की तैयारियों में न हो कोई लापरवाही : एडीसी डॉ. सुशील कुमार

एजेंसी

कैथल। एडीसी डॉ. सुशील कुमार ने कहा कि 20 अगस्त को जिला कैथल के गांव जड़ौला और क्योड़क में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कार्यक्रम प्रस्तावित हैं। सबसे पहले मुख्यमंत्री गांव जड़ौला में आयोजित संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज के मूर्ति स्थापना समारोह में भाग लेंगे और खेल स्टेडियम में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री क्योड़क के खेल स्टेडियम में वन महोत्सव के तहत पौधा रोपण करेंगे और जनसभा में नागरिकों को अपना संबोधन देंगे। इन कार्यक्रमों की संबंधित विभागों के अधिकारी पूरे तालमेल से तैयारियां करें। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। एडीसी डॉ. सुशील कुमार लघु सचिवालय के सभागार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम के दृष्टिगत समीक्षा बैठक के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे थे।

एडीसी ने साफ-सफाई, पार्किंग, बिजली की तारों को दुरूस्त करने, यातायात व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, शौचालय, सड़कों, पेयजल व्यवस्था के साथ अन्य व्यवस्थाओं के बारे में संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने हेलीपैड की तैयारियों के संदर्भ में संबंधित विभागों को निर्देश दिए जारी किए। कार्यक्रम का रूट प्लान में किसी प्रकार की बाधा नहीं होनी चाहिए। पुलिस विभाग यातायात व सुरक्षा व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए पूरी प्लानिंग तैयार की जाए, ताकि जाम जैसी स्थिति उत्पन्न न हो। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों की ड्यूटियां लगाई जाएगी। सभी अधिकारी जिम्मेदारी से कार्य करेंगे।

आकांक्षी खंड हथीन को लेकर आएं विकास की मुख्यधारा में : उपायुक्त

डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने आकांक्षी ब्लॉक हथीन के समग्र विकास को लेकर बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

एजेंसी

पलवल। उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने आकांक्षी ब्लॉक हथीन के समग्र विकास को लेकर जिला सचिवालय स्थित सभागार में संबंधित अधिकारियों की बैठक लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी समन्वय और परिणामोन्मुखी कार्यशैली अपनाकर जिला के खंड हथीन को विकास की मुख्यधारा में लेकर आएं और आकांक्षी ब्लॉक हथीन का समग्र विकास सुनिश्चित करें।

उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपनी विभागीय प्रगति रिपोर्ट निर्धारित समय पर 'नीति तारा' पोर्टल पर अपलोड करें। उपायुक्त ने कहा कि आकांक्षी ब्लॉक देश के ऐसे विकास खंड हैं जिन्हें नीति आयोग द्वारा स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे जैसे प्रमुख सामाजिक-आर्थिक मानकों में तेजी से सुधार लाने के लिए चुना गया है। उन्होंने कहा कि सरकार

नागरिकों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने और सभी के लिए समावेशी विकास 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह कार्यक्रम लोगों की ऐसी क्षमता बढ़ाने पर केंद्रित है जिससे वे देश की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में पूरी तरह से भाग ले सकें। उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने आकांक्षी ब्लॉक हथीन को विकास में आगे लाने के लिए 'नीति तारा' टूलकिट के प्रयोग पर जोर देते हुए कहा कि 'नीति तारा' एक एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसके जरिये संबंधित विभाग अपनी-अपनी विकास योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट ऑनलाइन अपलोड कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि विभागों को उपलब्ध कराए गए आईडी एवं पासवर्ड के माध्यम से वे अन्य विभागों की प्रगति रिपोर्ट का भी अवलोकन कर सकेंगे, जिससे विभागीय समन्वय और अधिक सुदृढ़ होगा।

हरियाणा रोडवेज में 700 कंडक्टरों की भर्ती और 500 इलेक्ट्रिक बसों की खरीद होगी : अनिल विज

मोबाइल ऐप में बसों की लाइव लोकेशन और तीन भाषाओं की सुविधा - विज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा कि यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अगले एक माह के भीतर हरियाणा रोडवेज का मोबाइल ऐप लॉन्च किया जाएगा। इसके अलावा, हरियाणा रोडवेज में करीब 700 कंडक्टरों की भर्ती की जाएगी तथा राज्य में 500 इलेक्ट्रिक बसें खरीदी जाएंगी। विज चंडीगढ़ में परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में परिवहन विभाग के आयुक्त एवं सचिव अतुल द्विवेदी भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान अधिकारियों ने विज को बताया कि विभाग में करीब 700 कंडक्टरों की पदोन्नति की जानी है और उनके

स्थान पर जल्द ही 700 नए कंडक्टरों की भर्ती की जाएगी। इस पर विज ने अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई शीघ्र पूरी करने के निर्देश दिए।

अधिकारियों ने यह भी बताया कि राज्य में ग्रीन एनर्जी के साथ-साथ ग्रीन ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 500 इलेक्ट्रिक बसें खरीदी जाएंगी। इसके अतिरिक्त, 125 साधारण बसें हरियाणा रोडवेज इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन के माध्यम से तैयार की जा रही हैं। बैठक में परिवहन विभाग के अधिकारियों ने मंत्री विज के समक्ष तैयार किए गए मोबाइल ऐप की प्रस्तुति दी। ऐप की समीक्षा करते हुए विज ने निर्देश दिए कि इसमें यात्रियों की सुविधा के लिए आवश्यक मॉड्यूल जोड़े जाएं। उन्होंने कहा कि ऐप में ''निर्धारित समय पर निर्धारित बस अड्डे या बस स्टॉप पर बस के पहुंचने की जानकारी'', बसों के ''अनधिकृत स्थानों पर ठहराव की जानकारी'' तथा अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए। विज द्वारा अधिकारियों को ऐप को ''हिंदी, अंग्रेजी और पंजाबी'', तीनों भाषाओं में उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए गए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐप 'एंड्रायड और आईओएस' दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होना चाहिए। इसके माध्यम से यात्रियों को बसों की ''लाइव लोकेशन'' की जानकारी मिलनी चाहिए।

परिवार में प्रॉपर्टी ट्रांसफर पर स्टैंप ड्यूटी में छूट में बेटी के बच्चे भी शामिल हैं - डॉ. सुमिता मिश्रा

संशोधित सुधार में 'पौत्र-पौत्री' वाक्यांश को बदलकर 'पौत्र-पौत्री, दौहता-दोहती/नाती-नातिन' कर दिया गया है।

एजेंसी

चंडीगढ़। प्रॉपर्टी ट्रांसफर करने वाले परिवारों के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर है। हरियाणा सरकार ने स्पष्ट किया है कि परिवार के भीतर अचल संपत्ति के जीवनकाल में ट्रांसफर पर मिलने वाली पूरी स्टैंप ड्यूटी छूट में बेटी के बच्चे (दोहता-दोहती / नाती-नातिन) भी शामिल हैं। राजस्व और आपदा प्रबंधन विभाग की वित्तायुक्त डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि राज्य सरकार ने 2014 के नोटिफिकेशन के हिंदी-वर्शन में लंबे समय से चली आ रही भाषा संबंधी अस्पष्टता को दूर करने के लिए एक औपचारिक सुधार जारी किया है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि 16 जून 2014 को हरियाणा सरकार ने इंडियन स्टैंप एक्ट, 1899 की धारा 9 के तहत, मालिक के जीवनकाल में खून के रिश्तों (जैसे माता-पिता, बच्चे, पोते-पोतियां, भाई-बहन और जीवनसाथी) के पक्ष में किए गए प्रॉपर्टी ट्रांसफर डीड पर 100फीसदी स्टैंप ड्यूटी माफ कर दी थी।

हालांकि, जहां मूल अंग्रेजी टेक्स्ट में व्यापक रूप से 'grandchildren' (पोते-पोतियां/नाती-नातिन) शब्द का इस्तेमाल किया गया था, वहीं हिंदी नोटिफिकेशन में केवल 'पौत्र-पौत्री' (बेटे के बच्चे) का ही जिक्र था। इस शब्दावली के कारण स्थानीय सब-रजिस्ट्रार ऑफिस में भ्रम पैदा हो गया, जिससे अक्सर बेटी के बच्चे जीरो-ड्यूटी के लाभ से वंचित रह जाते थे। इस समस्या को हल करने के लिए, राजस्व और आपदा प्रबंधन विभाग ने 24 जुलाई 2026 को एक सुधार जारी किया, जिसे 13 अगस्त 2026 को हरियाणा सरकार के गजट में औपचारिक रूप से प्रकाशित किया गया।

संशोधित सुधार में 'पौत्र-पौत्री' वाक्यांश को बदलकर 'पौत्र-पौत्री, दौहता-दोहती/नाती-नातिन' कर दिया गया है। इससे स्टैंप ड्यूटी छूट के लिए बेटी के बेटे-बेटियों को स्पष्ट रूप से बेटे के बच्चों के बराबर का दर्जा दिया गया है।

डॉ. मिश्रा ने कहा कि मूल 2014 के आदेश में सुधार के तौर पर यह स्पष्टीकरण जारी करने से राज्य के सभी राजस्व और रजिस्ट्री ऑफिस में पिछली तारीख से कानूनी स्पष्टता सुनिश्चित होती है। इससे नागरिक बिना किसी अनावश्यक टैक्स विवाद या प्रक्रियात्मक देरी के आसानी से अपनी बेटी के बच्चों को प्रॉपर्टी गिफ्ट या ट्रांसफर कर सकेंगे।

भ्रष्टाचार के कारण धंसा कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे, अखिलेश बोले- नई पीढ़ी भाजपा से नाराज

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सपा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि जनता, किसान और नई पी ?ी भाजपा सरकार से बेहद नाराज है। आने वाला समय बदलाव का है। सपा सरकार बनने पर रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान और विकास के क्षेत्र में ठोस काम किए जाएंगे। अखिलेश यादव शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय पर ब ?ी संख्या में आए कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे लगभग 63 किलोमीटर लंबा है। इसकी लागत चार हजार करो ? रुपये से अधिक है। निर्माण के बाद ही स ?क जगह-जगह से धंस गई, जो कि भ्रष्टाचार का नमूना है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे 90 किलोमीटर स ?क पर सात हजार करो ? रुपये खर्च किए, जबकि यह महज फोरलेन की स ?क है। सात हजार करो ? रुपये में समाजवादी पार्टी की सरकार ने चार विश्वविद्यालय बनाए हैं। राज्यपाल ने भी गोरखपुर और प्रदेश में भ्रष्टाचार को लेकर गंभीर टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि जब नेताजी मुलायम सिंह यादव पहली बार मुख्यमंत्री बने थे, तब प्रदेश का बजट लगभग 70 हजार करो ? रुपये था। आज बजट ब ?कर लगभग 9 लाख करो ? रुपये हो गया है, लेकिन इसके बावजूद महंगाई पर नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। बाजार पर दूसरों का कब्जा ब ?ता जा रहा है।

NAME CHANGE

I, SARJEET S/o JAGBIR, R/o House No.115, Neemka Sector-72, Faridabad-121004, Haryana, have changed the name of my minor son YUG alias YUVRAJ, aged 6 years and he shall hereafter be known as YUVRAJ.

NAME CHANGE

I hitherto known as MANOOJ KUMAR GOEL S/o JAI CHAND, R/o Flat Number Liberte- 106, Omaxe Heights, Near MDPS School, Sector- 86, Faridabad, Haryana-121002 have changed my name and shall hereafter be known as MANOJJ GOEL.

NAME CHANGE

I, PARVEEN KUMAR S/o RAM AVTAR, R/o 4512, Block-1, Holi Wala, Fatehpur Biloch, Faridabad-121004 have changed the name of my minor son KHATOO alias DHRUV SHANDILYA, aged 5 years and he shall hereafter be known as DHRUV SHANDILYA.

NAME CHANGE

It is for general information that I, RAMKUMAR S/O RAGHUNATH SINGH, R/o House No.1441, Sector-3, Ballabgarh, Faridabad-121004, declare that name of mine has been wrongly written as R K TYAGI in my pan card no. ADNPT1090P. The actual name of mine is RAMKUMAR, which may be amended accordingly.

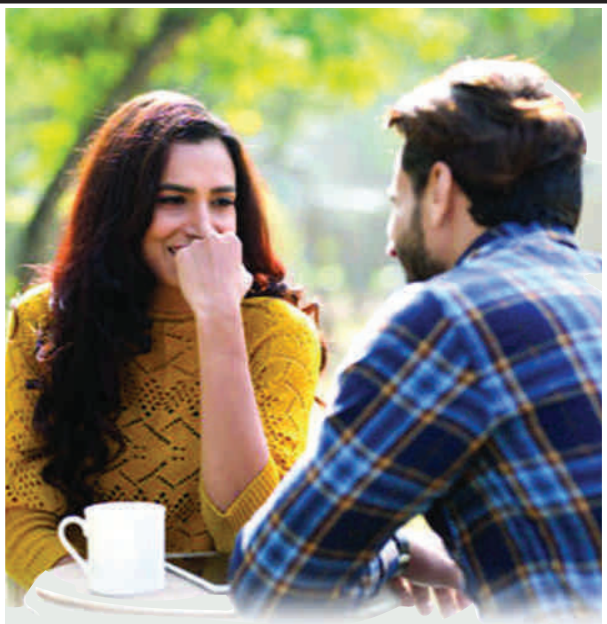

शादीशुदा जिंदगी में इन बातों को करें फॉलो

लड़ाई-झगड़ा, प्यार-मोहब्बत, हर रिश्ते में होना लाजमी है। लेकिन अगर ये झगड़ा बहुत ज्यादा होने लगे तो ये अच्छा नहीं होता क्योंकि इससे रिश्ते टूट सकते हैं। किसी भी रिश्ते में लड़ाई होना बेहद खराब है, हां हल्की-फुल्की नोक झोंक तो हर घर में होती है, पर जब ये ज्यादा होने लगे तो खतरे की घंटी साबित हो सकती है। अगर आपके रिश्ते में ऐसा कुछ हो रहा है तो आप कुछ टिप्स फॉलो कर सकते हैं। आइए, जानते हैं-

विश करें

तो क्या हुआ कि आपकी शादी को कई साल हो चुके हैं, प्यार को बरकरार रखने के लिए आपको हर चीज करनी चाहिए। भले ही आप दोनों के उठने का समय अलग है लेकिन आप दोनों को सुबह एक दूसरे को गुड मॉर्निंग विश करना चाहिए। साथ ही रात में सोने पर भी आपको गुड नाइट विश करके सोना चाहिए। ये एक अच्छी आदत होने के साथ-साथ आपके रिश्ते को जीवित रखने में मदद करता है।

फूल

फूल किसे पसंद नहीं होते, इन दिनों फेस्टिव सीजन है तो यकीनन आपकी वाइफ भी रोजाना अच्छे से तैयार होती होंगी। ऐसे में उनको आप फूल दे सकते हैं। वह इसे अपने बालों में लगा सकती है और ये सच में काफी रोमांटिक होगा।

तारीफ

एक दूसरे की तारीफ करें। आप अपने पार्टनर की किसी फोटो या फिर वो दिन भर कैसी लग रही थी इस बात की तारिफ करें। रोजाना आप दोनों मेहनत करते हैं तो ऐसे में एक दूसरे के काम की तारीफ भी कर सकते हैं।

हाई हील पहनने की हैं शौकीन, पूरे दिन पहनकर रखने के लिए अजमाएं ये हैक्स

हील्स पहनना अधिकतर महिलाओं को पसंद होता है। हील्स पहनने के लिए किसी भी परफेक्ट आउटफिट पहनने की जरूरत नहीं होती, बल्कि किसी भी लुक को परफेक्ट बनाने के लिए आप हील्स पहन सकते हैं। हील्स की एक खासियत यह भी है कि यह पैरों को ज्यादा लंबा दिखाते हैं, जिससे आपका लुक और भी ज्यादा अट्रैक्टिव लगता है। हाई हील्स के साथ एक समस्या यह होती है कि यह बहुत ज्यादा देर तक आपको कंफर्टेबल महसूस नहीं करवाते हैं। इसलिए अगर आप ऑफिस में या फिर किसी मैरिज फंक्शन आदि में पहन रही हैं तो हो सकता है कि आपको पैरों में दर्द का एहसास होने लगे। तो जानते हैं हाई हील्स से जुड़े कुछ हैक्स के बारे में।

हैक 1

डबल टेप का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसे आप तलवे से चिपका दें। यह ट्रिक आपके फुटवियर को पैरों पर ज्यादा आरामदायक तरीके से रखेगी। साथ ही इसके कारण होने वाले फफोले और पैर की उंगलियों में दर्द काफी हद तक कम हो जाएगा।

हैक 2

हील्स में आप इनसोल्स का इस्तेमाल कर सकती हैं। ये सिलिकॉन या कपड़े से बने होते हैं। यह आपके पैरों को हाई हील्स में आगे बढ़ने से रोकते हैं, साथ ही आरामदायक भी होते हैं।

हैक 3

पार्टी में अक्सर हील्स उतारने का मन करता है, लेकिन आप ऐसा करने से बचें क्योंकि जब आप हील्स उतारते हैं तो उस पल तो आपको राहत मिल जाती है लेकिन कई बार ऐसा करते ही पैरों में सूजन आ जाती है और फिर जब आप हील्स दोबारा पहनती हैं तो पैरों में ज्यादा दर्द होता है।

हर लड़की को सीखनी चाहिए ये चीजें

यूं तो आज लड़कियां लड़कों से किसी भी क्षेत्र में कम नहीं हैं। घर की जिम्मेदारियों से लेकर बाहर पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने तक में, उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से अपने लिए एक खास जगह बनाई है। बावजूद इसके आज जानते हैं वो 5 चीजें जिन्हें होम मेकर हो या कोई प्रोफेशनल लड़की, जरूर सीखना चाहिए।

अकाउंट्स मेनटेन रखना

घर संभालना हो या फिर बाहर रहकर नौकरी करते हुए अपने खर्चों को करना हो मैनेज, लड़कियों को अपने फाइनेंशियल डिसीजन खुद लेने आने चाहिए। इसके लिए उन्हें सबसे पहले अपना अकाउंट्स मेंटेन करना जरूर आना चाहिए। आप ऐसा करते हुए आप अपने खर्चों पर भी खुद नजर रख पाएंगी। इसके अलावा लड़कियों को समय पर टैक्स रिटर्न भरना भी जरूर सीखना चाहिए। अपने रिटायरमेंट प्लान से लेकर सेविंग्स तक की प्लानिंग के लिए अपने पैसे को समझदारी से इन्वेस्ट करें।

साइन करने से पहले हर कागज को अच्छे से पढ़ें

ज्यादातर लोग अक्सर किसी डॉक्यूमेंट या कागज को बिना पढ़े ही साइन कर देते हैं। आपकी ये आदत आपको भविष्य में नुकसान पहुंचा सकती है। लड़कियों का मन कोमल होता है। आपका किसी पर विश्वास करना उचित है बावजूद इसके आपको समझदारी से काम लेना भी आना चाहिए। ऐसे में कभी भी किसी भी लीगल या जरूरी डॉक्यूमेंट्स पर साइन करने से पहले उसे जरूर अच्छे से पढ़ें।

बेसिक सेल्फ डिफेंस स्किल्स

वक्त चाहे कोई भी क्यों न हो, आप अपनी किस्मत को आजमाने के लिए रात या दिन का इंतजार थोड़े ही करेंगे। रात हो या दिन, आपको अपनी सुरक्षा के लिए बेसिक सेल्फ डिफेंस मूव्स जरूर आने चाहिए ताकि आप मौका पड़ने पर किसी भी जगह सुरक्षित रह सकें। आप इसके लिए वीकेंड पर सेल्फ डिफेंस कोर्स कर सकती हैं।

सिग्नेचर डिश

हर व्यक्ति अपनी किसी न किसी खासियत की

घर की जिम्मेदारियों से लेकर बाहर पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने तक में लड़कियों ने अपनी मेहनत और लगन से अपने लिए एक खास जगह बनाई है।

वजह से लोगों के बीच पहचाना जाता है। ऐसे में आप भी अपनी किसी सिग्नेचर डिश की वजह से लोगों के बीच फेमस हो सकते हैं। जब आप डिनर या पार्टी के लिए लोगों या दोस्तों को अपने घर बुला रही हैं तो मेन्यू में आपकी एक सिग्नेचर डिश तो होनी ही चाहिए जिसका स्वाद वो सालों-साल याद रखें।

कार का टायर बदलना

अक्सर लोगों को लगता है कि गाड़ी का टायर बदलने का काम सिर्फ लड़के ही अच्छा कर सकते हैं। लेकिन अगर आप भी ड्राइव करती हैं तो यह काम आपको भी जरूर सीखना चाहिए वरना आप कभी भी मुश्किल में पड़ सकती हैं।

डेटिंग प्रोफाइल के लिए फोटो चूज करने में इन टिप्स की लें मदद

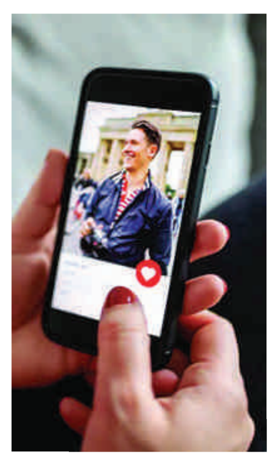

ऑनलाइन डेटिंग करना मुश्किल हो सकता है। ऐसे में जब आप ऑनलाइन प्रोफाइल को सेट करते हैं तो आप पूरी तरह से सभी कुछ बेस्ट करने की कोशिश करते हैं। जिसे देख आसानी से कोई भी इंप्रेस हो जाए। हालांकि आपको इस बात को ध्यान में रखना चाहिए कि आपके प्रोफाइल का बायो पूरी तरह से आपको डिस्क्राइब करना चाहिए। अगर आप ऐसा करते हैं तभी आप ज्यादा से ज्यादा मैच पा सकते हैं। इन सभी के साथ ये भी जरूरी है कि आप एक सही प्रोफाइल फोटो चूज करें। ऐसे में आप जब भी डेटिंग प्रोफाइल फोटो चूज करें तो कुछ बातों को ध्यान में रखें। तो चलिए जानते हैं कुछ टिप्स के बारे में जिनकी मदद से आप अपनी प्रोफाइल फोटो सेट कर सकत हैं।

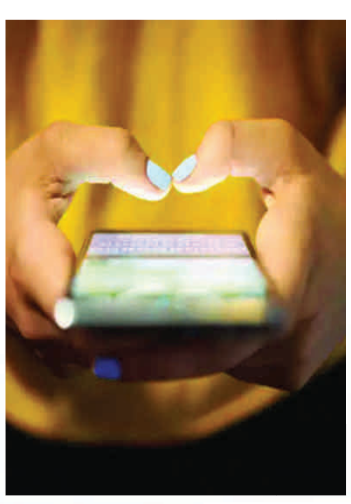

टिप 1

ऐसी फोटो चूज न करें जिसमें आपका चेहरा क्लीयर न हो, या फिर आपका चेहरा दिख ही न रहा हो। ये फोटो अच्छा ऑप्शन नहीं होगा क्योंकि सामने वाले को आपकी फोटो ही नहीं दिखेगी। ऐसी फोटो चुने जिसमें आप पूरी तरह से दिख रहे हों।

टिप 2

कई बार लोग डेटिंग एप पर ग्रुप फोटो लगाते हैं, ऐसे में सामने वाले को ये कंफ्यूजन हो सकता है कि प्रोफाइल किसकी है। तो ध्यान रखें की फोटो सिर्फ आपकी हो न की ग्रुप फोटो हो।

टिप 3

ऑनलाइन डेटिंग एप पर अगर आप फोटो स्लेक्ट कर रहे हैं तो ऐसी फोटो लगाएं जो आपको डिस्क्राइब करे। अगर आपको कैंपिंग पसंद है तो आप कैंपिंग की फोटो लगा सकते हैं या फिर अगर आपको बुक्स पढ़ना पसंद है तो किसी लाइब्रेरी की फोटो लगा सकते हैं।

टिप 4

एक ऐसी फोटो लगाएं जिसमें आप कॉन्फिडेंट नजर आ रहे हैं। कई बार लोग अपने कपड़ों के साथ कॉन्फिडेंट नहीं होते हैं फिर भी उन कपड़ों में वह प्रोफाइल फोटो लगा सकते हैं।

कहीं आपकी चांदी की ज्वेलरी नकली तो नहीं है? ऐसे जानें

सोना और प्लेटिनम की तरह ही चांदी भी एक लोकप्रिय धातु है। आमतौर पर लोग सोने और चांदी के गहने पहनना पसंद करते हैं और वास्तव में चांदी के गहने दिखने में खूबसूरत भी लगते हैं। जब बात चांदी के गहनों को आती है तो लोग मुख्य रूप से इसकी पायल और बिछिया पहनते हैं। चांदी एक कीमती धातु है जो बहुतायत में पाई जाती है और इसका उपयोग गहनों के अलावा पूजा के सिक्के, सजावटी सामान, मूर्तियां और अन्य टिकाऊ वस्तुएं जैसे बर्तन बनाने के लिए भी किया जाता है।

यह एक नरम धातु है और यदि आप अपनी चांदी से बनी चीजों की उचित देखभाल करते हैं, तो यह लंबे समय तक नए जैसी बनी रहती हैं। चाहे आप चांदी के झुमके की एक जोड़ी खरीदें या स्टर्लिंग चांदी से बनी चांदी की अंगूठी और पायल, यदि आप इसकी अच्छी देखभाल करेंगी तो या सालों साल नयी जैसी बनी रहेंगी। लेकिन देखभाल के साथ आपके लिए इन्हें खरीदते समय इस बात का ध्यान रखना भी जरूरी है कि आप जो चांदी खरीद रही हैं वो असली और शुद्ध है या नहीं। वास्तव में यदि आप नकली चांदी खरीदेंगी के बाद भी ये जल्दी ही खराब होने लगती है। आइए जानें कि आप किन युक्तियों से इस बात का पता आसानी से लगा सकती हैं कि आपकी चांदी असली है या नहीं।

लेबल की जांच करें

चांदी की वस्तु असली है या नकली यह जांचने के लिए आभूषण पर लेबल की जांच करना। यदि उस पर एक छोटा लेबिल है जिसमें स्टर' या 'स्टर्लिंग' प्रिंट है, तो इसका मतलब है कि वस्तु

चांदी या चांदी चढ़ाया हुआ। जब भी चांदी की वस्तुओं को अंतरराष्ट्रीय या घरेलू स्तर पर बेचा जाता है, तो एक हॉलमार्क ट्रेड स्टैम्प होता है जो धातु को प्रमाणित करता है। किसी दुकान से चांदी की वस्तु खरीदने से पहले, हमेशा 'स्टर्लिंग' के मानक स्टैंप की जांच जरूर करें।

मैग्नेट टेस्ट

मैग्नेट का उपयोग करके यह जांचने का एक और अच्छा तरीका है कि आपने जो चांदी खरीदी है वह असली है या नकली। यदि आपके घर में कोई भी चुम्बक पड़ा हुआ है, तो आप इसका उपयोग

प्रदर्शित करती है। इसके लिए एक मैग्नेट का प्रयोग करें और उसे चांदी की वस्तु के करीब लाएं जिसे आप जांचना चाहते हैं और देखें कि क्या यह मैग्नेट से मजबूती से चिपकती है। यदि ऐसा है तो समझ लें कि ये असली चांदी नहीं है।(मोतियों की ज्वेलरी की ऐसे करें केयर)

आइस क्यूब टेस्ट

चांदी के शुद्ध होने या न होने की जांच करने का एक और आसान तरीका बर्फ के टुकड़े का उपयोग करना है। यह विधि चांदी के सिक्कों और अन्य चांदी की वस्तुओं के सपाट सतहों के परीक्षण के लिए आदर्श है। चांदी के सिक्के या गहनों पर आइस क्यूब रखें। यदि आइस क्यूब जल्दी पिघलती है, तो आपके पास जो चांदी की वस्तु है वह असली है। दरअसल चांदी में किसी सामान्य धातु की तुलना में अत्यधिक मात्रा में थर्मल कंडक्टिविटी होती है जो बर्फ को तुरंत पिघला देती है।

वजन परीक्षण

चांदी अधिकांश धातुओं की तुलना में ज्यादा हैवी होती है। इस धातु के वजन में एक विशिष्ट व्यास और मोटाई होती है। यदि चांदी का वजन कम होता है, तो यह स्टर्लिंग चांदी के बजाय हल्के चांदी के मिश्र धातुओं से बनी हो सकती है। यदि इसका वजन अधिक है, तो

आमतौर पर चांदी की परत वाली वस्तुओं की तुलना में ठंडी होती है और चमकदार होती है।

ब्लीच टेस्ट

चांदी की धातु की प्रामाणिकता की जांच के लिए ब्लीच का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। बस चांदी की वस्तु पर ब्लीच की एक बूंद डालें। ब्लीच जैसे ऑक्सीडाइजिंग केमिकल के संपर्क में आने के बाद अगर यह धूमिल हो जाए तो यह असली चांदी है। ब्लीच के संपर्क में आने पर असली चांदी तुरंत काली हो जाएगी जबकि नकली धातु पर ब्लीच का कोई असर नहीं होता है। लेकिन

हिस्से में ही ब्लीच डालें।

इन सभी युक्तियों से आप अपनी चांदी के गहनों की जांच कर सकते हैं और ये पता लगा सकते हैं कि चांदी असली है या नकली।